हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

Page 11

खेल

पेरिस में पदक नहीं जीत पाने का अफसोस, निकहत ने शुरू कर दी तैयारी

Page 10

देश

61 साल की उम्र में दिलीप घोष करने जा रहे हैं शादी, कौन है भाजपा नेता की दुल्हनिया

कृष्ण पक्ष, पूर्वाषाढ़ा, विक्रम संवत् 2082 • औरंगाबाद • शनिवार • 19 अप्रैल 2025 • वर्ष 27 • अंक 128 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 97,580	₹ 99,900

आज का इतिहास

2004 : पुर्तगाल के सर्वोच्च न्यायालय ने भारत में कई आपराधिक मामलों में वांछित माफिया सरगना अबू सलेम के भारत प्रत्यर्पण सम्बन्धी आदेश की पुनः समीक्षा का आग्रह किया।

1965 : कच्छ के रन में भारत-पाक में युद्ध छिड़ा।

न्यूज बाइट्स

बर्ड फ्लू का खतरा कम : डब्ल्यूएचओ

नई दिल्ली (ए.)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि वर्तमान में मानव समाज में बर्ड फ्लू के फैलने का खतरा बहुत ही कम है। संगठन ने गुरुवार देर रात जारी एक ताजा आकलन में कहा कि अभी तक मिली सूचनाओं के आधार पर कहा जा सकता है कि मानव समाज में बर्ड फ्लू फैलने का खतरा बहुत ही कम है। इसके अलावा जो लोग संक्रमित पशुओं के संपर्क में काम करते हैं उन्हें भी बर्ड फ्लू से मध्यम स्तर का ही खतरा हो सकता है। ये लोग बर्ड फ्लू से आंशिक रूप से प्रभावित हो सकते हैं। संगठन ने कहा है कि बर्ड फ्लू की मौजूदा स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और समय के अनुसार कदम उठाए जा सकते हैं। संगठन ने कहा है कि इसके बावजूद भी सतर्कता बरती जानी चाहिए। इसके लिए डब्ल्यूएचओ ने एक परामर्श पत्र जारी किया है। परामर्श पत्र के अनुसार खेतों पर जैव सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था नियमित तथा मजबूत की जानी चाहिए। प्रत्येक संक्रमित व्यक्ति की जांच की जानी चाहिए और उचित कदम उठाए जाने चाहिए। मांस और अंडों का प्रयोग पूरी तरह से पकाने के बाद ही किया जाना चाहिए। इसके अलावा प्रसंस्करित दूध का प्रयोग किया जाना चाहिए।

दो करोड़ महिलाओं तक पहुंचेगा सरकार का संदेश

सीएम ने 'महिला संवाद' का किया शुभारंभ

- बिहार में महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक नई पहल की शुरुआत हुई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'महिला संवाद' अभियान की शुरुआत की है। जिसका मकसद राज्य की करोड़ों महिलाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें जागरूक और आत्मनिर्भर बनाना है।

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को 'महिला संवाद' अभियान की शुरुआत की। इस अभियान का उद्देश्य राज्य की महिलाओं को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना और उन्हें सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। राजधानी पटना से सीएम नीतीश कुमार ने 50 प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जो राज्य के कोने-कोने तक संदेश पहुंचाएंगे।

अभियान के पहले दिन ही राज्य के 600 स्थानों पर महिला संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अगले 60 दिनों में इस अभियान के तहत पूरे बिहार में 70,000 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। खास बात यह है कि इनमें से 600 प्रचार वाहन विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण करेंगे और वहां की महिलाओं से संवाद स्थापित करेंगे। सरकार का लक्ष्य है कि इस अभियान के माध्यम से लगभग 2 करोड़ महिलाओं तक सीधी पहुंच बनाई जाए। इसमें जीविका समूह की 1.35 लाख से अधिक महिलाएं भाग लेंगी। केवल पटना जिले में ही लगभग 1395 जगहों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें प्रतिदिन सुबह और शाम औसतन 1200 स्थानों पर संवाद होगा।

अनेकों योजनाओं की दी जाएगी जानकारी

महिला संवाद के तहत महिला सशक्तिकरण नीति 2015, शराबबंदी, आरक्षण, दहेज उन्मूलन, बाल विवाह निषेध, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, छात्रा पोशाक योजना, जीविका जैसी अनेक योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। यह अभियान न सिर्फ महिलाओं को जानकारी देने का माध्यम बनेगा, बल्कि उन्हें अपनी सामाजिक भूमिका और अधिकारों के प्रति जागरूक कर सशक्त समाज की नींव रखने में मदद करेगा।

महिला संवाद रथ का उद्देश्य

राज्य सरकार की ओर से बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य नीतीश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को महिलाओं को अवगत कराना है। कार्यक्रमों में राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रम एवं योजनाओं के बारे में बताया जाएगा। साथ ही कार्यक्रमों में महिलाएं खुलकर अपनी, अपने गांव एवं टोले की समस्याओं और आकांक्षाओं को खुलकर रख सकेंगी। राज्य सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में क्रियान्वित योजनाओं, कार्यों और ग्रामीण क्षेत्रों में आए सकारात्मक बदलाव पर विस्तृत चर्चा किए जाने तथा सरकार के स्तर पर योजनाओं के सूत्रण एवं नीति निर्धारण में महिलाओं की आकांक्षाओं को बेहतर ढंग से समाहित करने के लिए महिला संवाद कार्यक्रम आयोजन किया है।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी हिमांशु शर्मा उपस्थित थे जबकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के जिलाधिकारी जुड़े हुये थे।

मशाल-2024 प्रतियोगिता के लिए हुई बैठक

77 खिलाड़ी हर स्कूल से लेंगे भाग, 25-27 अप्रैल तक आयोजन, 20 से आवेदन पोर्टल ओपन

निज संवाददाता | पटना

देश की सबसे बड़ी खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता 'मशाल-2024' के आयोजन को लेकर शुक्रवार को पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक महत्वपूर्ण और उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. बी. राजेंद्र ने की। बैठक में प्रतियोगिता को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिससे बिहार के लाखों छात्र-खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। निर्णय लिया गया कि स्कूल स्तर पर मशाल प्रतियोगिता 25 से 27 अप्रैल 2025 तक आयोजित की जाएगी, ताकि विद्यार्थियों को त्रैमासिक परीक्षा और खेल प्रतियोगिता के बीच संतुलन बनाने में सुविधा हो। त्रैमासिक परीक्षा 27 अप्रैल के बाद आयोजित की जाएगी, जिससे छात्रों को दोनों ही क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन का मौका मिल सके। इसके बाद अगला चरण 19 मई 2025 से कॉम्प्लेक्स रिसोर्स सेंटर स्तर पर शुरू होगा, जिसमें प्रत्येक स्कूल से 77 खिलाड़ी भाग लेंगे। इस व्यापक आयोजन का उद्देश्य है कि बिहार के उभरते हुए खिलाड़ियों को न केवल राज्य, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर मुकाबले के लिए तैयार किया जा सके। इस बैठक में स्पष्ट निर्देश दिया गया कि राज्य के प्रत्येक विद्यालय को अनिवार्य रूप से प्रतियोगिता में भाग लेना होगा। इस दिशा में सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ) को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने जिलों में प्रतियोगिता की व्यापक तैयारी सुनिश्चित करें। प्रतियोगिता से संबंधित सभी जरूरी जानकारियां मशाल 2024 – डीईओ ग्रुप और मशाल 2024 – डीपीओ एसएसए ग्रुप के माध्यम से साझा की जाएंगी। साथ ही, मशाल वेब-पोर्टल को 20 अप्रैल 2025 को सुबह 11 बजे से खोल दिया जाएगा, ताकि संबंधित अधिकारी, स्कूल और प्रतिभागी आवश्यक सूचनाएं आसानी से प्राप्त कर सकें। मशाल-2024 न केवल एक खेल प्रतियोगिता है, बल्कि यह बिहार की युवा शक्ति को एक नई दिशा देने की पहल है, जो राज्य के भविष्य के खिलाड़ियों के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगी।

स्कूली स्तर पर बैटरी टेस्ट आयोजित किया जाएगा

खिलाड़ियों के विद्यालय परिवर्तन को लेकर भी स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। क्लास 8 और 10 के खिलाड़ियों के स्कूल बदलने के लिए एडीडी (नया जोड़ना) और डीलीट (पुराना हटाना) विकल्प उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे पोर्टल पर खिलाड़ियों की जानकारी सटीक बनी रहे। स्कूली स्तर पर बैटरी टेस्ट आयोजित कर उसका डेटा पोर्टल पर दर्ज करना अनिवार्य होगा। वर्तमान में कुल रजिस्टर्ड खिलाड़ियों की संख्या 15,62,405 है।

पीएम सूर्यघर योजना के तहत पेसू पूर्वी अंचल में 19 अप्रैल को होंगे जागरूकता शिविर

पटना(नि.सं.)। बिहार में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को जन-जन तक पहुंचाने और घरेलू उपभोक्ताओं को अपने घर की छत पर ग्रिड-कनेक्टेड रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से, ऊर्जा सचिव पंकज कुमार पाल के निर्देश के अनुसार पेसू पूर्वी अंचल के अंतर्गत सभी प्रशाखाओं में जागरूकता शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। 19 अप्रैल को इन शिविरों का आयोजन क्षेत्र के प्रमुख चौक-चौराहों पर किया जाएगा, जहां उपभोक्ताओं को योजना की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

डीएमआई में दीक्षांत समारोह 2025 का भव्य आयोजन

- अकादमिक इंचार्ज गौरव मिश्रा ने विद्यार्थियों को उच्च नैतिक मानकों व उत्कृष्ट कार्यशीलता बनाए रखने की शपथ दिलवाई।

निज संवाददाता | पटना

विकास प्रबंधन संस्थान (डीएमआई) के पुरानी सचिवालय परिसर स्थित अधिवेशन भवन में 18 अप्रैल 2025 को दीक्षांत समारोह–2025 भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) सत्र 2023–2025 के सभी छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र तथा डिग्री प्रदान की गई। 12 मार्च को संपन्न हुई अंतिम सेमेस्टर परीक्षा के 35 दिन बाद आयोजित इस समारोह में विद्यार्थियों ने अपनी उपलब्धि का उत्सव मनाया। समारोह की शुरुआत पारंपरिक अकादमिक प्रोसेशन से हुई, जिसमें शासी निकाय के सदस्य, संकाय सदस्य तथा विद्यार्थियों के अभिभावक शामिल हुए। इसके बाद निदेशक प्रो. देवीप्रसाद मिश्र ने संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें पिछले एक वर्ष में चलाए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम, शोध परियोजनाएं और सामुदायिक गतिविधियों का विस्तृत विवरण था। पूर्व वरिष्ठ फैकल्टी सदस्य विद्यानंद झा ने दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि राजेश टंडन ने दीक्षांत भाषण में कहा कि डीएमआई ने पिछले एक दशक में सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए आग्रह किया कि उपाधि प्राप्ति के बाद सैद्धांतिक ज्ञान के साथ अपने प्रायोगिक अनुभवों का उपयोग समाज सेवा में करें। उनके भाषण में कई प्रेरणादायक उद्धरण आए, जिन्होंने सभी को उत्साहित कर दिया। समारोह का संचालन अतुल ठाकुर ने किया। अंगवस्त्र वितरण विद्यानंद झा ने किया और डिग्री वितरण राजेश टंडन द्वारा संपन्न हुआ। अंत में अकादमिक इंचार्ज गौरव मिश्रा ने विद्यार्थियों से शपथ ग्रहण करवाई, जिसमें उन्होंने उच्च नैतिक मानकों और उत्कृष्ट कार्यशीलता बनाए रखने का संकल्प दिलाया।

इस वर्ष का दीक्षांत समारोह महात्मा गांधी को समर्पित था। निदेशक प्रो. देवीप्रसाद मिश्र ने बताया कि डीएमआई 'टीचिंग फॉर रिसर्च' के सिद्धांत के तहत शिक्षा एवं अनुसंधान के माध्यम से विश्व में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

नदी में डूबने से मां और दो बेटियों की हुई मौत, पिता ने तैरकर बचाई जान

निज संवाददाता | सीतामढ़ी

सीतामढ़ी में शुक्रवार को बागमती नदी में डूबने से मां और दो बच्चियों की मौत हो गई। जबकि पिता ने तैरकर अपनी जान बचा ली। घटना बैरगनिया अख्ता घाट पर हुई। मृतकों की पहचान मोहम्मद तौसीफ उर्फ लालबाबू की पत्नी नाजमीन खातून और उसकी दो बच्ची नायरा खातून और तौसीर खातून के रूप में हुई है। बच्चियों की उम्र दो और चार साल है। मोहम्मद तौसीफ दर्जी का काम करते है। शुक्रवार की सुबह करीब 5 बजे एक ही बाइक पर सवार होकर सभी मजार से लौट रहे थे। अपने गांव तक पहुंचने के लिए इनको बागमती नदी को पार करना था। अख्ता घाट पर नाव पर चढ़ने के दौरान नाव का संतुलन बिगड़ गया और बाइक सहित पूरा परिवार नदी में जा गिरा। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और तीनों शवों को बरामद किया। एक साथ परिवार के तीन सदस्यों की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां पुल की सख्त आवश्यकता है। सरकार की ओर से पुल नहीं बनाया गया, जिसकी वजह से आए दिन हादसा होता है और लोगों की जान चली जाती है। निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों और कई समाजसेवियों ने आंदोलन भी चलाया, लेकिन सरकार ने अब तक यहां कोई पल का निर्माण नहीं किया।

102 अनुमंडलों से चलेंगी डीलक्स बस, बड़े शहरों से जुड़ेंगे कस्बे

निज संवाददाता | पटना

बिहार के 102 अनुमंडलों को डीलक्स बस सेवा से जोड़ा जाएगा। राज्य सरकार की कस्बों को बड़े शहरों से जोड़े जाने की योजना है। किन-किन जिला मुख्यालयों से अनुमंडलों के लिए यह बस सेवा होगी, यह तय कर लिया गया है। इसमें पटना के अलावा भागलपुर, मुजफ्फरपुर, सहरसा और मुंगेर जिले को शामिल किया गया है। इन शहरों से अनुमंडलों के लिए डीलक्स बस चलेंगी। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम ने इसकी तैयारी कर ली है। इसके लिए 30 अप्रैल तक परमिट जारी कर दिए जाएंगे। मई के पहले या दूसरे सप्ताह में बसों का परिचालन शुरू हो जाएगा। राज्य भर में 166 डीलक्स बसों का परिचालन किया जाना है। इसका मकसद राज्य के सभी अनुमंडलों को जिला मुख्यालय से जोड़ना है। इससे पंचायत स्तर पर लोगों को बस सेवा से जिला मुख्यालय तक पहुंचने की सहूलियत होगी। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के अधिकारियों की मानें तो 96 बसों को परमिट दे दिया गया है। जल्द की बांकी बसों को भी परमिट दे दिया जाएगा। इसके बाद परिचालन शुरू होगा। डीलक्स बस सेवा शुरू होने से कस्बों के लोगों को बड़े शहरों तक पहुंचने में सुविधा होगी। ये बसें आधुनिक और आरामदायक होंगी। बताया जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट के तहत 166 बसों की खरीद की गई है। सब कुछ ठीक रहा तो अगले महीने से डीलक्स बसें सड़कों पर दौड़ने लगेंगी।

सत्यमेव जयते

राज्यपाल, बिहार
GOVERNOR OF BIHAR

"अग्निशमन सेवा सप्ताह"
(14 अप्रैल – 20 अप्रैल, 2025)

राज भवन
पटना–800022
RAJ BHAVAN
PATNA 800022

संदेश

आत्म बलिदान के प्रतीक के रूप में प्रतिवर्ष 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक अग्निशमन सेवा सप्ताह का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष के अग्निशमन सेवा सप्ताह का शीर्षक है **"एकजुट हों, अग्नि सुरक्षित भारत को प्रज्ज्वलित करें"।**

14 अप्रैल, 1944 को विक्टोरिया डॉक, मुंबई में हुए विनाशकारी अग्निकांड ने यह सिखाया कि अग्नि सुरक्षा उपायों की अनदेखी कितनी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकती है। उस हादसे में अपने प्राणों की आहूति देने वाले वीर अग्निशामकों की स्मृति में यह सप्ताह अग्नि सुरक्षा जागरूकता और प्रशिक्षण के लिए समर्पित है।

आज, जब बिहार राज्य तकनीकी प्रगति एवं विकास की नई ऊँचाईयों को छू रहा है, तब आग से बचाव और सुरक्षा के आधुनिक उपायों को अपनाना समय की माँग है। सावधानी और सतर्कता से हम अपने घरों, कार्यस्थलों और सार्वजनिक स्थानों को सुरक्षित बना सकते हैं।

आईए, हम सब मिलकर अग्नि सुरक्षा की नींव पर सुरक्षित एवं विकसित बिहार के भविष्य का निर्माण करें।

(आरिफ मोहम्मद खां)

PR No.-001375 (Fire) D. 2025-26

बिहार सरकार

संदेश

मुख्यमंत्री
बिहार

इस वर्ष अग्नि सेवा सप्ताह (14 से 20 अप्रैल, 2025) का विषय है–**"एकजुट हो, अग्नि सुरक्षित भारत को प्रज्ज्वलित करें।"** इस अवसर पर मैं राज्य के सभी नागरिकों से आग से सुरक्षा और सतर्कता की दिशा में संगठित होने का आह्वान करता हूँ।

अग्नि सुरक्षा सप्ताह के अवसर पर मैं न केवल **14 अप्रैल 1944 को विक्टोरिया डॉक, मुंबई** में हुए भीषण अग्निकांड में अपने प्राणों की आहूति देने वाले वीर अग्निशामकों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ अपितु आम नागरिकों की अग्नि से सुरक्षा करते हुये अपने प्राणों को न्योछावर करने वाले वीर बलिदानियों के समर्पण को भी नमन करता हूँ। हम सभी का कर्तव्य है कि हम अग्नि सुरक्षा के प्रति सजग रहें और समाज को भी इसके प्रति जागरूक बनाएं।

आईए, इस सप्ताह हम संकल्प लें कि अपने घरों, कार्यस्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर अग्नि सुरक्षा के सभी मानकों का पालन करेंगे और सामूहिक प्रयासों से अग्नि सुरक्षित विकसित बिहार के निर्माण में योगदान देंगे।

जय हिन्द!

(नीतीश कुमार)

PR No.- 001374 (Fire) D. 2025-26

संक्षिप्त समाचार

गया बार एसोसिएशन के चुनाव को ले मतदाताओं ने डाले वोट

गया। गया बार एसोसिएशन के वर्ष 2025-27 के चुनाव को लेकर गुरुवार को वोट पड़े। राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सह गया बार एसोसिएशन के आजीवन सदस्य डॉ. मनीष पंकज मिश्रा व अधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने भी मतदान किया। मतदान के बाद डॉ. मिश्रा ने सभी उम्मीदवारों से अपील की कि वे व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठ गया बार एसोसिएशन के विकास और अधिवक्ताओं के हित में काम करें। उन्होंने कहा कि गया बार की गरिमा बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए पारदर्शिता, समर्पण और एकजुटता जरूरी है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि गया बार एसोसिएशन को बिहार का नंबर वन बनाना सभी सदस्यों का लक्ष्य होना चाहिए। अधिवक्ताओं की समस्याओं का समाधान, उचित प्रतिनिधित्व और न्यायिक प्रक्रिया में सुधार उनकी प्राथमिकता होनी चाहिए। मतदान स्थल पर प्रेरणादायक माहौल रहा। डॉ. मिश्रा ने चुनाव को सफल बनाने वाले सभी मतदान अधिकारियों के प्रति आभार जताया।

हिन्दू जागरण मंच ने निकाला आक्रोश मार्च, बंगाल की सीएम का पुतला फूंका

गया। पश्चिम बंगाल में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार की घटना के विरोध में गुरुवार को शहर के आजाद पार्क से हिन्दू जागरण मंच के बैनर तले आक्रोश मार्च निकाला गया। नेतृत्व मंच के संयोजक संजय वर्णवाल ने किया। इस बीच श्री वर्णवाल ने कहा कि बंगाल में हिन्दुओं पर अत्याचार काफी बढ़ रहा है। घर से खींच-खींच कर हत्याएं हो रही है। महिलाओं से बदसलूकी की घटनाएं हो रही है। इस घटना ने आम आदमी को झकझोर दिया है। आखिर यह अत्याचार क्यूं? उन्होंने बताया कि आक्रोश मार्च जीबी रोड, कोतवाली होते हुए टावर चौक पहुंचा, जहां पर बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का पुतला फूंका गया। इस बीच मार्च में शामिल लोगों ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से इस्तीफे और राष्ट्रपति शासन लागू कराने की मांग की। इस मौके पर संतोष पाठक, अमित मोहन मिश्रा, विकास भदानी, कुंदन सिंह, राजू जी, राणा रंजीत सिंह, सुनील बम्बईया, टिंकू गोस्वामी, रोहित जी, प्रेम प्रकाश पवन, गणेश सिंघानिया, रितेश जी, विगन विश्वकर्मा, जितेन्द्र आर्या, राजू रजक, शिव शंकर वर्णवाल आदि मौजूद थे।

सेंट्रल जेल में छापेमारी, कुख्यात पर कड़ी निगरानी करने का निर्देश

गया। गया सेंट्रल जेल में गुरुवार की अहले सुबह छापेमारी हुई। सिटी एसपी रामानंद कुमार कौशल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में रहे पुलिस पदाधिकारी व बलों ने जेल के चप्पे-चप्पे में तलाशी ली। हालांकि की तलाशी अभियान में जेल से कोई आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं हुआ। सिटी एसपी ने सेंट्रल जेल में प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को सजायाफ्ता और कुख्यात अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखने सहित अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसएसपी आनंद कुमार ने निर्देश पर जेल में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया।

सीतामढ़ी, वैशाली व नवादा को चावल देगा गया

गया। गया जिले में इन दिनों पैक्स अध्यक्षों से सीएमआर इनवार्ड का कार्य प्रगति पर है। बिहार के बड़े जिलों में सीएमआर इनवार्ड में गया जिला दूसरे नंबर पर है। बड़े जिलों में रोहतास के बाद गया दूसरे स्थान पर है। चावल इनवार्ड में रोहतास 85% तो गया 84% के साथ दूसरे स्थान पर अपना स्थान बनाए हुए है। अप्रैल माह में गया जिले का टारगेट 99269 मीट्रिक टन का रखा गया था। एसएफसी के जिला प्रबंधक राजीव कुमार सिंह ने बताया कि जिला पदाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम के कुशल निर्देशन में धान अधिप्राप्ति और सीएमआर इनवार्ड में गया जिला लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। अप्रैल माह के 17 दिन बीतने के साथ ही जिले में कुल 84% लक्ष्य पूरा हो चुका है। बुधवार तक अप्रैल माह के लक्ष्य का टारगेट के विरुद्ध 84222.26 एमटी चावल इनवार्ड किया जा चुका है। पिछले 5 कार्य दिवसों में कुल 139 लॉट चावल जमा किए जा चुके हैं। जिला प्रबंधक श्री सिंह ने बताया कि इस वर्ष चावल की आगत बढ़ने के कारण विभाग ने गया जिले से राज्य के अन्य जिलों को चावल भेजे जाने की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने बताया कि गया जिले से सीतामढ़ी जिले को 60 हजार क्विंटल, वैशाली को 40 हजार क्विंटल और नवादा जिले को 15 हजार क्विंटल चावल भेजा जाना है। चावल भेजे जाने के बाद जिला में इनवार्ड की स्थिति और बेहतर होने की उम्मीद है। डीएम ने इस मामले में सीतामढ़ी के जिला पदाधिकारी से दूरभाष पर बात कर जल्द से जल्द चावल ले जाने का अनुरोध किया है।

ऑल सेंट्स स्कूल ने बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों, और अभिभावकों व शिक्षकों को किया सम्मानित

राजगीर। ऑल सेंट्स स्कूल में सम्मान समारोह का आयोजन कर नर्सरी से 9वीं व 11वीं तक के टॉप 5 छात्रों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर छात्रों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग व शिक्षकों के योगदान की सराहना की गई। समारोह की शुरुआत विद्यालय प्रार्थना व स्वागत भाषण से हुई। इस अवसर पर निदेशक डा. राजेश नंदन ने कहा कि यह सम्मान केवल छात्रों की नहीं, बल्कि उनके पीछे खड़े माता-पिता और शिक्षकों की भी है। ऑल सेंट्स स्कूल में न केवल शिक्षा, बल्कि संस्कार व समग्र विकास पर भी ध्यान दिया जाता है। प्रधानाचार्या मीनाक्षी ने कहा कि हर विद्यार्थी में एक विशेष प्रतिभा होती है। हमारी कोशिश है कि हम उन्हें पहचानें, प्रोत्साहित करें और एक बेहतर मंच प्रदान करें। आज सम्मानित किए गए अभिभावक और शिक्षक इस सफलता के असली स्तंभ हैं। समारोह के दौरान छात्रों को ट्रॉफी व प्रमाण पत्र दिए गए। जबकि अभिभावकों व शिक्षकों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय परिसर में छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अंत में विद्यालय परिवार ने सभी को आगामी सत्र के लिए शुभकामनाएं दी व शिक्षा के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्टता की दिशा में कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कमलेश कुमार, प्रवीण कुमार, संजय खन्ना, अनीता सिन्हा, मयूरी अग्रवाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

स्कॉर्पियो में युवती के साथ रेप

नालंदा। राजगीर शहर के हॉकी मैदान के पास एक सफेद स्कॉर्पियो वाहन में युवती के साथ दुष्कर्म हुआ था। स्थानीय लोगों की सतर्कता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई के कारण दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। राजगीर थानाध्यक्ष रमन कुमार ने बताया कि गुरुवार दोपहर को राजगीर थाने को सूचना मिली कि हॉकी मैदान के पास एक सफेद स्कॉर्पियो में एक युवती "बचाओ-बचाओ" चिल्ला रही थी। सूचना मिलते ही राजगीर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इलाके की घेराबंदी कर दी और भाग रहे दोनों आरोपियों को वाहन समेत पकड़ लिया। डीएसपी सुरक्षा सह प्रभारी डीएसपी, राजगीर रंजन कुमार ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गिरियक थाना क्षेत्र की मुखिया का बेटा मंटू कुमार और जमुई के चंद्रदीप थाना क्षेत्र के इस्लामनगर निवासी रामदेव यादव का बेटा बलिराम कुमार है। तीसरा आरोपी फरार है।

तीन के खिलाफ केस दर्जः पीड़िता के बयान के अनुसार, आरोपियों ने उसे बहला-फुसलाकर सुनसान जगह पर ले जाकर जबरदस्ती स्कॉर्पियो में बैठाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने तत्काल पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया, जिसमें बलात्कार की पुष्टि हुई है। इस मामले में तीन अभियुक्तों के विरुद्ध केस दर्ज हुआ है। पुलिस के अनुसार एसएसएल की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। स्कॉर्पियो से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्रित किए हैं।

नालंदा के क्लीनिक में संदिग्ध हालत में युवक की हुई मौत

निज संवाददाता। नालंदा

बिहार शरीफ के निजी क्लीनिक में शुक्रवार सुबह संदिग्ध हालत में शंकर चौधरी (34) की मौत हो गई। मृतक की पहचान नूरसराय थाना क्षेत्र के बेलसर निवासी नरेश चौधरी के बेटे के रूप में हुई है। 16 अप्रैल को मेरे भाई को भाभी पिंकी देवी ने फोन कर 16 अप्रैल को बुलाया था। भाभी ने कहा था कि मैं आपके साथ घर चलूंगी। आप मायके आ जाइए। मेरी भाभी पिछले 8 महीने से अपने मायके में ही रह रही है। दरअसल वो 8 महीने पहले किसी के साथ घर से भाग गई थी। शुक्रवार की सुबह बिहार शरीफ के निजी क्लीनिक से फोन आया तो पता चला की भाई अस्पताल में भर्ती है। मैं जब वहां पहुंचा तो भाई की लाश पड़ी थी। भाभी और उसके प्रेमी ने जहर खिलाकर मेरे भाई की हत्या कर दी है। अवैध संबंध का विरोध करने पर अक्सर भाई से भाभी का झगड़ा होता रहता था।

घर छोड़ फरार हुए परिवारः परिजन ने बताया कि इस घटना के बाद ससुराल वाले घर छोड़कर फरार है। घर पर ताला लटका हुआ है। शेखोपुरसराय थाना क्षेत्र के रहिचा गांव निवासी हरिलाल चौधरी की पुत्री पिंकी की शादी नूरसराय थाना क्षेत्र के बेलसर निवासी शंकर चौधरी के साथ 2006 में हुई थी।

♦ भाई बोला- ससुराल बुलाकर भाभी ने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या कर दी,ससुरालवाले घर छोड़कर फरार

दोनों के 4 बच्चे है। युवक मजदूरी करता था।

क्या बोली पुलिसः इस मामले में नूरसराय थाना प्रभारी रजनीश कुमार ने बताया कि घटना शेखपुरा जिले के शेखोपुरसराय थाना क्षेत्र से जुड़ा है। मृतक नूरसराय थाना क्षेत्र के निवासी थे। शव को पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। मृतक के परिजन FIR कराने शेखोपुरसराय थाना जा रहें हैं।

गया में पुलिस पर हमले के मामलों की हुई समीक्षा

निज संवाददाता। नालंदा

पुलिस मुख्यालय द्वारा पुलिस पर हुए हमलों के संबंध में आरोपियों को जल्द सजा दिलाने के उद्देश्य से ठोस कदम उठाए हैं। पुलिस महानिरीक्षक, मगध क्षेत्र गया की अध्यक्षता में जिले-दर-जिले हालात की समीक्षा की गई। समीक्षा में दिनांक 1 जनवरी 2024 से अब तक दर्ज हुए सभी हमलों के मामलों पर विशेष ध्यान दिया गया। इस समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल, औरंगाबाद और पुलिस अधीक्षक अरविन्द प्रताप सिंह, जहानाबाद समेत कई उच्च स्तरीय अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में सबूत प्रस्तुत किए गए हैं। SDPO सदर-1, सदर-2, दाउदनगर, जहानाबाद-1 और जहानाबाद- 2 समेत अधिकारी रहे मौजूद थे। मामलों की गंभीरता पर बल देते हुए आगे की कार्रवाई होगी। वहीं विशेष निगरानी बढ़ाई जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य न केवल दोषियों को सज़ा दिलाना है, बल्कि पुलिस के प्रति समाज का विश्वास स्थापित करना भी है।

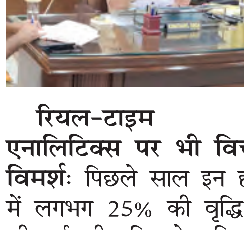

रियल-टाइम डेटा एनालिटिक्स पर भी विचार-विमर्शः पिछले साल इन हमलों में लगभग 25% की वृद्धि दर्ज की गई थी, जिससे पुलिस के कामकाज और सुरक्षा प्रबंधन में सुधार की आवश्यकता और अधिक उजागर हुई है। इसे लेकर प्रशासन ने नई तकनीकी सुविधाओं के समावेश, जैसे कि उन्नत वीडियो सर्विलांस और रियल-टाइम डेटा एनालिटिक्स पर भी विचार-विमर्श किया। साथ ही, पुलिस द्वारा नियमित प्रशिक्षण सत्र और सामुदायिक वार्तालापों के आयोजन से अपराध के खिलाफ सामूहिक प्रतिक्रिया को तेज करने की कवायद पर भी बल दिया गया।

प्रशासनिक तंत्र की कार्यशैली पर सवाल

निज संवाददाता। गया

गया मगध प्रमंडल में गुरुवार को ऐसा नजारा देखने को मिला जिसने पूरे प्रशासनिक तंत्र की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए। पटना से आईं सीनियर आईएएस और नई मगध कमिश्नर सफीना एएन जब अपने कार्यालय पहुंचीं, तो उनके स्वागत में न कोई पुलिस टुकड़ी थी, न ही परंपरागत गार्ड ऑफ ऑनर। प्रोटोकॉल की सरेआम अनदेखी हुई और अफसर चुप्पी साधे रहे। गौरतलब है कि सलामी सिर्फ रिवाज नहीं बल्कि पद और प्रतिष्ठा की पहचान है। गुरुवार को गया में वही पहचान मिट्टी में मिल गई। कमिश्नर सफीना जैसे ही गाड़ी से उतरीं, उन्होंने चारों ओर देखा। पर न कहीं बिगुल बजा, न कोई सशस्त्र टुकड़ी सलामी को तैयार मिली। बिना रुके वे सीधे अपने कक्ष की ओर बढ़ गईं। मौके पर मौजूद एक महिला अफसर ने जरूर सैल्यूट कर खानापूर्ति की, मगर जो सम्मान पद के साथ जुड़ा होता है, वो नदारद था। उन्होंने कक्ष में आईएएस प्रेम कुमार से पदभार ग्रहण किया। समारोह में

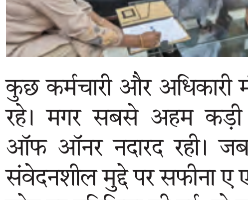

कुछ कर्मचारी और अधिकारी मौजूद रहे। मगर सबसे अहम कड़ी गार्ड ऑफ ऑनर नदारद रही। जब इस संवेदनशील मुद्दे पर सफीना ए एन से फोन पर प्रतिक्रिया ली गई, तो उन्होंने संक्षेप में कहा, अभी मीटिंग में हूं, बाद में बात करती हूं, और कॉल डिस्कनेक्ट कर दिया।

कमिश्नर दो मिनट पहले ही ऑफिस जा चुकी थीं: पुलिस लाइन डीएसपी मनोज कुमार ने सफाई दी कि सूचना देर से मिली। कमिश्नर के आगमन का वक्त 11 बजे बताया गया था। बिगुल बजाने वाला जवान बोधगया में रहता है, उसे पहुंचने में देर हुई। बाकी पुलिस कर्मियों को ड्रेस अप होने में वक्त लग गया। जब तक टुकड़ी कार्यालय परिसर में पहुंची, कमिश्नर दो मिनट पहले ही ऑफिस जा चुकी थीं।

नालंदा के हरनौत में नल-जल योजना फेल

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा के हरनौत नगर पंचायत को दर्जा मिले 10 साल से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन विकास कार्य अभी भी केवल कागजों तक ही सीमित है। सरकार की महत्वाकांक्षी "हर घर नल जल योजना" श्रीचंदपुर स्थित वार्ड संख्या 10 में पूरी तरह से विफल साबित हो रही है। तपती गर्मी में स्थानीय निवासी पेयजल के लिए तरस रहे हैं और इधर-उधर से पानी लाने को मजबूर हैं। दर्जनों ग्रामीणों ने अपनी व्यथा बताते हुए कहा कि श्रीचंदपुर गांव के वार्ड नंबर 10 में करीब 30 घरों के सैकड़ों निवासियों को नल जल योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। स्थानीय निवासी सरवन पासवान, डोली देवी और सुशीला देवी ने बताया की आधे घरों में पानी पहुंचता है, जबकि बाकी लोग या तो कहीं और से पानी लाते हैं या फिर हैंडपंप पर निर्भर हैं।

कई बार की शिकायत, लेकिन कोई समाधान नहीं: मौके पर मौजूद स्थानीय निवासी सुधीर पासवान, अमर मलिक और वार्ड पार्षद राकेश रंजन ने इस समस्या पर अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा की हमारे मोहल्ले में नगर पंचायत द्वारा मूलभूत सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं। पंचायत कार्यालय हमारे साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है।" उन्होंने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार कार्यपालक पदाधिकारी को सूचित किया गया है, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है।

समाधान नहीं निकला तो करेंगे घेरावः स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही इस समस्या का समाधान

♦ 30 घरों में नहीं पहुंच रहा पानी, ग्रामीण बोलें- अब प्रदर्शन करेंगे, अधिकारी बोले- जल्द समाधान होगा

नहीं निकला तो वो नगर पंचायत कार्यालय का घेराव करेंगे। पेयजल की समस्या को लेकर लोगों में गहरा रोष दिखाई दे रहा है। इस मामले पर मुख्य पार्षद प्रतिनिधि धीरज कुमार उर्फ पल्लू सिंह ने कहा की पाइप बिछाने का कार्य प्रगति पर है। जल्द ही समस्या का समाधान कर लोगों के बीच नल जल योजना बहाल कर दी जाएगी।" वहीं कार्यपालक पदाधिकारी सुमन सौरभ का कहना है कि वार्ड संख्या 11 में नया बोरिंग कराया गया है और वहां से 10 दिनों के अंदर लोगों को नल जल योजना का लाभ मिलने लगेगा।

नालंदा के डाक अधीक्षक को मिला सम्मान

निज संवाददाता। नालंदा

वित्तीय वर्ष 2024-25 नालंदा डाक मंडल के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण रहा है। प्रतिष्ठित नालंदा विश्वविद्यालय राजगीर परिसर में बिहार सर्किल द्वारा आयोजित समीक्षात्मक बैठक के दौरान आयोजित एक भव्य समारोह में, नालंदा के डाक अधीक्षक कुंदन कुमार को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए बिहार परिमंडल के चीफ पोस्टमास्टर जनरल द्वारा शाल और प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में बिहार सर्किल पटना के मुख्य डाक महाअध्यक्ष मोजफ्फर उद्दीन अब्दाली ने स्वयं उपस्थित होकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले डाक अधीक्षक और डाक निरीक्षकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर निदेशक डाक सेवाएं मुख्यालय पवन कुमार, महाप्रबंधक वित्त विभाग पटना के ए. आई हैदरी, डाक महाध्यक्ष उत्तरी प्रक्षेत्र मुजफ्फरपुर पवन कुमार सिंह, और डाक महाध्यक्ष पूर्वी प्रक्षेत्र भागलपुर

मनोज कुमार सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

104% का अचीवमेंट: नालंदा मंडल ने वित्तीय वर्ष में 104% का अचीवमेंट हासिल करते हुए खाता खोलने के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रदर्शन किया, जिसके लिए उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में नालंदा मंडल के सहायक डाक अधीक्षक मनोज कुमार, परिवाद निरीक्षक अभिषेक कुमार, दक्षिणी डाक निरीक्षक रामाशीष कुमार, पूर्वी डाक निरीक्षक रणजीत कुमार रजक, केंद्रीय डाक निरीक्षक विवेक रॉय और पश्चिमी डाक निरीक्षक इंद्रेश विक्रांत सहित बिहार सर्कल के कई अधिकारी मौजूद थे।

टीम वर्क का परिणामः पुरस्कार प्राप्त करने के पश्चात डाक अधीक्षक नालंदा कुंदन कुमार ने कहा की यह सम्मान वास्तव में नालंदा डाक परिवार की अथक मेहनत और कर्मचारियों की

♦ 2024-25 में हासिल किया 104% का अचीवमेंट, कुंदन कुमार ने कहा- यह टीम वर्क का रिजल्ट है

लगनपूर्वक कार्य करने का परिणाम है। हम आने वाले वित्तीय वर्षों में इससे भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। श्री कुमार ने आगे बताया कि इस वर्ष नालंदा डाक मंडल का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है "हर घर डाकघर खाता" अभियान के माध्यम से गांव-गांव तक डाक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना। उन्होंने कहा, "हमारा प्रयास है कि पोस्टऑफिस की सभी योजनाओं का लाभ और सेवाएं लोगों तक और भी बेहतर तरीके से पहुंचाई जाएं। इसके लिए डाक विभाग पूरी तरह कटिबद्ध और तत्पर है।"

नालंदा में चंद्रावली छलन दान लीला का आयोजन

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा जिले के बिंद क्षेत्र में स्थित मां महारानी माता मंदिर के स्थापना दिवस पर चल रहे पंद्रह दिवसीय रासलीला महोत्सव में गुरुवार को एक अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव का साक्षी बनने का अवसर मिला। वृंदावन से आए कुशल कलाकारों ने प्रसिद्ध "चंद्रावली छलन दान लीला" का मनोहारी प्रस्तुतिकरण किया, जिसने उपस्थित सभी श्रोताओं और दर्शकों को भावविभोर कर दिया। प्रस्तुति में दिखाया गया कि कैसे भगवान श्रीकृष्ण के साथी ग्वालबाल बरसाना के जंगल में गाय चराते समय भूख से व्याकुल होकर निकटवर्ती गांव रिठौरा की गोपी चंद्रावली के द्वार पर माखन और मिश्री मांगने पहुंचते हैं। लेकिन चंद्रावली अपने घर में रखे माखन-मिश्री सहित अन्य व्यंजन देने से मना कर देती है। "इस लीला का सार यही है कि कोई भी व्यक्ति अगर भूखा आपके द्वार पर आए, तो उसे निराश नहीं लौटाना चाहिए,"

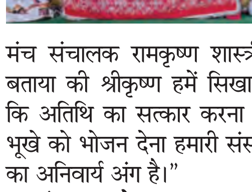

मंच संचालक रामकृष्ण शास्त्री ने बताया की श्रीकृष्ण हमें सिखाते हैं कि अतिथि का सत्कार करना और भूखे को भोजन देना हमारी संस्कृति का अनिवार्य अंग है।"

वृंदावन से आए कलाकारों ने दी प्रस्तुतिः कथानक में आगे दिखाया गया कि कैसे ग्वालबाल अपने प्रिय सखा बाल श्रीकृष्ण को इस बात की जानकारी देते हैं। श्रीकृष्ण तब एक चतुराई भरा खेल रचते हैं और अपना मोहिनी रूप धारण कर चंद्रावली की बहन बनकर उसके घर पहुंचते हैं।

सौ हाईमास्ट लाइट लगेंगे, पार्क को संवारा जाएगो

गया। गया नगर निगम सभागार में गुरुवार को बोर्ड की बैठक मेयर वीरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में हुई। संचालन सशक्त स्थायी समिति के सदस्य डॉ. अखौरी ओंकार नाथ उर्फ मोहन श्रीवास्तव ने किया। बैठक में शहर की सफाई, रोशनी और पार्कों को लेकर कई अहम फैसले लिए गए। मेयर ने कहा कि 25 अप्रैल से डेल्हा से शुरू होकर 7 मई तक चलने वाले स्वच्छता अभियान में शहर के मुख्य मार्गों की सफाई की जाएगी। इसके बाद वार्ड स्तर पर अभियान चलेगा। सभी सदस्यों ने प्रस्ताव का समर्थन किया। मेयर ने कहा, शहर साफ दिखेगा और स्वच्छता रैंकिंग में अंक भी बढ़ेंगे। बैठक में तय हुआ कि सौ हाईमास्ट लाइट लगाई जाएंगी। विष्णुपद मंदिर, नावागढ़ी मोड़, चर्च, कर्बला, गुरुद्वारा समेत कई स्थलों पर रोशनी बढ़ेगी। प्रस्ताव पर मुहर लग गई है। सभी जर्जर पार्कों का कायाकल्प किया जाएगा। सदस्य मोहन श्रीवास्तव ने कहा कि पार्कों को सजाया-संवारा जाएगा, ताकि लोग मॉर्निंग वॉक कर सकें और बच्चे खेल सकें।

तालाबों के कई बार हुए टेंडर पर सवाल उठाएः वहीं, पार्षदों ने विधायक निधि के खर्च पर सवाल उठाए। कहा कि बिना काम के फंड निकाल लिया गया। विधायक फंड के काम जमीन पर नहीं दिख रहे। पार्षदों ने डीएम से जांच की मांग की और जरूरत पड़ी तो न्यायालय व आंदोलन की चेतावनी भी दी। पार्षद गजेंद्र सिंह ने गांधी मैदान और तालाबों के कई बार हुए टेंडर पर भी सवाल उठाए।

कहा-सर्वप्रथम डीएम से मिलेंगे, जांच नहीं हुई तो न्यायालय में जाएंगे

गया। गया नगर निगम बोर्ड की बैठक में गुरुवार को सूबे के सहकारिता मंत्री सह नगर विधायक डॉ. प्रेम कुमार द्वारा विधायक फंड की राशि से किए गए कार्यो की जांच की मांग उठी। पार्षदों ने एक स्वर में कहा कि विधायक कोष की राशि में लूट मची है। बिना काम के राशि की निकासी हो रही है। शहर में विधायक कोष की राशि से एक भी काम धरातल पर नहीं उतरा। इस संदर्भ में बोर्ड के सदस्यों ने प्रस्ताव पारित कर जल्द ही डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम से मिल कर विधायक कोष की राशि की जांच की मांग करेंगे।

बिहार सरकार
समाहरणालय, औरंगाबाद
(जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग)
Email-adss.aurangabad@gmail.com
-:कोटेशन आमंत्रण सूचना:-
(अति आल्पकालीन)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, औरंगाबाद के माध्यम से सामाजिक न्याय एवं अधिकारित मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत अभियान अन्तर्गत जागरूता हेतु L.E.D Display Unit लगाने हेतु कोटेशन आमंत्रित किया जाता है।

अतः इच्छुक आपूर्तिकर्त्ता/फर्म निम्न वर्णित शर्तो को पूरा करते हुए अपना-अपना कोटेशन बन्द लिफाफा में कार्यालय अवधि में दिनांक- 25.04.2025 के अप० 03:00 बजे तक विहित प्रपत्र में जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, औरंगाबाद में समर्पित कर सकते हैं।

प्रपत्र

क्र०	समाग्री का नाम	प्रस्तावित दर
1	L.E.D Display Unit	
2	Pole & Structure for installation of L.E.D Displaty Unit	

विस्तृत जानकारी state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।
सहायक निदेशक
सा० सु० औरंगाबाद
PR- 001454 (SWD) 2025-26
नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

पूर्व मध्य रेल
ई-निविदा सूचना
ई-निविदा सूचना सं.: पूमरे-मुप्रअ-नि-उ-निविदा-25-24-25
भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।
ई-निविदा सूचना संख्या सं. - पूमरे-मुप्रअ-नि-उ-निविदा- 25-24-25, 1. कार्य का नाम : वेल्डिंग सामाग्री की आपूर्ति और 60 किग्रा/60 ई. आई.आर. 260 ग्रेड रेल जोड़ों की एल्युमिनो थर्मिक प्रक्रिया द्वारा वेल्डिंग, लघु वेल्डेड पैनल/दीर्घ वेल्डेड पैनल या अन्यथा, आरडीएसओ, अनुमोदित वेल्डिंग सामाग्री और तकनीकों के साथ, आरडीएसओं प्रमाणित सक्षम पर्यवेक्षकों और वेल्डर, ठेकेदारों के साथ अनुमोदित वेल्ड ट्रिमर का उपयोग, आईआरएस टी-19.2012 विनिर्देश के अनुसार रेल प्रोफाइल ग्राइंडर, जोड़ो की फिनिशिंग के लिए जनरेटर, हाजीपुर-सगौली नई रेल लाईन परियोजना के अन्तर्गत देवरिया से सुगौली के बीच वेल्डिंग भागों और उपकरणों के परिवहन और अनलोडिंग सहित। 2. कार्य का लगभग मूल्य : ₹1,62,77,899.35; 3. निविदा हेतु अग्रधन राशि जमा : ₹2,31,400/- ; 4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समयः 08.05.2025, चौदह तीस बजे। 5. वेबसाइट का विवरण, नोटिस बोर्ड जहाँ पर निविदा का पूर्ण विवरण देखा जा सकता है तथा कार्यालय का पता जहाँ पर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है इत्यादि : उपरोक्त ई- निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगें एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/उत्तर/पूमरे/महेन्द्रूघाट, पटना के कार्यालय में देखा जा सकता है। द्रष्टव्यः निविदा सूचना में पाए गए किसी भी विसंगति विवरण के मामले में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा। प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम पंद्रह दिन पहले वेबसाइट http:// www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/पूमरे/महेन्द्रूघाट, पटना
पीआर/0122/सीओएन-एमएचएक्स/कॉन/टी/25-26/52

संक्षिप्त समाचार

25 हजार का इनामी अपराधी गिरफ्तार

बांका (नि.सं.)। बांका के अमरपुर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 25 हजार के इनामी अपराधी कृष्णा दास को गिरफ्तार कर लिया है। कृष्णा दास पर जिले के विभिन्न थानों में कई संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें पुलिस पर फायरिंग जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। उसकी गिरफ्तारी पर बांका पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। बांका सदर एसडीपीओ बिपिन बिहारी ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दी कि पुलिस को सूचना मिली थी कि जिले का टॉप टेन अपराधी कृष्णा दास मधेपुरा से नवगछिया की ओर जा रहा है। सूचना के आधार पर बांका एसपी उपेंद्रनाथ वर्मा के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें अमरपुर थाना पुलिस और बांका की तकनीकी शाखा शामिल थी। इस संयुक्त टीम ने भागलपुर टोल प्लाजा के पास से कृष्णा दास को धर दबोचा। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार अपराधी कुख्यात मिथुन यादव गैंग का सक्रिय सदस्य है। वह अमरपुर थाना क्षेत्र के भदरार भटकुंडी गांव निवासी योगेश दास का पुत्र है। इस सफल अभियान में अमरपुर थाना अध्यक्ष पंकज कुमार झा, दरोगा संतोष कुमार श्रीवास्तव, विक्की कुमार, दरोगा राहुल कुमार, तकनीकी शाखा के विजय कुमार, प्रशांत कुमार एवं धर्मेंद्र कुमार शामिल थे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ट्रेन रोककर किया प्रदर्शन

पटना (नि.सं.)। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को पटना में रेल रोककर प्रदर्शन किया। नेशन हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ प्रवर्त्तन निदेशालय की हुई हालिया कार्रवाई के खिलाफ यह प्रदर्शन किया गया। पटना के सचिवालय हाल्ट के पास कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों ने बैनर पोस्टर लहराते हुए रेल परिचालन को बाधित कर दिया। इस दौरान एक ट्रेन के इंजन पर चढ़कर उन्होंने विरोध किया। प्रदर्शन के कारण रेलवे फाटक भी बंद रहा जिस कारण बड़ी संख्या में वाहन चालकों को भी परेशानी झेलनी पड़ी। यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के इस हंगामे के कारण काफी बवाल होता रहा। वहीं आरपीएफ जवानों ने तत्काल प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाने की कोशिश की। हालांकि उनका प्रदर्शन जोरदार तरीके से जारी रहा। इससे रेल परिचालन बाधित हुआ। ईडी के द्वारा राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किए जाने के बाद कांग्रेस का देश भर में प्रदर्शन जारी है। इसी क्रम में यूथ कांग्रेस ने पटना में रेल परिचालन बाधित कर प्रदर्शन किया है। एजेंसी ने राहुल और सोनिया गांधी से जुड़ी कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (AJL) की 700 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों को अपने कब्जे में लेने की कार्यवाही भी शुरू कर दी है। हालांकि, कांग्रेस इसे राजनीतिक बदले की भावना से की गई कार्रवाई बताया है। कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी के आरोपपत्र के समय पर सवाल उठाए और इसे गुजरात में हाल ही में हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन, राज्य में राहुल गांधी के डेरा डालने और बिहार में नजदीक आ रहे चुनावों से जोड़ा। कांग्रेस नेताओं का कहना है की देश में कई मुद्दों पर केंद्र सरकार विफल साबित हुई है। ऐसे में अपनी विफलता छिपाने के लिए केंद्र सरकार के इशारे पर ईडी आरोप पत्र दाखिल किया है। पार्टी नेताओं ने यहां तक कहा की बिहार में इस वर्ष विधानसभा चुनाव है, ऐसे में जानबूझकर कांग्रेस को परेशान करने के लिए ईडी का दुरूपयोग किया जा रहा है। पटना में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने अपने प्रदर्शन के दौरान 'गांधी किसी से नहीं डरते' लिखा पोस्टर लहराकर ट्रेन सेवाओं को बाधित किया।

महिलाओं को कांग्रेस से जोड़ने की शुरू हुई अनोखी पहल

पटना (नि.सं.)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले कांग्रेस अब राज्य में महिलाओं को अपनी पार्टी से जोड़ने की मुहिम शुरू कर रही है। शुक्रवार को कांग्रेस कार्यालय में 'चर्चा महिला की बात कांग्रेस के साथ' का पोस्टर जारी किया गया। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा, बिहार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार, विधायक दल के नेता शकील अहमद खान, मदन मोहन झा, विधायक प्रतिमा दास आदि ने 'चर्चा महिला की बात कांग्रेस के साथ' का पोस्टर जारी किया।

कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने

जिले में महिला संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ

निज संवाददाता | नोखा (सासाराम)

मुख्यमंत्री बिहार नीतीश कुमार द्वारा पूरे राज्य में महिला संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ पटना से जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए किया गया। इस अवसर पर जिला समाहरणालय रोहतास में उप विकासआयुक्त, जिला पंचायत राज पदाधिकारी एवं जिला स्तरीय पदाधिकारीगण तथा जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महिला संवाद शुभारंभ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। जीविका के ग्राम संगठन स्तर पर 1609 ग्राम संगठनों में जिले की लगभग साढ़े चार लाख महिलाओं के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उप विकास आयुक्त महोदय द्वारा बताया गया कि आज से प्रत्येक 14 प्रखंडों में जीविका द्वारा गठित ग्राम संगठन में महिला संवाद का आयोजन किया जाएगा। प्रत्येक दिन 28 गावों में यह महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन प्रचार वाहन के माध्यम से किया जाएगा, जो जून 2025 तक प्रतिदिन चलेगाऔर कुल 1609 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित होगा। प्रत्येक कार्यक्रम में 200-250 महिलाओं को भाग लेने हेतु जीविका द्वारा आमंत्रित किया जा रहा है। प्रत्येक कार्यक्रम में प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी भी रोस्टर अनुसार भाग लेंगे। इस महिला संवाद के सफल संचालन हेतु जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तर पर अनुश्रवण समिति गठित की गई है। वही प्रखंड विकास अधिकारी प्रखंड स्तर पर पुरे महिला संवाद का नेतृत्व कर रहे हैं। जिला और प्रखंड में नियंत्रण कक्ष बनाया गया है।प्रत्येक कार्यक्रम में बिहार सरकार की महिला सशक्तिकरण की योजनाओं के बारे में लघु फ़िल्म दिखाया जाएगा साथ ही लाभान्वित कुछ स्थानीयलाभान्वित महिलाओं द्वारा अपना अनुभव साझा किया जाएगा, और आगे अपने समाज की उन्नति के लिए योजनाओं को क्रियान्वयन करने और नई योजना लाने हेतु महिलाओं के द्वारा चर्चाएं और मांग की जाएगी। इन मांगों को लिपिबद्ध कर स्थानीय प्रशासन को उपलब्ध कराया जाएगा ताकि उनका समाधान हो जाय। बड़ी या नये प्रकार के कार्यों यथा नीति निर्माण के योग्य मांगों को बिहार सरकार को प्रेषित किया जाएगा। जिस पर सरकार अमल करते हुए समाज को महिलाओं के मांग के अनुरूप योजना बनाकर विकास करेंगे।प्रत्येक दिन दो सत्रों में 14 प्रखंडों में 28 स्थानों पर महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन होना है। प्रथम सत्र का आयोजन प्रातः 09 से 11 बजे एवं द्वितीय सत्र का आयोजन अपराह्न 04 से 06 बजे तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में संबंधित ग्राम की सभी निवासित महिलाओं को शामिल होना है।नोखा प्रखंड के रामनगर में प्राथमिक विद्यालय में कालिका जीविका ग्राम संगठन में आयोजित संवाद कार्यक्रम में प्रभारी जिलाधिकारी सह उप विकास आयुक्त विजय कुमार पांडेय सर द्वारा दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय अनुश्रवण समिति के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समूह सदस्य रीता देवी, छात्रा आशा कुमारी और खुशबू कुमारी द्वारा अपने अनुभव साझा किया गया। आशा कुमारी साइकिल योजना और खुशबू कुमारी छात्रवृत्ति योजना से लाभान्वित हैं। रीता देवी समूह से जुड़ कर बैंक आना जाना सबसे बेखौफ होकर बत करना सीख गई।

बिहार में मौसम का कहर, पेड़ गिरने से महिला की मौत

पटना (नि.सं.)। बिहार के अलग-अलग जिलों में बदले मौसम ने कहर बरपाया है। जहां मुंगेर जिले के रामनगर थाना क्षेत्र में तेज आंधी के चलते एक पेड़ गिरने से एक महिला की मौत हो गई, वहीं मुजफ्फरपुर में ओलावृष्टि ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। मुंगेर के रामनगर थाना अंतर्गत नौआगढ़ी सिंहेश्वर टोला निवासी दिव्यांग विजय मंडल अपने परिवार के साथ घर में सो रहा था। देर रात आई तेज आंधी ने उसकी जिंदगी में भूचाल ला दिया। घर के पीछे स्थित एक बड़ा मोहगनी का पेड़ तेज हवाओं में उखड़ कर मकान पर गिर पड़ा। देखते ही देखते पूरा कच्चा मकान ढह गया, और परिवार के सभी सदस्य मलबे में दब गए।इस हादसे में विजय मंडल की पत्नी लीला देवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके चार बच्चे और खुद विजय मंडल घायल हो गए।

बिहार ईओयू की बड़ी कार्रवाई, 175 परीक्षा माफियाओं का डोजियर तैयार

» डोजियर को एक इंटेलिजेंस टूल के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा ताकि आने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं को सुरक्षित और पारदर्शी बनाया जा सके।

निज संवाददाता | बिहार

बिहार में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और सॉल्वर गैंग का जाल सालों से फैला हुआ है। युवाओं के सपनों से खिलवाड़ करने वाले ये माफिया न सिर्फ राज्य बल्कि अन्य राज्यों में भी अपनी पैठ बना चुके हैं। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (EOU) ने इस पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में अब एक निर्णायक कदम उठाया है। EOU ने उन 175 अपराधियों का विस्तृत डोजियर तैयार किया है जो विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में धांधली, पेपर लीक, सॉल्विंग और फर्जीवाड़े में शामिल रहे हैं। यह डोजियर सिर्फ नामों की सूची नहीं है, बल्कि इसमें हर अपराधी की कार्यप्रणाली, नेटवर्क, लोकेशन, पूर्व रिकॉर्ड और संपर्क सूत्र की विस्तृत जानकारी दी गई है। EOU अधिकारियों के अनुसार, इस डोजियर के जरिए अब पेपर लीक की जड़ तक पहुंचना आसान होगा। नेटवर्क के सहयोगियों की पहचान कर उन्हें गिरफ़्तार किया जा सकेगा।अन्य राज्यों की पुलिस के साथ तालमेल कर बाहरी माफियाओं पर भी कार्रवाई हो सकेगी। जमानत पर बाहर अपराधियों की गतिविधियों पर नज़र रखी जा सकेगी। डोजियर को एक इंटेलिजेंस टूल के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा ताकि आने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं को सुरक्षित और पारदर्शी बनाया जा सके। बिहार में हाल के वर्षों में कई हाई-प्रोफाइल पेपर लीक और सॉल्वर गैंग के मामले सामने आए हैं। इसमें सिपाही भर्ती परीक्षा – अभ्यर्थियों को सॉल्व पेपर से पास कराया गया।BPSC प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा – प्रश्न पत्र सोशल मीडिया पर लीक।शिक्षक नियुक्ति परीक्षा (TRE) – रैकेट के माध्यम से अभ्यर्थियों को चयनित करवाना।NEET और CHO परीक्षाएं– बाहर से सॉल्वर मंगवाए गएइन मामलों की जांच कर रही EOU अब तक कई गिरफ्तारियां कर चुकी है, लेकिन नेटवर्क अभी भी सक्रिय है। इस डोजियर की सबसे बड़ी उपयोगिता यह है कि यह भविष्य में संभावित पेपर लीक की रोकथाम के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगा। यदि किसी नए मामले में संलिप्तता की आशंका होती है, तो डोजियर में मौजूद संदिग्धों को क्रॉस-चेक किया जाएगा। डोजियर के माध्यम से पूर्व अपराधियों की कॉल डिटेल्स, बैंक लेन-देन और सोशल नेटवर्किंग गतिविधियाँ मॉनिटर की जाएंगी।संभावित पेपर लीक के पहले ही सिग्नल पकड़ने में मदद मिलेगीजमानत पर छूटे अपराधियों पर रीयल-टाइम निगरानी रखी जाएगी।

वक्फ संशोधन बिल को कूड़ेदान में फेंकने की बात करने वाले तेजस्वी पर भड़के चक्रपाणि महाराज

निज संवाददाता | पटना

हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चक्रपाणि महाराज ने वक्फ संशोधन बिल को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि वक्फ का विरोध करना संविधान का विरोध करना है। वक्फ के नाम पर भू माफिया को ऐसे अधिकार दे दिया गया जो भस्मासुर बन गया। अब भस्मासुर को संविधान के दायरे में लाने के लिए वक्फ संशोधन बिल बना है। अगर कोई एतराज जता रहा है तो उसकी भावना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा की पाकिस्तान- बांग्लादेश जैसे जो भारत देश का दुश्मन है वो कभी चाहेगा नहीं कि देश में किसी तरह की शांति हो। किसी भी तरीके के अच्छे नियम कानून बन सके। वक्फ कानून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देश के लिए बड़ी चिंता को समाप्त करने वाला बताते हुए उन्होंने विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्य है कि विपक्ष मुस्लिम तुष्टिकरण करने में पागल हो गया है। विपक्ष का तुष्टिकरण का यह रवैया पेड़ के उसी साख को काटने जैसा है जिस पर वह बैठे हैं। वहीं राजद के तेजस्वी यादव द्वारा सरकार में आने पर वक्फ संशोधन बिल को कूड़ेदान में डाल देंगे इस सवाल पर चक्रपाणि महाराज ने कहा कि तेजस्वी यादव से हमारी बड़ी आशा थी। तेजस्वी युवा हैं हमें लगा कि इनसे उम्मीदें जगेगी युवाओं को सही दिशा देंगे लेकिन समस्या है कि अपने पिता के रास्ते पर ही चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब लोगों का मिजाज बदल चुका है। अब लोग जाति में नहीं बंटना चाहते हैं। अब राष्ट्र की बात करते हैं। सनातन की बात करते हैं। ये राम मंदिर बनने के बाद वाला भारत है इसलिए तेजस्वी इस बात को नहीं समझ पा रहे हैं। उन्होंने तेजस्वी के राम मंदिर नहीं जाने लेकिन घूम घूमकर इफ्तारी करने को उनकी तुष्टीकरण की राजनीति का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण वाली राजनीति से लोग पीड़ित हो चुके हैं। इससे न तो मुसलमान का विकास हुआ न हिंदू का। इससे सिर्फ हिंसा और दंगे मिले हैं। उन्होंने लालू यादव और तेजस्वी यादव को सुझाव देते हुए कहा कि अब तो मोबाइल फोन भी 2G से 6G पहुंच गया लेकिन तेजस्वी यादव 2G में पड़े हुए हैं। लालू यादव की तरह तेजस्वी के भी सिर्फ मुस्लिम और हिंदू की राजनीति में फंस कर रह जाने पर उन्होंने गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज पीएम मोदी राष्ट्रवाद का समर्थन कर रहे हैं इसलिए बीजेपी 4G 5G 10g पर पहुंच गई और तेजस्वी यादव, राहुल गांधी जैसे नेता 2G पर पड़े हुए हैं। इनकी मुस्लिम तुष्टिकरण और इफ्तारी पार्टी में ये लोग खत्म हो जाएंगे। ममता बनर्जी के बयान और मुर्शिदाबाद घटना पर चक्रपाणि महाराज ने कहा कि आज दुबई में भी भव्य मंदिर बन रहा है। वहां सभी जातियों के लोगों ने सहयोगसे मंदिर बना। लेकिन मुर्शिदाबाद को मरघट भूमि बना दिया है। इसमें पूरा दोष वहां के मुख्यमंत्री और कट्टरपंथियो का है। पश्चिम बंगाल में इस तरह की घटना को बढ़ावा देना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। वहीं बिहार की धरती को बहुत पवित्र धरती बताते हुए उन्होंने कहा कि यह संत ऋषि मुनियों तपस्वियों क्रांतिकारीयों की धरती है। यहां से हमेशा से परिवर्तन हुआ है परिवर्तन की आगाज हमेशा से यही से शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि हमारा कार्यक्रम बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में हिंदू स्वाभिमान सम्मेलन है। उसमें प्रस्ताव पास कराना है कि पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाए। वहां सेना उतरा जाए। वहां के हिंदुओं की रक्षा की जाए। मुर्शिदाबाद में जो हिंदुओं पर अन्याय और अत्याचार हो रहा है उसकी भरपाई की जाए ताकि पूरा देश दुनिया में और कहीं नहीं इस तरह की घटना नहीं हो। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर चक्रपाणि महाराज ने कहा कि जो राष्ट्रवादी होगा, बहुसंख्यक समाज की भावनाओं को सम्मान करेगा उसी की बिहार में सरकार बनेगी। बिहार अब जाति में बटने वाला नहीं है। उन्होंने राहुल गांधी की जाति गणना कराने की मांग पर भी आपत्ति जताई। इसे राहुल की सियासी चाल कहा जिससे देश में जाति में और अधिक बंटेगा। उन्होंने कहा की इस प्रकार की मांग हिंदुओं में फूट डालो राज करो की दोहरी नीति है। यह बिल्कुल गलत है।हिंदू पूरी तरह से जाग चुका है और उसके साथ पूरे देशवासी राष्ट्रभक्ति जो है किसी भी वर्ग किसी भी मान्यता के हो सरकार राष्ट्रवादीकी बनेगी।

अग्निशमन विभाग ने गोष्ठी के तहत ग्रामीणों जीविका दीदियों को आग से बचाव की दी जानकारी

निज संवाददाता | करगहर / रोहतास

जिला अग्निशमन विभाग की पहल पर शुक्रवार को प्रखंड स्तरीय अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने गोष्ठी के तहत अग्निशमन सेवा सप्ताह के अवसर पर पंचायत भवन करगहर में ग्रामीणों व जीविका दीदियों को आग एवं आपदा से सुरक्षा हेतु भव्य मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। जिसके तहत आग से बचाव को लेकर सुरक्षा गुर सिखाया गया। विभागीय अधिकारियों और कर्मियों ने पंचायत भवन के प्रांगण में मॉक ड्रिल कर लोगों को आग से बचाव का अभ्यास कराया। जीविका दीदियों ने अग्निशमन कर्मियों से आग पर काबू पाने और आग लगने से बचाव के बारे में जानकारी ली। इस दौरान जीविका दीदियों ने अग्निशामक यंत्रों के उपयोग के तरीके को प्रक्टिकल कर जाना और आग लगने पर सुरक्षा के लिए किये जाने वाले उपाय के बारे में सीखा। गोष्ठी के तहत मॉक ड्रिल कार्यक्रम में आग लगने के संभावित कारणों और इससे बचने के बारे में भी जानकारी दी गई।कार्यक्रम के तहत अग्निशमन विभाग के जिला पदाधिकारी रोहतास प्रियांश विप्रा ने लोगों के बीच को इस संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने आग लगने के कारण और आग के प्रकार के बारे में पहले जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि अक्सर छोटी छोटी भूल के कारण आग लगने की घटना घटित होती है। छोटी आग कुछ गलतियों के कारण विकराल और विनाशकारी रूप धारण कर लेती है। इसलिए हमें छोटी -छोटी सावधानियों पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है। सर्किल अग्निशमन पदाधिकारी पूजा कुमारी पटेल ने लोगों को जानकारी देते हुए बताया कि सावधानियों से आग पर काबू पाया जा सकता है और हिंसक होने से रोका जा सकता है। इस क्रम में उन्होंने रसोई घरों में गैस बर्नर पर आग लगने और विद्युत स्विच आदि के उपयोग के साथ अग्निशामक यंत्रों के प्रयोग को तकनीकी रूप से समझाया। वहीं अग्निशमन कर्मी राजेश कुमार व आलोक रंजन ने बताया कि आग लगने पर हताश होकर गलत कदम नहीं उठाना चाहिए। बल्कि सावधानी पूर्वक आग पर काबू पाने के विभिन्न तकनीकों को अपना कर आग पर काबू पाने की कोशिश करनी चाहिए। मौके पर सभी बिंदुओं पर व्यावहारिक रूप से यंत्रों का प्रयोग करके दीदियों को दिखाया गया साथ ही उन्होंने ने कहा कि आग लग जाने की स्थिति में लोग घबराहट में जान को जोखिम में डाल देते हैं। अक्सर समान बचाने के चक्कर में लोग आग में झुलस जाते हैं। ऐसी स्थिति में घबराहट पर काबू रख कर ज्यादा हो-हंगामा से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि हो-हंगामे से अफरा - तफरी का माहौल उत्पन्न हो जाता है और लोग सही कदम नहीं उठा पाते हैं। आग लग जाने की स्थिति में अव्यवस्था नहीं फैले इस बात का ध्यान रखने की जरूरत है। मौके पर पूर्व प्रत्याशी करगहर विधानसभा महेंद्र प्रसाद गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से ग्रामीणों व दीदियों को सीखने का अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के मौके पर एस आई लालबाबू साहनी, अग्निशमन कर्मी देवगौड़ा कुमार, विजय कुमार, सुहाना कुमारी, सरपंच प्रतिनिधि जय प्रकाश गुप्ता, बीडीसी प्रतिनिधि रवि कुशवाहा सहित कई जीविका दीदियां मौजूद रही।

बेलवैयां में लाल पर्चा विवाद से बिगड़ रही शांति, शिवजी सिंह ने समाज और प्रशासन से की सद्भाव की अपील

निज संवाददाता | दिनारा (रोहतास)

प्रखंड स्थित बेलवैयां गांव में लाल पर्चा विवाद ने सामाजिक सौहार्द और शांति व्यवस्था को गहराई से प्रभावित करना शुरू कर दिया है। गांव के वरिष्ठ कृषक शिवजी सिंह उर्फ बबुआ जी ने इस विवाद पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए समाज और प्रशासन से शांति बनाए रखने की भावुक अपील की है। उनका कहना है कि कुछ असामाजिक तत्व वर्षों पुराने और कानूनन निष्प्रभावी लाल पर्चों की आड़ में युवाओं को भ्रमित कर गांव का माहौल बिगाड़ने की साजिश कर रहे हैं।शिवजी सिंह का दावा है कि उनकी भूमि पुश्तैनी है, जिस पर कोई कानूनी विवाद लंबित नहीं है। उनके पास 2011-12 के हाईकोर्ट का स्पष्ट आदेश है, जो उनके स्वामित्व की पुष्टि करता है। इसके बावजूद उन्हें बार-बार फसल कटाई के दौरान परेशान किया जाता है, जिससे मानसिक और सामाजिक उत्पीड़न झेलना पड़ता है।इस बार संभावित तनाव को भांपते हुए प्रशासन सतर्क रहा और बिक्रमगंज अनुमंडलाधिकारी व एसडीपीओ के नेतृत्व में गेहूं की कटाई शांतिपूर्वक करवाई गई। गांव में चार सिप्टों में दंडाधिकारियों की तैनाती की गई, जिनमें पंचायत सचिव कुंदन कुमार, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी मधुरेंद्र कुमार, पंचायत सचिव सौरभ कुमार, राजस्व कर्मचारी संतोष मिश्रा और प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सरोज कुमार शामिल थे।शिवजी सिंह ने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में न्यायालय विरोधी पक्ष के पक्ष में फैसला देता है, तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी। लेकिन फैसला आने से पूर्व बार-बार विवाद खड़ा करना और माहौल खराब करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों से आग्रह किया कि वे ऐसे तत्वों को समझाएं और गांव की परंपरागत शांति बनाए रखने में भूमिका निभाएं।उल्लेखनीय है कि 3 दिसंबर को लाल पर्चा धारकों द्वारा आरा-मोहनिया मुख्य मार्ग को जाम किया गया था, जिससे प्रशासन को सख्ती दिखानी पड़ी। यह पर्चे 30-35 साल पुराने हैं और इनकी कोई कानूनी मान्यता नहीं है, फिर भी इनकी आड़ में आंदोलन और युवाओं को भड़काना लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी है।हाल ही में 17 अप्रैल को अखिल भारतीय खेत मजदूर किसान सभा द्वारा दिनारा प्रखंड कार्यालय पर प्रदर्शन किया गया, जिसमें प्रशासन पर 1975-76 की भूमि वितरण की अनदेखी और 2011-12 में दलितों से जमीन छीने जाने का आरोप लगाया गया। आंदोलनकारियों ने अब उन जमीनों पर फिर से कब्जा दिलाने की लड़ाई तेज करने की घोषणा की है।बेलवैयां गांव की वर्तमान स्थिति केवल एक जमीन विवाद नहीं, बल्कि सामाजिक ताने-बाने पर हमला है। जब न्यायालय की प्रक्रिया मौजूद है, तब भ्रम फैलाना और उकसाना समाज को पीछे धकेलने जैसा है। ऐसे समय में शिवजी सिंह जैसे लोग, जो कानून में विश्वास रखते हैं, समाज के लिए प्रेरणा हैं। उनकी अपील सिर्फ प्रशासन से नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति से है जो गांव की शांति और एकता को महत्व देता है।

गड़ासे से काट कर पति ने की पत्नी की हत्या

निज संवाददाता | नासरीगंज (रोहतास)

स्थानीय थानाक्षेत्र के बलियां लोठी स्थित तातो टोला में पति ने अपनी पत्नी को गड़ांसे से काट-काट कर निर्मम हत्या कर दी। और घटना को अंजाम देकर अपने दो बच्चों को लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पाकर एसडीपीओ कुमार संजय, पुलिस इंस्पेक्टर कुणाल कृष्ण, थानाध्यक्ष अमित कुमार, एसआई सुबोध कुमार, पीएसआई रूपम कुमारी और डायल 112 की टीम तत्काल अवसर पर पहुंचे। वहीं फॉरेंसिक टीम को भी अवसर पर नुला लिया गया। जिसने कई साक्ष्य व नमूने संकलित किये। मामले की छानबीन में जुट गए हैं। आरोपित का नाम विकास कुमार यादव है। जिसने अपनी 26 वर्षीय पत्नी सुनीता देवी की हत्या की है। सूत्रों के अनुसार सुनीता देवी की शादी वर्ष 2018 में हिंदू रीति रिवाज के अनुसार विकास यादव से हुई थी। इनके पांच वर्ष व आठ माह की दो पुत्री शिवानी व संतोषी और चार वर्ष का पुत्र शिवम कुमार है। आरोपित का एक छोटा भाई है जो बाहर रहकर कमाता है। सूत्रों ने बताया कि शादी के बाद से ही आरोपित अपनी पत्नी के साथ अक्सर मारपीट किया करता था। मृतका का मायका राजपुर थानाक्षेत्र के अमरपुर गांव में है जो अपने माता-पिता की इकलौती पुत्री थी। एसडीपीओ ने बताया कि घटना स्थल से हत्या में प्रयुक्त गड़ासे को बरामद कर लिया गया है। वहीं थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्मार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया गया है। और फरार आरोपित की गिरफ्तारी के लिए ताबड़तोड़ छापेमारी की जा रही है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक मृतका की ओर से किसी ने पुलिस को कोई आवेदन नहीं दिया है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पूरी तरह पर्यावरण के अनुकूल : विद्युत कार्यपालक अभियंता

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

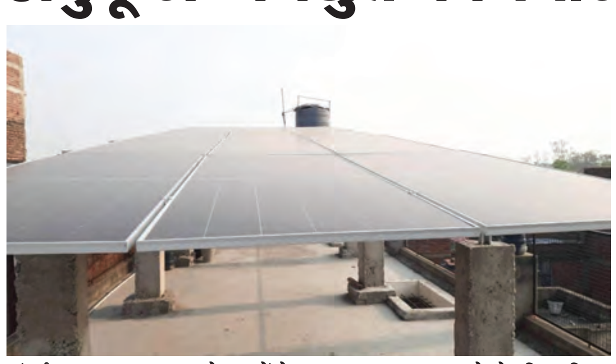

विद्युत विभाग के सभी उपभोक्ता केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से आप अपना घर-आंगन रौशन कर सकते हैं। विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ब्रवीम ने बताया की सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना संयंत्र लगाने पर लोगों को अनुदान मिलेगा। एक, दो और तीन किलोवाट के सोलर पैनल पर 30 से 78 हजार रुपए तक की सब्सिडी मिलेगी साथ ही बैंकों से सात फीसदी ब्याज पर दो लाख रुपए तक ऋण मिलेगा। एक किलोवाट पर 30 हजार रुपए, दो किलोवाट पर 60 हजार रुपए और तीन किलोवाट या उससे अधिक पर 78 हजार रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। बताते चलें की विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सासाराम अंतर्गत अब तक 53 उपभोक्ताओं के परिसर मे सूर्य घर संयत्र अधिष्ठापित की जा चुकी है व उपभोक्ताओं के द्वारा इसका लाभ उठाया जा रहा है। आगे बताया की अधिक विद्युत खपत वाले उपभोक्ता सौर ऊर्जा संयत्र लगवा लें, जिससे की बिल न्यूनतम हो सकता है। सोलर पैनल से उत्पादित बिजली का उपयोग घर का उपकरण चलाने के लिए किया जा सकता है व बची हुई बिजली को ग्रिड में भेजकर अतिरिक्त बिजली के विरुद्ध विपत्र में समायोजन किया जा सकता है। उपभोक्ता विभिन्न बैंकों से सात फीसदी के ब्याज पर अधिकतम दो लाख रुपए का ऋण प्राप्त कर सकते हैं। सूर्य ऊर्जा संयंत्र के लिए प्रति किलोवाट सौ वर्गफुट क्षेत्रफल की जरूरत है। बैंकों की ओर से ऋण राशि की वसूली शहरी क्षेत्रों में चार से पांच वर्षों में एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सात से आठ वर्षों में की जाएगी। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा से वातावरण भी संतुलित रहेगा और बिजली बिल में भी कटौती होगी। सोलर पैनल के अच्छे तरीके से रखरखाव करने पर यह 25 वर्षों तक चलने योग्य हैं, जिससे लंबे समय तक मुफ्त बिजली का लाभ ले सकते हैं। सोलर पैनल लगवाने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इसके लिए आवेदक के पास स्मार्ट प्रीपेड मीटर का कनेक्शन, आधार कार्ड, बैंक अकाउंट, मोबाइल नंबर, पैन, ईमेल ऐड्रेस की आवश्यकता होगी, यदि बैंक से ऋण लेना है तो पैन कार्ड और ईमेल एड्रेस आवश्यक है।

संक्षिप्त समाचार

सम्प हाउस की मरम्मत शुरू

नवादा (नि.सं.)। जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश के निर्देशानुसार नगर थाना स्थित सम्प हाउस का मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। बुडको के कार्यपालक अभियंता चंद्रदीप कुमार ने गंगा जल आपूर्ति योजना के अंतर्गत नवादा शहरी क्षेत्र के सभी वार्डों में जल आपूर्ति की विस्तृत जानकारी दी। कार्यपालक अभियंता द्वारा बताया गया कि जिले में कुल 4 जलाशय हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 15.14 लाख लीटर है। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया है कि सम्प हाउस में लगे मोटर को सुचारू रूप से कार्यरत रखा जाए तथा एक अतिरिक्त (स्टैंडबाय/स्पेयर) मोटर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि गंगा जलापूर्ति में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।इसके साथ ही, मोटर और राइजिंग पाइप की क्षमता में वृद्धि की जा रही है, जिससे भू-गर्भ जल पर निर्भरता को समाप्त किया जा सके। नगर परिषद नवादा के कुल 44 वार्डों में से वर्तमान में 17 वार्डों में ही गंगा जल की आपूर्ति की जा रही है। शेष 27 वार्डों में जलापूर्ति शीघ्र प्रारंभ करने हेतु जिला पदाधिकारी ने बुडको के कार्यपालक अभियंता को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन इस महत्वपूर्ण गंगा जलापूर्ति योजना को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के लिए कृतसंकल्प है, ताकि नगरवासियों को निर्बाध एवं स्वच्छ जल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। जिला पदाधिकारी ने स्टैंडबाय मोटरों सहित सभी मोटरों के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य को एक सप्ताह के भीतर पूरा करने का निर्देश भी दिया है।

आधार नामांकन केंद्र बढ़ाने पर मंथन

नवादा (नि.सं.)। जिला पदाधिकारी नवादा रवि प्रकाश की अध्यक्षता में आधार परियोजना से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक जिला पदाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में संपन्न हुई। बैठक का उद्देश्य उन क्षेत्रों की पहचान करना था, जहां आधार नामांकन की सुविधा उपलब्ध नहीं है तथा वहां अतिरिक्त आधार पंजीयन केंद्रों की स्थापना सुनिश्चित करना है। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्रत्येक पांच पंचायतों के लिए एक क्लस्टर बनाकर नया आधार पंजीयन केंद्र स्थापित किया जाए। साथ ही, उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं डीपीओ, आईसीडीएस को यह निर्देशित किया कि छात्र-छात्राओं एवं अन्य पात्र नागरिकों को आधार कार्ड से आच्छादित किया जाए। साथ जिला पदाधिकारी द्वारा डाकघर अधीक्षक एवं डीपीओ (आईसीडीएस) को आपसी समन्वय स्थापित कर 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों का आधार बनवाने हेतु निर्देशित किया गया है। विद्यालयों में आधार बनवाने के लिए डाकघर, जिला शिक्षा पदाधिकारी के माध्यम से कैंप आयोजित कराना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कन्या उत्थान योजना, बालिका पोशाक योजना, कन्या वात्सल्य योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं को आधार से जोड़ा जाए, ताकि पारदर्शिता और लाभुकों तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित हो सके। बैठक में यह जानकारी दी गई कि वर्तमान में जिले में 23 आधार केंद्र कार्यरत हैं, जिनमें 09 कार्यशील एवं 14 अकार्यशील हैं। अतिरिक्त आवश्यकता को देखते हुए 06 पंचायतों में एक-एक आधार केंद्र की स्थापना की जाएगी। इस प्रकार कुल आधार केंद्रों की संख्या बढ़कर 47 हो जाएगी। मार्च 2025 में आधार पंजीकरण के अंतर्गत 960 नए आधार, 645 बायोमेट्रिक अपडेट, 1365 डेमोग्राफिक अपडेट किए गए। कुल मिलाकर 3206 कार्य संपन्न हुए तथा 1,32,750 की राशि प्राप्त हुई। बैठक में यह भी बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में आधार से संबंधित धोखाधड़ी का कोई मामला प्रखंड स्तर से प्रतिवेदित नहीं किया गया है। आज की बैठक में उप विकास आयुक्त प्रियंका रानी, निदेशक डीआरडीए धीरज कुमार, डीपीओ आईसीडीएस निरूपमा शंकर के साथ-साथ अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

वाहन की चपेट में आने से एक की मौत

नवादा (नि.सं.)। जिले में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से पिता-पुत्री जख्मी हो गयी। इलाज के क्रम में पिता की मौत हो गयी जबकि बेटी को मामूली चोटें आई है। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पथरा गांव के पास की है। मृतक की पहचान पथरा इंग्लिश गांव निवासी राजू यादव उर्फ राजू कुमार(32) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि बाप- बेटी सामानों की खरीदारी करने नवादा गये थे। वापसी के क्रम में पथरा के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। आसपास के लोगों ने दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। मृतक को बेहतर इलाज के लिए पावापुरी बिम्स स्थानांतरित किया गया जहां इलाज के क्रम में मौत हो गयी। पुत्री को प्राथमिक उपचार के बाद घर वापस भेज दिया गया है। मृतक वाहन चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। पत्नी सिया देवी समेत चार बच्चों के सर से पिता का साया हट गया। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। नगर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

फर्जी भेंडर मामले में प्रखंड प्रमुख घेरे में

नवादा (नि.सं.)। जिले के मेसकौर प्रखंड प्रमुख की मुश्किलें बढ़ गयी है। उनपर मां के नाम फर्जी भेंडर बना राशि गवन का आरोप है। मामले की जांच आरंभ कर दी गयी है। बताया जाता है कि प्रमुख संतोष कुमार द्वारा अपनी मां सविता देवी के नाम साहू ट्रेडर्स बनाकर पंचायत विकास की राशि हस्तांतरित कर दिया। उक्त कार्य में कार्यपालक पदाधिकारी की भूमिका महत्वपूर्ण है क्योंकि बगैर उनकी मिलीभगत से ऐसा संभव नहीं है। मामले को जिले के बहुचर्चित आरटीआई कार्यकर्ता प्रणव कुमार चर्चिल ने प्रमुखता से उठाया तथा मामले की जांच की मांग की। उन्होंने इसे पंचायत राज अधिनियम के विपरित करार देते हुए वित्तीय अनियमितता का मामला बताते हुए कार्रवाई की मांग की थी। इस बावत जिला पंचायत राज अधिकारी ने कार्यपालक पदाधिकारी को पत्र भेजकर दो दिनों के अंदर विस्तृत प्रतिवेदन की मांग की है। ऐसे में प्रखंड प्रमुख की कार्यशैली संदेह के घेरे में तो है ही उनकी मुश्किलें बढ़ गयी है।

27 लीटर शराब के साथ धंधेबाज गिरफ्तार

नवादा (नि.सं.)। जिले के उग्रवाद प्रभावित सिरदला पुलिस ने लौंद बाजार में छापामारी कर बियर व अंग्रेजी शराब बरामद कर कारोबारी को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गयी। सिरदला नवादा। प्रखंड के लौंद बाजार से गुप्त सुचना के आधार पर की है। थानाध्यक्ष मोहन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि लौंद बाजार स्थित एक किराना दुकान में बियर व अंग्रेजी शराब की तस्करी किये जाने को ले रखा गया है। सूचना सत्यापन को लेकर पुलिस टीम गठित किया गया। एस आई जीतेन्द्र कुमार मिश्रा ने पुलिस बल के साथ बाजार में सर्च अभियान चलाया। इस दौरान 28 वर्षीय संजय राज उर्फ़ चिंटू कुमार पिता बालेसर प्रसाद ग्राम लौंद के पास से 27 बोतल वियर,पांच एम एल, इम्पिरियल ब्लू 14 बोतल एवं मेकडेवल चार बोतल अंग्रेजी शराब बरामद कर शराब धंधेबाज को हिरासत में ले लिया। शराब कारोबारी के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम 016 के तहत एफ आई आर दर्ज कर आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। छापेमारी से शराब कारोबारियों में हड़कंप देखा जा रहा है।

संत जोसफ स्कूल में गुड़ फ्राइडे मनाया गया

नारदीगंज (नवादा) (नि.सं.)। नारदीगंज बाज़ार स्थित संत जोसफ इंग्लिश स्कूल में शुक्रवार को गुड़ फ्राइडे मनाया गया। यह पर्व ईसा मसीह को समर्पित किया गया है। अध्यक्षता विद्यालय निदेशक पी. टी. बीजू ने की। उन्होंने कहा गुड़ फ्राइडे को शोक दिवस के रुप में मनाया जाता है। प्रभु ईसा मसीह को इसी दिन सूली पर चढ़ाकर मृत्यु दंड दिया गया था। कहा गया प्रभु ईसा मसीह ने लोगों के खातिर बलिदान हुए। इसे त्याग के दिन भी कहा जाता है। वे सूली पर चढ़ाने के बाद कहा दोषियों को कोई सजा नहीं दी जाय। बल्कि उसे क्षमा कर दें। उनके जीवन से प्रेरणा लीजिए। मौके पर सह निदेशक रामकुमार सिंह, शिक्षक श्रीकांत कुमार, अभिषेक, विवेक, सुलभा, रिमझिम, छात्र सन्नी, सचिन, नियुष, रीति, कर्ण समेत अन्य शिक्षक व छात्र शामिल हुए।

महिला संवाद कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

निज संवाददाता | नवादा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कर-कमलों द्वारा 'महिला संवाद' कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी श्री रवि प्रकाश ने समाहरणालय परिसर से महिला संवाद प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिला पदाधिकारी ने बताया कि जिले में कुल 13 प्रचार वाहन प्राप्त हुए हैं, जो सभी प्रखंडों में प्रतिदिन दो पंचायतों में जाकर सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी देंगे। न जिले में यह संवाद कार्यक्रम कुल 58 दिनों तक चलेगा, जिसके अंतर्गत 1509 ग्राम संगठनों में संवाद कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत एक ऑडियो-वीडियो डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से महिलाओं के उत्थान हेतु चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही, उन महिलाओं के अनुभव भी साझा किए जाएंगे, जिन्होंने सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभ प्राप्त कर अपने-अपने क्षेत्रों में सराहनीय कार्य किए हैं। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं की आकांक्षाएं एवं अपेक्षाएं भी इस मंच के माध्यम से प्राप्त की जाएंगी, जिन्हें संबंधित विभागों तक भेजा जाएगा, ताकि उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप नीतियां बनाई जा सकें।

सीएम ने बिहार को जंगलराज से निकालकर विकास की मुख्यधारा में ला दिया

निज संवाददाता | पटना

जदयू प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित जनता दरबार में बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी ने लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित समाधान हेतु आवश्यक निर्देश दिए। जनता दरबार के उपरांत चौधरी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने बीते 20 वर्षों में बिहार को जंगलराज से निकालकर विकास की मुख्यधारा में ला खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि जहां विपक्ष की सोच चरवाहा विद्यालय तक सीमित थी, वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच के तहत प्रदेश में ITI, पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग कॉलेजों की स्थापना की गई। उन्होंने विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव और उनके पिता लालू प्रसाद यादव को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उन्होंने अपने कार्यकाल में बिहार के लिए क्या किया। इसके विपरीत, नीतीश कुमार ने मात्र 24,000 करोड़ के बजट वाले बिहार को 3.25 लाख करोड़ के बजट वाला विकसित राज्य बनाया। अशोक चौधरी ने यह भी बताया कि नीतीश सरकार ने विभिन्न विभागों का गठन कर योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्य किए हैं।

महिला संवाद कार्यक्रम में सरकारी योजनाओं को लेकर किया गया जागरूक

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

प्रखंड क्षेत्र में हरेक गांव में जागरूकता अभियान के तहत एलईडी के माध्यम से शुक्रवार को महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। प्रखंड अंतर्गत सुदूरवर्ती क्षेत्र के हरदिया पंचायत के सुअरलेटी गांव में शुक्रवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बीडीओ संजीव झा, अग्निशमन अनुमंडल पदाधिकारी राम अवध सिंह, जीविका बीपीएम मनीष कुमार, नोडल अधिकारी सह आवास पर्यवेक्षक चंदन कुमार, विभूति नारायण तिवारी, जैनेन्द्र कुमार, पिंकू कुमार, क्षेत्रीय समन्वयक सत्येंद्र रविदास, नवीन कुमार सिंह, चंदन कुमार, अजय कुमार के अलावे जंगली क्षेत्र के दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे। एलइडी वैन प्रचार के माध्यम से सरकार के द्वारा महिलाओं के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं को दिखाया गया। इस कार्यक्रम में शामिल बीडीओ संजीव झा ने बताया कि सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार एवं महिलाओं को जागरूक करने हेतु राज्यस्तरीय टीम के साथ एलईडी वाहन के द्वारा जागरूकता फैलाने के लिए आयी हुई है। जोकि सरकार की योजनाएं प्रचार और महिलाओं की इच्छा आकांक्षा एवं जरूरतें क्या उसका फीडबैक ले रही है। जिससे गांवों का कैसे विकास और इसमें लोगों कैसे भागीदारी हो इसके लिए जीविका के द्वारा संचालित हरेक गांव में संचालित ग्राम संगठनों के समीप एलईडी वाहन जाएगी और सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है। महिला संवाद के उद्देश्य संगठनात्मक संरचना, पंचायत स्तरीय आयोजन दल का कार्य एवं जिम्मेदारी तथा सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में चलाए जा रहे योजनाओं की जानकारी के संबंध में बताया जा रहा है। यह एलईडी वाहन प्रखंड क्षेत्र में अगले 60 से 65 दिनों तक गांवों का भ्रमण कर जीविका महिला समूह को जागरूक करेगी, जिससे महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी पहुंचे। साथ ही बताया कि महिला संवाद कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कि कैसे महिलाएं अपने गांव या टोले की समस्याएं एवं आकांक्षाओं को चिन्हित कर उसके समाधान के संबंध में अपना अभिव्यक्ति व्यक्त कर सकें। इस दौरान जीविका के बीपीएम मनीष कुमार ने बताया कि महिला संवाद कार्यक्रम के दौरान सूअरलेटी गांव में करीब 200 जीविका दीदीयों ने भाग लेकर वे अपना अनुभव लोगों के बीच साझा किये। साथ ही गांव में मौजूद कई प्रकार की समस्याओं का समाधान कराने की भी मांग की। जिस पर उपस्थित पदाधिकारियों ने सरकार के समक्ष बात को पहुंचाने व निराकरण कराये जाने का आश्वासन दिये हैं। इधर जीविका दीदियों ने अपना अनुभव साझा किया और कई प्रकार की मांगे रखीं। सबसे पहले कुमारी रिशु ने बताई कि गांव के बच्चियों को 10 वीं की पढ़ाई के लिए 15 किलोमीटर दूर जाना पड़ता हैं। अजमेरी खातून के द्वारा हेल्थ और वेलनेस सेंटर की मांगा की गई। मेहरून खातून के द्वारा बताया गया कि सुदूरवर्ती क्षेत्र होने के कारण यातायात की सुविधा नहीं है। जिससे मुख्यालय स्थित बाजार व स्कूल तथा हॉस्पिटल तक पहुंचना हमलोगों काफी कठिन होता है। रोजगार के अवसर की कमी है, सभी मांगो को एमआईएस पोर्टल के माध्यम से कलम बंद किया।

जमीन बंटवारे को लेकर जमकर हुई मारपीट, दो लोग गंभीर रूप से घायल

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

थाना क्षेत्र के रामदासी गांव में जमीन बंटवारे को लेकर जमकर हुई मारपीट में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित रामदासी गांव निवासी स्व. चिंतावन यादव के पुत्र राजो यादव ने बताया कि शुक्रवार की सुबह लगभग 10:30 बजे स्व. चिंतावन यादव के पुत्र रामावतार यादव, रामावतार यादव की पत्नी परिया देवी व पुत्र विकास कुमार, स्व. चिंतावन यादव के पुत्र लीटो यादव, विकास कुमार की पत्नी रंजू देवी, लीटो यादव के पुत्र मुकेश कुमार व शंभू यादव समेत अन्य लोग जमीन बंटवारे को लेकर घर पर चढ़कर गाली-गलौज करने लगे। विरोध किए जाने पर उक्त लोग लाठी-डंडा, लात-मुक्का एवं टांगी से मारपीट कर मुझे और मेरे बेटे अखिलेश कुमार को गंभीर रूप से जख्मी कर दिए। मारपीट घटना को लेकर डायल 112 की पुलिस टीम को सूचित किया गया। जब डायल 112 की टीम पहुंचीं तो सभी मारपीट करने वाले लोग भाग खड़े हुए। वहीं डायल 112 की टीम द्वारा अस्पताल में मुझे और मेरे बेटे को इलाज हेतु भर्ती कराया गया। इस मारपीट में दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इस बाबत थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि मारपीट को लेकर एक पक्ष द्वारा लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है। पुलिस मामले की छानबीन कर अग्रतर कार्रवाई में जुटी हुई है।

प्रोपर्टी डीलर पर बाइक सवार अपराधियों ने बरसाई गोली

निज संवाददाता | बेतिया

बेतिया मुफस्सिल थाना क्षेत्र मे आज सुबह सुबह गोलियों की आवाज सुनाई दी। यहां पसराइन वृद्धा आश्रम के पास एक बाइक पर सवार तीन अपराधियो ने प्रोपर्टी डीलर सुरेश यादव के सीने मे तीन गोली मार दी। गोली लगते ही सुरेश घटनास्थल पर ही गिर गये। जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। बताया गया कि सुरेश यादव अपनी लडकी की शादी का कार्ड बांटने सुबह 9 बजे निकला था कार्ड बांटने। इनकी लडकी का शादी 5 मई को है जिसकी तैयारी चल रही थी। लेकिन इस घटना के बाद अब परिवार में रोना-धोना शुरू हो गया है। परिवार के लोगों को शादी की चिंता सताने लगी है। घायल के पुत्र बुलेट यादव ने कहा की योगापट्टी के रमेश कुशवाहा और बीरबल प्रसाद ने गोली मारी है। साथ ही उन्होने यह भी बताया की पहले भी यह दोनों डेढ करोड रुपया का घोटाला कर चुके हैं। इधर सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पुलिस पहुच जांच मे जुट गई है। घटना के बाद बेतिया पुलिस अधीक्षक के आदेश पर पूरे शहर मे गहन वाहन जांच करा रही है। इस संबंध मे बेतिया सदर डीएसपी विवेक दिप ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा। वहीं दबे जबान से पुलिस की कार्यशैली पर स्थानीय ग्रामीण सवाल भी उठा रहे है कि पुलिस शराब व वाहन जांच मे लगी रहती है और अपराधी अपराध कर फरार हो जा रहे हैं।

अग्निशमन विभाग ने सेवा सप्ताह के पांचवां दिन में मॉकड्रिल कर जागरूकता अभियान चलाया

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

अनुमंडल मुख्यालय समेत कई क्षेत्रों में अनुमंडल स्तरीय अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में सेवा सप्ताह बीते 14 से 20 अप्रैल तक मनाया जा रहा है। इस दौरान मॉकड्रिल समेत आग से बचाव को लेकर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों व कार्यशाला का आयोजन कर जागरूकता फैलाने का काम किया जा रहा है। अनुमंडल स्तरीय अग्निशमन पदाधिकारी ने बताया यह सप्ताह 14 अप्रैल, 1944 को बॉम्बे डॉकयार्ड में हुए जहाज विस्फोट में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अग्निशामकों की याद में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि सेवा सप्ताह के पांचवे दिन वाहनों की साफ सफाई के साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर जागरूकता अभियान चलाया गया है। अग्निशमालय रजौली अन्तर्गत अग्नि सुरक्षा सम्बन्धी जनजागरूकता अभियान के तहत कुल 10,जगहों पर मॉकड्रिल तथा पंपलेट वितरण का कार्यक्रम किया गया। उन्होंने बताया कि संगम जीविका स्वयं सहायक समूह एवं वृंदा जीविका स्वयं सहायक समूह सूअरलेटी के अलावे मरमो गांव, सुनील कुमार किराना स्टोर, जे ए इंडियन गैस एजेंसी, शाहपुर, शाहपुर ऊपरडीह, विष्णुपुर, पतनदेह आदि गावों में महिलाओं व पुरुषों को मॉकड्रिल कर आग लगने पर उनसे सुरक्षा हेतु जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि स्थानीय समुदाय के लोगों को अग्नि सुरक्षा के महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जिससे अग्नि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाने में आसानी हो। यह सप्ताह अग्निशमन सेवाओं के प्रति सम्मान और जागरूकता का प्रतीक है। मौके पर अग्निक कांस्टेबल अमरजीत राम, आनंद कुमार शमशेर अंसारी, राकेश कुमार अर्चना कुमारी, रानी कुमारी, रिया कुमारी रंजू कुमारी बिरिंजा कुमारी, अग्नि चालक निशांत कुमार, टूना कुमार गुप्ता धर्मेंद्र कुमार उपस्थित थे।

आवास योजना में सहायकों द्वारा बरती गई भारी अनियमितता, अधिकारियों से की गई शिकायत

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्राम पंचायत मुरहेना में वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान आवास आवंटन करने में आवास सहायक द्वारा फर्जीवाड़ा करते हुए अधिकांशत पक्के मकान वाले को लाभ दे दिया गया है। साथ ही चयनित व्यक्तियों के बदले भ्रष्टाचार में लिप्त होकर दूसरे व्यक्ति को लाभ दे दिया गया है, जिनका चयन नहीं है। इस बाबत मुरहेना के मनोज कुमार ने बताया कि आवास सहायक के द्वारा ग्राम पंचायत मुरहेना में वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान आवास जो दिया गया है, वह अधिकतर पक्के मकान वाले को दो मंजिला मकान वाले को दिया गया है। जबकि आवास आवंटन करने से पहले जांच की प्रक्रिया होती है, तब उनके खाता में राशि का आवंटन किया जाता है। लेकिन भ्रष्टाचार में लिप्त होकर आवास सहायक द्वारा पक्के मकान वाले को भी लाभ दे दिया गया है। प्रधानमंत्री आवास का चयन जॉब कार्ड के आधार पर किया जाता है, लेकिन जिनका जॉब कार्ड नंबर के आधार पर चयन किया गया है, वैसे लोगों को लाभ नहीं दिया गया। उसके जगह पर वैसे लाभार्थियों को लाभ दिया गया है, जिनको जॉब कार्ड नंबर दूसरे व्यक्ति का है। आवेदक ने बताया कि लिखित आवेदन में कुछ सूची को पदाधिकारियों से अवगत कराई गई है। जिससे यह स्पष्ट हो पाता है कि कितने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के तहत हेरा-फेरी का कार्य किया गया है। अगर जांच हुई तो भ्रष्टाचार की पोल खुल जाएगी। इसकी लिखित शिकायत निबंधित डाक के द्वारा प्रखंड विकास पदाधिकारी रजौली, जिला पदाधिकारी नवादा, डीआरडीए नवादा एवं ग्रामीण विकास विभाग बिहार राज्य पटना को 15 अप्रैल 2025 को किया गया है।

क्या कहते हैं पदाधिकारी :

इस बाबत प्रखंड विकास पदाधिकारी संजीव झा ने बताया कि गुड फ्राइडे को लेकर छुट्टी है। उन्हें शिकायत पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। शिकायत पत्र प्राप्त होने के उपरांत अग्रतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पेंशनर समाज ने गुड फ्राईडे पर किया कार्यक्रम का आयोजन

निज संवाददाता | नारदीगंज (नवादा)

पेंशनर भवन नारदीगंज में शुक्रवार को गुड फ्राइडे कार्यक्रम हुआ। अध्यक्षता पेंशनर समाज प्रखंड अध्यक्ष रामधनी प्रसाद ने की। समाज सचिव श्रीकांत सिंह ने कहा गुड फ्राइडे ईसाइयों के प्रमुख त्योहार है। इसी दिन ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया था। गुड फ्राइडे को होली फ्राइडे, ब्लैक फ्राइडे, भी कहा जाता है। कहा गया ईसा मसीह लोगों के खातिर बलिदान दिया। इसलिए इसे त्याग का दिन माना जाता है। प्रभु यीशु लोगों को मानवता, और शांति, प्रेम, त्याग, करुणा, बलिदान का संदेश दिया है। कहा गया उनका कहना था कि सूली पर चढ़ाने के बाद दोषियों को कोई सजा नहीं दी जाय, बल्कि कहा ईश्वर उसे क्षमा कर दें, क्योंकि वे नहीं जानते हैं कि क्या कर रहे हैं। अंधविश्वास पैदा करने वाले को शत्रु कहा है। वे अन्याय और विलासिता व अज्ञानता का अंधकार को दूर करने के लिए शिक्षित करते रहे। कट्टरपंथी को प्रसन्न करने हेतु ईसा को कई यातनाएं दी गई। विश्व को उनसे प्रेरणा लेना चाहिये। मौके पर रामशरण सिंह, कामता प्रसाद सिंह, रामाधीन सिंह समेत अन्य लोगों ने भी विचार रखे।

करंट लगने से तीन साल के मासूम बच्चे की मौत

निज संवाददाता | वैशाली

वैशाली में शौच करने गया तीन वर्षीय मासूम बच्चा करंट की चपेट में आने से गंभीर रूप से झुलस गया। बच्चों को छटपटाता देख आसपास स्थानीय लोग जुट गए। स्थानीय लोगों द्वारा घटना की सूचना परिजन को दी गई। परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से बच्चों को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र वैशाली ले जाया गया। जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने बच्चों को मृत्यु घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच वैशाली थाने की पुलिस ने बच्चों के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया। मृतक की पहचान वैशाली गांव निवासी इंदल साहनी के तीन वर्षीय पुत्र आर्यन कुमार बताया गया है। मृतक दो भाइयों में छोटा था। बच्चों की मौत हो जाने से परिजनों में कोहरा मच गया है। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने पोस्टमार्टम करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

बिजली करंट से दिव्यांग व्यक्ति की मौत पर एपीडब्लूडी ने जताया गहरा शोक

निज संवाददाता | नरहट (नवादा)

नवादा जिले के नरहट प्रखंड अंतर्गत ग्राम पांडेचक में बिजली करंट की चपेट में आने पर दिव्यांग व्यक्ति विनेश्वर प्रसाद उर्फ कैलाश यादव (उम्र 48 वर्ष), पिता- लखन प्रसाद की मृत्यु हो गई थी। घटना 16 अप्रैल की बताई जाती है। घटना की सूचना मिलते ही शुक्रवार को एसोसिएशन ऑफ़ पर्सन्स विथ डिसेबिलिटीज़ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण कुमार मिश्रा उर्फ कवि जी के निर्देश पर राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री हरदेव प्रसाद राज्य स्तरीय टीम के साथ मृतक के घर पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात कर सान्त्वना दिया। घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया। स्वजनों को सरकारी सहायता दिलवाने का आश्वासन दिया। इनके साथ प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अगस्त उपाध्याय, प्रदेश प्रोग्राम मैनेजर यशु पाल, प्रदेश चिकित्सक प्रकोष्ठ प्रभारी धर्मवीर शर्मा एवं प्रदेश पीआरओ अमित दा उपस्थित रहे। स्थानीय प्रशासन की ओर से नरहट थानाध्यक्ष उमाशंकर सिंह, पुनौल पंचायत सचिव, आवास सहायक, रोजगार सेवक, पंचायत विकास मित्र, पुनौल मुखिया एवं वार्ड सदस्य भी मौके पर मौजूद रहे। कार्यकरणी अध्यक्ष ने बताया कि सरकार की ओर से मृतक के परिवार को तत्काल सहायता दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसमें मृत्यु प्रमाण पत्र, विधवा पेंशन, स्पॉन्सरशिप योजना, शौचालय योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं बिजली दुर्घटना से मृत्यु पर आपदा राहत मुआवजा जैसी योजनाएं शामिल हैं। संबंधित पदाधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि लाभ जल्द ही उपलब्ध कराया जाएगा। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और परिवार को इस दुख की घड़ी में साहस प्रदान करने की कामना की। साथ ही, संगठन ने दिव्यांग एवं गरीब परिवार को हरसंभव सहायता देने का आश्वासन भी दिया।

संक्षिप्त समाचार

बैंक डकैती में पांच दोषियों को 10 साल की मिली सजा

आरा। आरा दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक शाखा अनाइठ में हुई डकैती के मामले में कोर्ट ने गुरुवार को पांच आरोपियों को दोषी करार दिया। अष्टम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरज किशोर ने सभी को 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई।अपर लोक अभियोजक प्रशांत रंजन ने अभियोजन पक्ष की ओर से बहस की। उन्होंने बताया कि 18 नवंबर 2019 को दोपहर करीब 1.45 बजे अनाइठ स्थित दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक में अज्ञात अपराधी घुसे थे। उन्होंने बैंक के सेफ और कैश काउंटर से कुल 30 लाख 27 हजार 244 रुपये लूटे। लूट के बाद अपराधियों ने फायरिंग की और फरार हो गए। घटना के बाद तत्कालीन शाखा प्रबंधक दिनेश प्रसाद ने नवादा थाना में अज्ञात डकैतों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच के बाद बोतल महतो उर्फ शशिकपूर कुशवाहा समेत अन्य के खिलाफ कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया।मामले में अभियोजन की ओर से 12 गवाहों की गवाही हुई। बचाव पक्ष की ओर से 8 गवाहों को पेश किया गया। कोर्ट ने 22 मार्च 2022 को आरोप तय किए थे। 28 मार्च 2025 को आरोपी प्रकाश माली उर्फ ओम प्रकाश के कोर्ट में उपस्थित नहीं होने पर उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया था।भागलपुर जेल से आरोपी बोतल महतो और श्वेताभ उर्फ पोलटी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने अगिआंव (गड़हनी) के रतनाढ़ गांव निवासी बोतल महतो उर्फ शिकु उर्फ शशिकपूर कुशवाहा, नवादा के गोढ़ना निवासी श्वेताभ सिंह उर्फ पोलटी और सुधीर राज, अनाइठ गांव के विजय चौधरी तथा बड़हरा के पैगा गांव निवासी गौरव सिंह को दोषी पाया। सभी को 10-10 साल की सश्रम कैद और अर्थदंड की सजा सुनाई गई।

भेड़िया गांव में पहली बार रात में घोड़दौड़, तेजस्वी शामिल

आरा। खजुरिया पंचायत के भेड़िया गांव में सोमवार रात घोड़दौड़ प्रतियोगिता हुई। पहली बार रात में हुई इस प्रतियोगिता में बिहार और उत्तर प्रदेश के नामी घोड़े और घुड़सवार शामिल हुए। कार्यक्रम में जबरदस्त उत्साह और रोमांच दिखा। इस आयोजन का उद्घाटन पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने हरी झंडी दिखाकर किया। उन्होंने कहा कि बिहार में पहली बार रात में ऐसी घुड़दौड़ हो रही है। यह मनोरंजन के साथ प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाता है। आयोजन होटल मौर्या के जीएम बीडी सिंह और पूर्व मुखिया संतोष सिंह ने किया। संचालन बखोरापुर मां काली मंदिर के मीडिया प्रभारी अखिलेश बाबा ने किया। कार्यक्रम में अशोक कुमार उर्फ रामबाबू सिंह, जय मां काली बखोरापुर वाली के मुख्य संरक्षक सुनील सिंह गोपाल, पूर्व विधायक विजेंद्र यादव, पूर्व विधायक अरुण यादव, सोनाली सिंह, पिरौंटा के समाजसेवी गुड्डू राय, सुरेंद्र सिंह सोलंकी, सत्येंद्र सिंह, रवि शंकर सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

भोजपुरी सिनेमा में संवाद लेखन पर हुआ व्याख्यान

आरा। नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय के भोजपुरी विभाग में मंगलवार को परिचर्चा सह काव्य-पाठ हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर नथुनी पांडेय "आजाद" ने छात्रों को भोजपुरी सिनेमा में संवाद लेखन की कला पर व्याख्यान दिया। उन्होंने संवाद लेखन के गुर सिखाए। इसके बाद उन्होंने भोजपुरी गीतों की प्रस्तुति दी।" फरके नयन उचरे कागा अंगनइया", "कोयल कुहुके अमराई में बन बन कुसुम फुलाइल", "सोना अइसन देह जरे रूपा अइसन रूप".. गीतों ने श्रोताओं को मुग्ध कर दिया। छात्रों ने भी अपनी कविताएं और गीत सुनाए। धीरेन्द्र कुमार सिंह, आशा कुमारी, रोहित कुमार, प्रणव भार्गव और ढुनमुन सिंह ने अपनी-अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. दिवाकर पांडेय ने "निमन नाहीं लागेला अइसन झमेला" और "आसरा के दियरा जरावल करीं" जैसे गीतों की प्रस्तुति दी।

ऑटोनॉमस कॉलेज घोषित हुआ मंझारो अजब दयाल सिंह टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज

आरा। आरा वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय की संबद्ध इकाई माता मंझारो अजब दयाल सिंह टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज को यूजीसी ने ऑटोनॉमस कॉलेज घोषित किया है। विवि का पहला ऐसा बीएड कॉलेज है जिसे ऑटोनॉमस कॉलेज घोषित किया गया है।इस संबंध में यूजीसी के संयुक्त सचिव डॉ आर मनोज कुमार ने वीर कुंवर सिंह विवि के कुलसचिव को पत्र जारी कर दिया है। पत्र में माता मंझारो अजब दयाल सिंह शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय को स्वायत्त दर्जा प्रदान करने की जानकारी दी गयी है। इसमें कहा गया है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 13 मार्च को आयोजित अपनी बैठक में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय से संबद्ध माता मंझारो अजब दयाल सिंह शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, दुलौर, जगदीशपुर को शैक्षणिक वर्ष 2025-2026 से 2029-2030 तक 05 वर्ष की अवधि के लिए स्वायत्त दर्जा प्रदान करने के लिए स्वायत्त महाविद्यालयों पर स्थायी समिति की सिफारिश को मंजूरी दे दी है।यूजीसी ने वीर कुंवर सिंह विवि को यूजीसी विनियमों के अनुसार महाविद्यालय को स्वायत्त दर्जा प्रदान करने के संबंध में 30 दिनों के भीतर आवश्यक अधिसूचना जारी करने को कहा है। इसमें कहा गया है कि स्वायत्त कॉलेज को स्वायत्त कॉलेजों के लिए यूजीसी विनियम, 2023 के सभी प्रावधानों का पालन करना आवश्यक है। कॉलेज स्वायत्तता की अवधि पूरी होने से कम से कम तीन महीने पहले स्वायत्त स्थिति के विस्तार के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को आवेदन करेगा। संस्थान के अध्यक्ष डॉ मधेश्वर सिंह ने कहा कि सभी विभागों के शिक्षकों एवं कर्मियों के अथक प्रयासों के बदौलत यह संभव हो पाया है। आगे भी संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए संकल्पित है।गौरतलब हो कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग उसी कॉलेज को स्वायत्त का दर्जा प्रदान करता है जिसकी मान्यता 12-बी में हो। इसके साथ ही उस महाविद्यालय का नैक से ग्रेडेशन हो। ऑटोनॉमस कॉलेज या स्वायत्त कॉलेज का मतलब है, वह कॉलेज जिसे अपने पाठ्यक्रम और दैनिक गतिविधियों पर पूरा नियंत्रण होता है। स्वायत्त कॉलेजों को यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों की सूची से अपना खुद का पाठ्यक्रम शुरू करने का अधिकार होता है। स्वायत्त कॉलेजों में शैक्षणिक पैटर्न सावधानीपूर्वक बनाया जाता है।

दुर्घटना में एमवी कॉलेज के प्रोफेसर जख्मी

बक्सर। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के इटाढ़ी गुमटी के समीप सड़क दुर्घटना में एमवी कॉलेज के जंतु विज्ञान के सहायक प्रोफेसर अनुराग श्रीवास्तव जख्मी हो गए। वे अपनी पत्नी सुप्रिया रानी के साथ गांव से बक्सर बाइक से आ रहे थे। इसी दौरान बस ने ठोकर मार दी। दोनों बाइक समेत बस के अंदर चले गए, संयोग रहा कि कोई अनहोनी नहीं हुई। घटना की जानकारी मिलते ही कॉलेज के दर्जनों छात्र एवं श्री श्रीवास्तव को जानने वाले पहुंच गए। इटाढ़ी गुमटी थाना में पहुंच बस चालक पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। अनुराग श्रीवास्तव भाजयुमो के प्रशिक्षण विभाग के प्रदेश संयोजक के पद पर कार्यरत हैं।

गंगा के रामरेखा घाट पर स्नान कर श्रीराम ने पाप से पाई थी मुक्ति

बक्सर। गंगा किनारे स्थित रामरेखा घाट बक्सर के तमाम गंगा घाटों में सबसे पौराणिक और प्रमुख माना जाता है। मान्यता है कि ताड़का वध के बाद जब भगवान राम पर स्त्री वध का पाप लगा, तब वे प्रायश्चित के लिए इस घाट पर आए और गंगा स्नान कर पाप से मुक्ति पाई। इसके बाद उन्होंने मिट्टी से शिवलिंग बनाकर पूजा की, लेकिन स्नान करते समय शिवलिंग बहने लगा तो उन्होंने हाथ से उसे रोका। हाथ हटाने पर शिवलिंग पर उनके हाथों की रेखाएं अंकित हो गईं और पास की मिट्टी पर उनके पैरों के छाप भी पड़ गए। तभी से यह स्थान रामरेखा घाट और मंदिर रामेश्वरनाथ के नाम से प्रसिद्ध हो गया। सावन के सोमवार, महाशिवरात्रि और अन्य धार्मिक अवसरों पर यहां हजारों श्रद्धालु जल अर्पित करने आते हैं। माना जाता है कि यहां की गई पूजा से मुरादें पूरी होती हैं। बक्सर रेल और सड़क मार्ग से जुड़ा है। पटना व वाराणसी नजदीकी हवाई अड्डे हैं। दिल्ली, पटना, बलिया जैसे शहरों से बस और ट्रेनें उपलब्ध हैं। यहां आकर पर्यटक रामरेखा घाट के साथ-साथ नौलखा मंदिर, सीताराम संग्रहालय जैसे अन्य स्थलों का भी भ्रमण कर सकते हैं।

गोलू यादव हत्याकांड में 9 लोगों पर एफआईआर दर्ज

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर शहर के टाउन थाना क्षेत्र के भलुहीपुर मोहल्ला स्थित अखाड़े पर गुरुवार की सुबह हथियारबंद बदमाशों ने एक ऑटो चालक गोलू यादव की गोलियों से भूनकर हत्या करने मामले में नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज गई है। मृतक गोलू यादव के पिता वकील यादव के बयान पर लाला यादव, विवेक यादव, पंकज यादव, छोटू यादव, दिनेश यादव, बच्चू यादव और सुनील यादव के बेटे विवेक यादव सहित दो अज्ञात के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दर्ज प्राथमिकी में वकील यादव ने बताया कि गुरुवार की सुबह उनका बेटा गोलू यादव अपने छोटे भाई दीपक यादव के साथ मोहल्ले में ही अखाड़े के पास खेल रहा था।

तभी सभी आरोपी वहां आए और उनके बेटे गोलू यादव को गोली मार दी। आनन-फानन में उसे इलाज के सदर अस्पताल लाया गया। जहां उसे देख मृत घोषित कर दिया।

पुलिस की टीम ने परिजनों से की पूछताछः मृतक टाउन थाना क्षेत्र के भलुहीपुर मोहल्ला वार्ड नंबर 31 निवासी था। वह पेशे से ऑटो चालक था और शीश महल चौक से स्टेशन तक ऑटो चलाता था। वहीं घटना की सूचना पाकर सहायक पुलिस अधीक्षक सह SDPO-1 परिचय कुमार , टाउन थानाध्यक्ष देवराज राय, दरोगा सूरज कुमार और अमृत राज पुलिस बल के साथ आरा सदर अस्पताल पहुंचे और मृतक के परिजनों से मिल घटना की जानकारी ली। वहीं सहायक पुलिस अधीक्षक सह सदर SDPO-1 परिचय कुमार ने बताया कि भलुहीपुर मोहल्ला निवासी वकील यादव के पुत्र गोलू यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई है।

घटनास्थल से खोखा भी बरामदः हत्या का कारण बताया जा रहा है कि गुरुवार की सुबह वह अखाड़े कैसे पास क्रिकेट खेल रहा था। उसी दौरान दो लोग आए और उसे गोली मार दी। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों के बताए जाने के अनुसार क्रिकेट खेलने के दौरान उन लोगों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। हालांकि इसकी जानकारी पहले पुलिस को नहीं दी गई थी। इस घटना में जो भी अपराध कर्मी शामिल हैं, उनकी पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापेमारी की जा रही है। परिचय कुमार ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से खोखा भी बरामद किया है और अन्य खोखों को पुलिस खोजने में लगी है।

भोजपुर में हथियार के साथ बदमाश गिरफ्तार

निज संवाददाता। आरा

◆ दहशत फैलाने की नीयत से लेकर घूम रहा था, पुलिस ने गुप्त सूचना पर दबोचा

भोजपुर जिले के नारायणपुर थाना पुलिस ने अवैध हथियार एवं कारतूस के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी थाना क्षेत्र के नारायणपुर मध्य विद्यालय के पास से हो सकी। पुलिस ने उसके पास एक देशी पिस्तौल एवं एक कारतूस बरामद किया है। साथ ही उसके पास से एक बाइक भी जब्त की गई है। जानकारी के अनुसार गिरफ्तार अंकित कुमार उर्फ गुनगुन राय सहार थाना क्षेत्र के बरुही गांव का निवासी है।

देशी कट्टा और एक कारतूस बरामदः इसकी जानकारी गुरूवार को एसपी राज द्वारा प्रेस बयान जारी कर दी गई। बताया जा रहा कि नारायणपुर पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी की एक व्यक्ति हथियार एवं कारतूस के साथ देखा गया है। सूचना के सत्यापन उपरांत नारायणपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत पुलिस बल के साथ नारायणपुर मिडिल स्कूल के पास पहुंचे और उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास एक देशी कट्टा और एक कारतूस बरामद किया। साथ ही उसकी बाइक को भी जब्त कर लिया गया। नारायणपुर थाना में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी की गई है। थानाध्यक्ष के अनुसार गिरफ्तार आरोपित का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है।

नारी सशक्तिकरण की नई पहल, महिला संवाद रथ लांच

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में महिला सशक्तिकरण के लिए 'महिला संवाद' कार्यक्रम की शुरुआत हो गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बक्सर के जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने महिला संवाद रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ चुरामनपुर पंचायत के शेरपुर गांव की ओर रवाना हुआ। जिले की 136 ग्राम पंचायतों के 925 ग्राम संगठनों में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

महिला संवाद रथ का उद्देश्यः इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी देना है। साथ ही उन्हें जागरूक बनाना और उनकी इच्छाओं को समझना है। जीविका से जुड़े ग्राम संगठनों के माध्यम से यह कार्यक्रम हर गांव तक पहुंचेगा।

2 करोड़ महिलाओं को शामिल करना लक्ष्यः पूरे बिहार में 70,000 से ज्यादा स्थानों पर यह कार्यक्रम एक साथ शुरू किया गया है। इसमें करीब 2 करोड़ महिलाओं के शामिल होने का लक्ष्य है। गांव की सभी महिलाओं को इस संवाद में भाग लेने का न्योता दिया गया है। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पिछले कुछ सालों में महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए हैं। यह कार्यक्रम महिलाओं की सामाजिक भूमिका को और मजबूत करेगा।

आरा में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

निज संवाददाता। आरा

आरा शहर के जीरोमाइल के समीप गुरुवार को शिवकृति हॉस्पिटल के द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान अलग-अलग गांव से लोगों का स्वास्थ्य जांच हुआ। वही बीपी,शुगर फीवर के साथ महिलाओं से संबंधित रोगों का जांच हुआ। इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में स्पेशलिस्ट न्यूरोफिजिशियन,शिशु रोग,महिला रोग,जेनरल फिजिशियन,दंत रोग चिकित्सक समेत जांच स्पेशलिस्ट उपस्थित थे । वही निशुल्क जांच शिविर में गांव के कई बुजुर्ग और महिलाओं ने अपना जांच करवाया। इस शिविर में करीब 250 लोगों का जांच और इलाज किया गया।

फ्री में जांच और इलाज के अलावा दवा वितरणः इस जांच से गांव के लोगों ने सराहनीय कार्य बताया। ग्रामीणों ने कहा कि बी.पी, शुगर समेत अन्य बीमारियों की जांच एवं इलाज के लिए मनमानी पैसे वसूले जाते है। यहां निशुल्क

जांच से काफी राहत मिली है। उनका कहना है कि अगर गांव में टाइम तू टाइम स्वास्थ्य जांच सिविल लगता रहे तो गरीबों को काफी मदद मिलेगी। शिवकृति हॉस्पिटल के संस्थापक मनोज कुमार झमन ने बताया कि आज इस स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ो लोगों का मुफ्त में जांच और इलाज किया गया। इस शिविर में मरीज के जरूरत के अनुसार उनका चेकअप के साथ फ्री में इलाज करने के बाद दवा वितरण किया गया।

पैसे की कमी रहने वालों के इलाज की पहली प्राथमिकताः हर साल के मुताबिक इस साल भी खासकर गरीब परिवारों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। पूरे साल हर शुक्रवार को हमारे हॉस्पिटल में ओपीडी की सुविधा फ्री में दी जाती है। हमारे हॉस्पिटल का मुख्य मकसद हर परिवारों के लिए खड़ा होना है। हमारी पहली प्राथमिकता होती है कि इस अस्पताल में कोई भी मरीज आए उनका इलाज पहले हो और अगर पैसे की कमी होती है तो उन्हें मुफ्त में दवा भी दी जाती है। वहीं महिला रोग चिकित्सक डॉ वंदना शहर ने बताया कि हमारे हॉस्पिटल के चौथी वर्षगांठ पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। इस सिविल में अलग-अलग विभाग के सभी स्पेशलिस्ट डॉक्टर मौजूद थे। जितने भी मरीज इस शिविर में आए हैं उनका निशुल्क जांच एवं इलाज किया गया है। इस शिविर में महिलाओं के लिए अलग से स्पेशल सुविधा दीगई थी। इस गर्मी में ज्यादातर ब्लड प्रेशर, हार्ट से संबंधित, दम फूलना जैसे गंभीर बीमारियों के मरीज हमारे पास आए हैं। शिविर में डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद मरीज के आवश्यकता के अनुसार रेफर किया गया। खासकर इस गर्मी में गर्भवती महिलाओं को अधिक पानी पीने की जरूरत है, प्रॉपर बैलेंस डाइट लेने की आवश्यकता है। शरीर को कॉटन के कपड़े से ढक कर धूप में निकलना है। इस शिविर में न्यूरोफिजिशियन डॉ सतेंद्र कुमार,शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ राकेश कुमार,महिला रोग चिकित्सक डॉ वंदना शेखर, जनरल फिजिशियन डॉक्टर शशी कुमार एवं डॉ विवेक कुमार सिंह और दंत रोग चिकित्सक डॉ स्नेह प्रिया शामिल थी।

चौसा नगर पंचायत की बाजार नीलामी

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के चौसा नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत हॉट-बाजार, मछली बाजार, ऑटो-बस स्टैंड और अन्य सैरातों की बंदोबस्ती 21 अप्रैल 2025 को की जाएगी। यह जानकारी नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) शुभम कुमार ने दी है। ईओ ने बताया कि नीलामी की यह प्रक्रिया निर्धारित नियमानुसार और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई जाएगी। इच्छुक व्यक्तियों को समय पर उपस्थित होकर भाग लेने का अवसर मिलेगा। इसके लिए तिथि, समय और स्थान की सूचना पहले ही सार्वजनिक की जा चुकी है।

स्थानीय राजस्व और विकास को मिलेगा लाभः ईओ शुभम कुमार ने बताया कि हॉट-बाजार एवं सैरातों की बंदोबस्ती से स्थानीय राजस्व में वृद्धि होगी और नगर पंचायत की जनसुविधाओं के विकास में सहायता मिलेगी। इच्छुक बोलीदाताओं से अपील की गई है कि वे समय से आवश्यक

कागजात और आवेदन पत्र के साथ उपस्थित हों, ताकि प्रक्रिया में कोई बाधा न उत्पन्न हो।

पिछली बार मनोरंजन पांडेय ने मारी बाज़ीः साल 2024-25 की नीलामी में मनोरंजन पांडेय की अंतिम बोली 30.30 लाख रुपए की रही। उस नीलामी प्रक्रिया में चेयरमैन किरण देवी, उप चेयरमैन सरिता

◆ बक्सर में हॉट-बाजार और सैरातों की बंदोबस्ती, 21 अप्रैल को लगाई जाएगी बोली

देवी और सशक्त समिति के सदस्यों की उपस्थिति में ऑटो-बस स्टैंड की नीलामी पहले की गई थी, जिसमें सात संवेदकों ने भाग लिया था। पिछले वर्ष यह नीलामी पांचवीं बैठक में पूरी हो सकी थी, क्योंकि इससे पहले चार बार तिथि घोषित होने के बावजूद किसी कारणवश प्रक्रिया टाल दी गई थी। अब देखना यह है कि इस बार की नीलामी में कितने इच्छुक लोग भाग लेते हैं और अंतिम बोली किसके नाम रहती है।

पढ़ाई में रुचि लाने के लिए 1093 प्रारंभिक विद्यालयों में 21 से होगा चहक कार्यक्रम

निज संवाददाता। बक्सर

जिले के 1093 प्रारंभिक विद्यालयों में नया सत्र की शुरुआत हो चुकी है। कक्षा 1 में नामांकन को लेकर प्रवेशोत्सव अभियान चलाया जा रहा है। इसको लेकर जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। ऐसे में शिक्षा विभाग के द्वारा नए शैक्षणिक वर्ष में नामांकित कक्षा एक के बच्चों को रोचकपूर्ण व खेल- खेल के माध्यम से पढ़ाई कराने की तैयारी की जा रही है। विद्यालय में नामांकन होने के बाद बच्चे विद्यालय जाने से कतराएं नहीं, जिसे लेकर चहक कार्यक्रम का संचालन 21 अप्रैल से जिले के सभी प्रारंभिक विद्यालयों में शुरू किया जाएगा। विभाग द्वारा 3 माह के लिए बनाए गए पाठ्यक्रम का नाम चहक दिया गया है। ताकि नए नामांकित बच्चों की चहचहाहट चहक के माध्यम से विद्यालय में गूंज सके। इसको लेकर प्राथमिक शिक्षा निदेशक सह निदेशक निपुण बिहार मिशन साहिला ने डीईओ को पत्र लिखा है, जिसके अनुसार शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में मिशन निपुण बिहार के तहत भारत सरकार के दिशा निर्देश के अनुरुप कक्षा एक में नए नामांकित छात्र छात्राओं के लिए तीन माह का विद्यालय तत्परता कार्यक्रम का संचालन सभी सरकारी विद्यालयों में किया जाएगा। 21 अप्रैल से 15 अगस्त के बीच कार्यक्रम कराने का निर्देश दिया गया है। ग्रीष्मावकाश, बाढ़ की आपदा या अन्य कारणों से कार्यक्रम पूरा नहीं किया जाता है तो इस चहक कार्यक्रम को 15 अगस्त से विस्तारित करते हुए सभी गतिविधियां कराने का निर्देश दिया गया है। चहक कार्यक्रम के संचालन को लेकर कैलेंडर जारी चहक कार्यक्रम के संचालन को लेकर कैलेंडर भी जारी किया गया है। इस दौरान प्रत्येक शनिवार को बच्चों

के मन से रोचक गतिविधियों की पुनरावृति कराई जाएगी। कार्यक्रम के पहले दिन बच्चों का स्वागत किया जाएगा। कैलेंडर के अनुसार बच्चों को गतिविधियों के माध्यम से पढ़ाई कराई जाएगी। ताकि बच्चों को विद्यालय आना रोचक लगे। जिसे लेकर 66 कार्य दिवस का पूरा कोर्स तैयार किया गया है। पत्र के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2022-23, 2023-24 व 2024-25 में चहक गतिविधियों का संचालन प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा किया गया था। चहक का परिणाम अच्छा रहा था। इसलिए इस वर्ष भी चहक कार्यक्रम संचालन करने का निर्णय लिया गया है। ताकि कक्षा में नामांकित बच्चे खेल-खेल में शिक्षा ग्रहण कर सकें। चहक कार्यक्रम का संचालन प्रशिक्षित शिक्षकों के माध्यम से कराया जाएगा। अभ्यास पुस्तिका कराई जा रही उपलब्ध बच्चों को खेल-खेल में अक्षर ज्ञान, रंगों का ज्ञान, साफ-सफाई के लिए जागरूकता व पशु-पक्षियों की पहचान का ज्ञान कराने के लिए चहक अभ्यास पुस्तिका का निर्माण किया गया है। इस अभ्यास पुस्तिका में विस्तृत पैमाने पर बच्चों को आस-पास की चीजों के बारे में जानकारी देने का तरीका बताया गया है। चहक कार्यक्रम को लेकर बिहार राज्य पाठ्य पुस्तक प्रकाशन के माध्यम से प्रखंड संसाधन केंद्रों को चहक अभ्यास पुस्तिका भी उपलब्ध कराई जा रही है। जिसके माध्यम से बच्चों को कक्षा में पठन-पाठन कराया जाएगा। अभ्यास पुस्तिका को 15 मई तक उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

आरा में दूसरी बार होगी डिजिटल कृष्ण लीला

निज संवाददाता। आरा

शहर में दूसरी बार श्रीकृष्ण की लीलाएं डिजिटल तकनीक से दिखाई जाएंगी। रमना मैदान में 20 अप्रैल से 7 दिन तक 'डिजिटल कृष्ण लीला' का आयोजन होगा। इसमें एलईडी स्क्रीन, होलोग्राफिक इफेक्ट, 3डी साउंड और लाइट शो के जरिए बाल लीलाओं से लेकर महाभारत युद्ध तक की झलकियां दिखाई जाएंगी। लीला के लिए घूम घूम कर लोगों को आमंत्रण दिया जा रहा है। आयोजन में मुरादाबाद की वैष्णवी कला मंच की मंडली प्रस्तुति देगी। कलाकार देशभर में धार्मिक आयोजनों में प्रस्तुति दे चुके हैं। आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रेम पंकज उर्फ ललन ने बताया कि आरा की पावन धरती पर दूसरी बार डिजिटल कृष्ण लीला का आयोजन हमारे लिए गर्व और आस्था का विषय है। हमारा उद्देश्य सिर्फ एक धार्मिक कार्यक्रम करना नहीं है, बल्कि इसे एक ऐसा अनुभव बनाना है, जो हर आयु वर्ग के लोगों विशेषकर युवाओं को भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, शिक्षाओं और हमारी सांस्कृतिक विरासत से गहराई से जोड़ सके। हम चाहते हैं कि यह आयोजन सिर्फ एक सप्ताह की बात न रहे, बल्कि लोगों के हृदय में श्रीकृष्ण की छवि और उनका संदेश सदा के लिए अंकित

हो जाए। हमारी टीम दिन-रात मेहनत कर रही है ताकि आयोजन का हर पहलू भव्य, सुरक्षित और यादगार हो। इसका उद्देश्य युवाओं को संस्कृति से जोड़ना है। तकनीक से जुड़ी पीढ़ी को श्रीकृष्ण की लीलाओं से जोड़ने का यह नया प्रयास है। आयोजन समिति में स्वागत अध्यक्ष आलोक अंजन, महासचिव आदित्य विजय जैन, कोषाध्यक्ष अरुण कुमार, उपाध्यक्ष विभु जैन शामिल हैं। संरक्षक मंडल में पद्मश्री भीम सिंह भवेश, समाजसेवी अजय सिंह, डॉ. विजय गुप्ता, राजेंद्र तिवारी, सोनू राय, मदन प्रसाद और अधिवक्ता दिलीप कुमार हैं।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. नाज की अल्पसंख्यक मंत्रालय में अस्थाई प्रतिनियुक्ति

भागलपुर। हज यात्रियों को चिकित्सा सुविधा देने को लेकर सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की डॉ. नाज बानो समेत बिहार के नौ डॉक्टरों की ड्यूटी मंत्रालय में लगी है। स्वास्थ्य विभाग के अपर सचिव डॉ. शंभू शरण ने जेएलएनएमसीएच के अधीक्षक समेत बिहार के छह जिलों के सीएस को पत्र लिखा है। इसमें संबंधित डॉक्टरों को उनकी तैनाती स्थल से विरमित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि हज यात्रियों को चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जेएलएनएमसीएच में तैनात डॉ. नाज बानो खान की अस्थाई प्रतिनियुक्ति अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार में की गई है।

फर्जी पुलिस बनकर वृद्धा से पौने चार लाख के जेवरात की ठगी

भागलपुर। फर्जी पुलिस बनकर एक वृद्ध महिला से तीन लाख 80 हजार रुपए के सोने के जेवरात की ठगी कर ली। महिला के पुत्र संजय अग्रवाल ने कोतवाली थाने में केस दर्ज कराया है। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा कि 16 अप्रैल की सुबह करीब आठ बजे मेरी मां शकुंतला देवी अपनी कॉलोनी वंशी निकेतन आरपी रोड पर गाड़ी से उतरकर पैदल घर जाने लगी। तभी मास्क लगाए हुए एक व्यक्ति ने आवाज दी, कहा हमलोग पुलिस हैं, इधर आइए। आपकी जांच करनी है, इतना सोना पहनकर कहां घूम रहे हैं, तबतक उसके साथ दो और युवक भी पहुंच गए। तीनों सादे लिवास में थे, इस दौरान उन तीन में से एक व्यक्ति को दूसरे ने डांट-फटकार कर सोने का जेवरात खोलवा लिया और एक सादे कागज में लपेट कर उसे दे दिया। उसे हिदायत दी कि घर जाकर खोलना, ऐसे बाजार में चलते हो छीन लेगा। यह देख महिला भी झांसे में आ गई और उन्होंने अपने दोनों हाथ का कंगन व गले में पहना सोने की चेन खोलकर दे दी। इस बीच फर्जी पुलिस बने युवक ने कागज में लपेट कर महिला को दे दिया, बोला कि घर जाकर खोलिएगा। महिला ने सामान को अपना जेवर समझकर रख लिया, घर जाकर देखा तो उसमें प्लास्टिक से बना हुआ जेवर जैसा सामान था। फिर कोतवाली थाने में केस दर्ज कराया।

मेडिकल छात्रों पर कार्रवाई के लिए कॉलेज काउंसिल की कल की बैठक में होगा फैसला

भागलपुर। मेडिकल कॉलेज में पीजी छात्रों व जूनियर रेजिडेंटों के बीच हुई मारपीट के मामले को लेकर शनिवार को कॉलेज काउंसिल की बैठक होगी। उसमें तय होगा कि इस तरह के उपद्रव करनेवालों के खिलाफ किस तरह की कार्रवाई की जाए। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एचपी दुबे ने कहा है कि सभी एचओडी की बैठक कल होगी। अस्पताल अधीक्षक डॉ. हेमशंकर शर्मा ने 24 घंटे के अंदर हॉस्टल से सभी छात्रों को अपना-अपना कमरा खाली करने का निर्देश जारी किया है। इसकी सूचना डीएम व कॉलेज के प्राचार्य को भी दी है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि अधीक्षक कार्यालय के सामने वाला इंटर्न हॉस्टल कंडम घोषित किया जा चुका है। यहां किसी को रूम आवंटित नहीं होता है। बावजूद इसके अवैध तरीके से यहां छात्र रहते हैं। वहीं घटना में सदर अस्पताल के एक डॉक्टर की भूमिका सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार आईसीयू में पीजी छात्र और जूनियर रेजिडेंट की ड्यूटी एक साथ रहती है। आईसीयू इंचार्ज डॉ. महेश कुमार से पीजी छात्रों ने बुधवार को शिकायत कर कहा कि जूनियर रेजिडेंट समय से ड्यूटी पर नहीं आते हैं। इसके चलते मरीजों के इलाज में परेशानी होती है। इस पर इंचार्ज ने सामान्य तरीके से कहा कि तुमलोग क्या नहीं सही से ड्यूटी करते हो। इस पर उन डॉक्टरों ने शिकायत करनेवाले का नाम पूछ लिया। नाम बताने के बाद पहले जूनियर रेजिडेंट ने कॉल कर पीजी छात्र को खूब भला-बुरा कहा। इसके बाद दोनों के बीच बहस हो गई और जूनियर रेजिडेंट अपने साथियों को लेकर पीजी हॉस्टल गए और मारपीट करने लगे। वे लोग बुधवार को नाइट ड्यूटी में रहे पीजी छात्र डॉ. सत्यम कुमार को खोज रहे थे, लेकिन उन्होंने भागकर जान बचा ली। सामने दूसरे छात्र विनित कुमार मिल गए तो उनलोगों ने उनकी पिटाई कर दी। इससे विनित का सिर फट गया।

अधिकारियों में सामंजस्य की कमी, बीच में ही रिसर्च काउंसिल की बैठक स्थगित

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय में प्रशासनिक स्तर पर सामंजस्य की कमी एक बार फिर सामने आई है। जिसकी वजह से पीजीआरसी (पोस्ट ग्रेजुएट रिसर्च काउंसिल) की 11 अप्रैल से चल रही बैठक को स्थगित करनी पड़ी है। पीजीआरसी की बैठक 17 अप्रैल तक चलनी थी। 15 अप्रैल को सोशल साइंस के अर्थशास्त्र, दर्शन शास्त्र आदि के शोधार्थी पीजीआरसी की बैठक में पीपीटी देने आए थे, तो उन्हें पता चला कि बैठक स्थगित कर दी गई है। वे बैरंग वापस लौट गए थे। परीक्षा विभाग की सूचना में बताया गया था कि सोशल साइंस संकाय के विभिन्न विषयों का पीपीटी प्रस्तुत करने की तिथि बाद में जारी की जाएगी। विश्वविद्यालय में पीजीआरसी में शोधार्थियों से पीपीटी मांगा गया था। इसे अवैधानिक बताते हुए शोधार्थी, शिक्षकों ने इसका दबे स्वर में विरोध भी किया था। बावजूद पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन लिया जा रहा था। मगर परीक्षा विभाग द्वारा सोशल साइंस के डीन को सूचना नहीं दिए जाने के कारण डीन उपस्थित नहीं हो पाए। नतीजतन इसे स्थगित करना पड़ा। अगर परीक्षा विभाग ने संकायाध्यक्ष से संपर्क किया होता तो उन्हें पता चल गया होता कि वह अवकाश पर हैं। जिससे उनकी उपलब्धता के अनुसार तिथि को आगे बढ़ाया जा सकता था। इस पूरे घटनाक्रम ने परीक्षा विभाग और अन्य प्रशासनिक इकाइयों के बीच गहरे संवादहीनता को उजागर कर दिया है। बिना संकायाध्यक्ष की मौजूदगी के पीजीआरसी की बैठक संभव नहीं थी। नतीजतन छात्रों के शोध पंजीकरण की प्रक्रिया रुक गई। विद्यार्थियों के हितों की अनदेखी और विवि प्रशासन की लापरवाही पर शिक्षकों, छात्रों और संगठनों में गहरा आक्रोश है। लोगों का कहना है कि विवि प्रशासन कब तक इस संवादहीनता और अराजकता को नजरअंदाज करता है। बता दें कि परीक्षा विभाग ने सभी विभागाध्यक्षों (डीआरसी चेयरपर्संस) को पत्र जारी कर पीजीआरसी में शोधार्थियों द्वारा पीपीटी प्रस्तुत करने की सूचना दी थी।

अब टीबी मरीजों के संपर्क में रहने वालों को वैक्सीन

मुंगेर। जिले में एक्टिव टीबी मरीजों के परिवार या संपर्क में रहने वाले 18 साल से ज्यादा उम्र के सभी लोगों को सिवाई-टीबी वैक्सीन दी जाएगी। इससे टीबी संक्रमण की पहचान की जाएगी। संक्रमण की पुष्टि होने पर मरीज को टीबी की दवा दी जाएगी। जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. ध्रुव कुमार शाह ने बताया कि सिवाई-टीबी वैक्सीन एक प्रकार की वैक्सीनेशन प्रक्रिया है। इससे यह पता चलता है कि व्यक्ति को टीबी का संक्रमण है या नहीं। वैक्सीन देने के 48 से 72 घंटे के भीतर संक्रमण के लक्षण सामने आ जाते हैं। संक्रमण की पुष्टि होने पर टीबी निवारक चिकित्सा के तहत दवा दी जाएगी। इस प्रक्रिया का उद्देश्य टीबी के प्रसार को रोकना है। टीबी मरीजों के संपर्क में रहने वाले लोगों में संक्रमण की संभावना अधिक होती है। इसलिए उन्हें पहले ही जांच कर दवा दी जाएगी। सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिन्हा ने बताया कि जिले को 2025 तक टीबी मुक्त बनाना है। इसके लिए जांच अभियान तेज किया गया है। टीबी की पुष्टि होने पर नियमित दवा लेने से रोग पूरी तरह ठीक हो जाता है। इलाज में लापरवाही या दवा छोड़ने से सामान्य टीबी एमडीआर और एक्सडीआर स्टेज में पहुंच जाती है। यह टीबी का खतरनाक रूप होता है। जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. ध्रुव कुमार शाह ने बताया कि टीबी की रोकथाम के लिए टीबी निवारक चिकित्सा यानी टीपीटी बेहद जरूरी है। यह दवा शरीर में टीबी के कीटाणु पनपने से पहले ही उन्हें खत्म कर देती है। जिन लोगों में टीबी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने के बाद लक्षण दिखते हैं, उन्हें यह दवा दी जाती है। इससे वे टीबी के रोगी बनने से पहले ही ठीक हो जाते हैं। टीपीटी दवा संक्रमण को फैलने से रोकती है और बीमारी की चपेट में आने से पहले ही कीटाणुओं को खत्म कर देती है।

भागलपुर में प्रमुख इलाकों में जगह-जगह कचरे का अंबार

खुले में फेंके हुए कचरे से आ रही दुर्गंध, लोगों को गंभीर बीमार का सता रहा डर

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर शहर के प्रमुख इलाकों में जगह-जगह कचरे का अंबार लगा हुआ है। मनाली चौक से एसएम कॉलेज तक सड़क किनारे पांच स्थानों पर खुले में कूड़ा फैला है, जिससे उठती बदबू ने लोगों का निकलना मुश्किल कर दिया है। इस मार्ग से रोज़ाना हजारों छात्र-छात्राएं कॉलेज और कोचिंग के लिए गुजरते हैं, लेकिन कचरे की दुर्गंध और गंदगी से सभी को परेशानी का सामना करना पड़ता है। लोग नाक पर रुमाल रखकर रास्ता पार करने को मजबूर हैं।

अस्पताल के पास भी पसरी गंदगीः मायागंज रोड की स्थिति भी बेहद चिंताजनक है। बरगाछी चौक से मायागंज अस्पताल तक तीन स्थानों पर कचरा फैला हुआ मिला। अस्पताल जैसे संवेदनशील इलाके में फैली यह गंदगी न सिर्फ स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल उठाती है बल्कि संक्रमण फैलने का खतरा भी बढ़ा रही है। खलीफाबाग चौक, स्टेशन रोड, तिलकामांझी चौक और अलीगंज रोड जैसे व्यस्त इलाकों में भी गंदगी की स्थिति चिंताजनक है। सड़कों के किनारे जमा कूड़े के ढेर से बदबू और मच्छरों का आतंक लोगों की दिनचर्या को प्रभावित कर रहा है।

नगर निगम की अनदेखी से लोग नाराजः शुक्रवार को दैनिक भास्कर की टीम ने जब इन इलाकों का जायजा लिया तो साफ-सफाई की स्थिति पूरी तरह लचर नजर आई। स्थानीय लोगों ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने बताया कि कई दिनों से कचरा उठाने कोई नहीं आया है।

भागलपुर में 10वीं की छात्रा ने किया सुसाइड

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के ततारपुर थाना क्षेत्र के काजीवलीचक मोहल्ले में गुरुवार की शाम 10वीं की छात्रा साक्षी ने फंदे से लटक आत्महत्या कर ली। साक्षी अशोक कुमार उर्फ गुड्डू की बेटी थी, जो इस समय बम कांड के आरोप में जेल में बंद हैं। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, साक्षी पढ़ाई में होनहार थी और हाल ही में 9वीं कक्षा उत्तीर्ण कर 10वीं में नामांकन लिया था। पड़ोसियों के मुताबिक ऐसी किसी भी परेशानी के बारे में किसी को जानकारी नहीं थी, जिससे ऐसा कदम उठाने का संदेह हो। घटना की जानकारी मिलते ही ततारपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव फंदे से उतारकर मामले की छानबीन में जुट गई है।

आत्महत्या कारण अभी साफ नहींः पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन PM रिपोर्ट आने के बाद ही क्लियर हो पाएगा। साक्षी की आत्महत्या का कारण फिलहाल साफ नहीं हो पाया है। मालूम हो कि साक्षी के पिता बम कांड मामले में जेल में बंद है। फिलहाल, पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

परिजनों ने ही मरीज को लगाया ऑक्सीजन

निज संवाददाता। भागलपुर

पूर्वी बिहार के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल मायागंज में बांका जिले के धौरैया थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल सुल्तान अंसारी (22) को परिजन इलाज के लिए मायागंज अस्पताल लेकर पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि इमरजेंसी वार्ड में तैनात नर्स ने गंभीर हालत में भी मरीज को नजर अंदाज कर दिया। दर्द से तड़प रहे युवक को ऑक्सीजन तक उपलब्ध नहीं कराया गया। परिजनों ने घायल युवक को करीब 10 मिनट तक तड़पता देख खुद ही उसे ऑक्सीजन लगाया, लेकिन नर्स चेंबर में बैठी रही। इसके बाद स्वास्थ्यकर्मी एक्टिव हुए।

चेहरे पर लगी थी चोटः बताया जा रहा है कि सुल्तान अंसारी बाइक से कुछ सामान लाने जा रहा था। इसी दौरान, सामने से आई बाइक ने जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे में उनके दाहिने कान और चेहरे पर गंभीर चोट लगी थी। परिजन आनन-फानन में घायल को मायागंज अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन लापरवाही ने इलाज में और देरी कर दी।

मायागंज अस्पताल में सीनियर-जूनियर छात्रों के बीच भिड़ंत, दो घायल, तनाव के बीच दर्जनों छात्र हिरासत में

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के मायागंज अस्पताल में गुरुवार को सीनियर और जूनियर मेडिकल छात्रों के बीच मामूली विवाद ने बड़ा रूप ले लिया। एक अपमानजनक टिप्पणी को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में तब्दील हो गया, जिसमें दोनों पक्षों के छात्र घायल हो गए। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में छात्र एकत्र हो गए। जानकारी के अनुसार, विवाद की शुरुआत उस समय हुई जब एक सीनियर छात्र ने जूनियर छात्र से आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए कहा, "यहां चाटने के लिए क्यों आए हो?" इस बात का विरोध करने पर सीनियर छात्र ने जूनियर छात्र को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद दोनों गुटों में बहस तेज हो गई और देखते ही देखते मामला हाथापाई में बदल गया। इस झड़प में एक जूनियर छात्र को सिर में गंभीर चोट लगी है, वहीं सीनियर छात्र को भी हल्की चोट आई है। हंगामे की सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए तत्काल बरारी थाने को सूचित किया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और तनावपूर्ण हालात को देखते हुए दर्जनों छात्रों को हिरासत में लेकर थाने ले आई। इस बीच, सीनियर और जूनियर छात्रों के दो गुट बड़ी संख्या में बरारी थाना गेट के बाहर जमा हो गए, जिससे स्थिति और संवेदनशील हो गई।

सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने

मौके पर एसएआरएफ तैनात की तैनाती

एसएआरएफ (स्पेशल ऑक्ज़िलरी फोर्स) की तैनाती की। महिला जवानों सहित कुल 30 से अधिक जवानों को बरारी थाना परिसर में कैंप कराया गया है। पुलिस ने परिसर की घेराबंदी करते हुए स्थिति पर नजर बनाए रखी है। घटना के संबंध में बरारी थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से शिकायतें दर्ज कराई जा रही हैं और काउंटर केस दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है।

स्वास्थ्य केंद्रों में लापरवाही पर डीएम की कार्रवाई अनियमितता पर दो प्रखंडों की स्वास्थ्य टीमों का वेतन रोका

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी ने स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया है। समाहरणालय स्थित समीक्षा भवन में बैठक के दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जगदीशपुर और गोराडीह प्रखंडों में आंतरिक संसाधनों के लिए आवंटित राशि का उपयोग नहीं करने पर दोनों स्वास्थ्य केंद्रों की पूरी टीम का वेतन रोक दिया गया है। वहीं, रंगरा चौक स्वास्थ्य केंद्र में रिकॉर्ड प्रविष्टियां नहीं करने पर अनुश्रवण एवं मूल्यांकन सहायक का वेतन भी स्थगित कर दिया गया। अधिकारियों द्वारा वाई-फाई खराब होने की दलील पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई।

प्रमुख योजनाओं की समीक्षा में कई आंकड़े सामने आः स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि भव्या पोर्टल पर जिले में 98% पंजीकरण की उपलब्धि दर्ज की गई है, कुल 58,515 प्रविष्टियां की गईं हैं जबकि ओपीडी रजिस्ट्रेशन की संख्या 62,651 रही। प्रसव पूर्व जांच में जिले की उपलब्धि 106% और परिवार नियोजन कार्यक्रम में 79% रही। आशा कार्यकर्ताओं के चयन के मामले में भी अपडेट दिया गया। पहले जहां 2,435 आशा कार्यकर्ताओं के चयन का लक्ष्य था, अब इसे बढ़ाकर 3,191 कर दिया गया है। जिलाधिकारी ने सभी प्रखंडों को चेतावनी दी है कि लापरवाही पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

गंगा में डूबा 19 साल का मजदूर, दोस्तों के साथ नहाने गया था, एसडीआरएफ की टीम तलाश में जुटी

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के डकरा पुल के पास गुरुवार को दोस्तों के साथ गंगा नहाने 19 साल का युवक गया। वो गंगा में नहाने के दौरान डूब गया। युवक को खोजने में एसडीआरफ और गोताखोर की टीम लगी हुई थी। गंगा में डूबने वाला युवक सफियाबाद थाना क्षेत्र के डकरा सतखजुरिया गांव निवासी विपिन मंडल का 19 साल का बेटा अंकज कुमार है। घटना के बाद परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल है। अंकज 3 भाई और एक बहन में सबसे बड़ा था। घटना के बाद गंभीर बिमारी से गुजर रहे पिता बिपिन मंडल, अंकज की मां गुंजा देवी सहित अन्य परिजन के सदमा में डूबे हुए हैं। घटना को लेकर परिजनों ने बताया कि अंकज चार दिन पहले प्रदेश से अपने गांव डकरा सतखजुरीया आया था। अंकज के पिता ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर बन रहा है, उसी को देखने के लिए आया था।

दोस्तों के साथ गया था गंगा में नहानेः अंकज के परिजनों ने बताया कि शुक्रवार को अंकज अपने तीन दोस्तों के साथ गंगा नहाने के लिए गया था। नहाने के क्रम में गंगा के थोड़ी दूर साफ पानी में स्नान करना चाह रहा था, तभी उसे गहराई का पता नहीं चल पाया और गहराई के कारण अचानक अधिक पानी में चला गया। जिसके बाद वह गंगा के पानी में बहने लगा। अंकज ने काफी बचने का प्रयास किया, लेकिन वह असफल रहा। दोस्तों ने बचाने के लिए शोर मचाया। लेकिन अधिक देरी होने के कारण वह गंगा के पानी में डूब गया। परिजनों को इस बात की जानकारी दी गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन सहित स्थानीय लोग गंगा घाट पर पहुंचे और प्रशासन को इसकी जानकारी दी गई। सूचना मिलती ही **पहुंची पुलिसः** सूचना पर सफियाबाद थाना के डायल-112 की पुलिस टीम पहुंची। तभी सदर एसडीओ को इसकी जानकारी दी गई। सदर एसडीओ शैलेंद्र कुमार ने गंगा में डूबे अंकज को खोजने के लिए मोटरबोट के साथ गोताखोर और एसडीआरफ टीम को भेजा। **अंकज के ऊपर थी घर की जिम्मेवारीः** परिजनों ने बताया कि पिता दिव्यांग के अलावा गंभीर बिमारी से गुजर रहे हैं। जिसके बाद अंकज ही अपने घरों का जिम्मेवारी लिए थे। दिल्ली में रहकर मजदूरी कर अपने घर की जिम्मेवारी उठाए हुए थे।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-04-25, दिनांक 11.04.2025; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरडी), पूर्व रेलवे, चौथी मंजिल, रेल यात्री निवास, हावड़ा स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा सं. ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-04-25 के तहत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम साथ में उसका स्थानः** पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल में 8-पहिया टावर वैगन (10 अदद) का दो वर्षों के लिए सम्पूर्ण रखरखाव। **कार्य की अनुमानित लागतः** रु. 3,03,81,636; **जमा की जाने वाली बयाना राशि/बोली सुरक्षाः** रु. 3,01,900; **निविदा प्रपत्र की कीमतः** शून्य। **कार्य समापन अवधिः** एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 24 (चौबीस) महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 08.05.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। **निविदा खोला जानाः** निविदा बंद होने के उपरांत किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदा के परिपूर्ण विवरण/ब्यौरा/विनिर्देश के लिए निविदादातागण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा करें। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा अगर कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है, तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।
(HWH-34/2025-26)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: एमसी_डब्ल्यूसी_एचवाईजीएनसीओएटी_आरएसपी_सीपी_25, दिनांक 15.04.2025; वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, पूर्व रेलवे, सियालदह, कमरा सं. 42, पहली मंजिल, डीआरएम बिल्डिंग, कैजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमता रखने वाले प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निर्धारित निविदा प्रपत्र पर "एकल पैकेट प्रणाली" में मुहरबंद खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम/विवरणः** (i) चितपुर डिपो आधारित कोचों के लिए नॉन एसी एलएचबी शौचालय में लोहे की सतह के साथ ठोस जुड़ाव के लिए 4 मिमी पीयू क्रेट फ्लोरिंग द्वारा फर्श पर हाइजिंग कोटिंग की आपूर्ति एवं प्रयोग करना। (ii) चितपुर डिपो आधारित कोचों के लिए एलएचबी कोचों (एसी एवं नॉन एसी दोनों) तथा पारम्परिक कोचों के शौचालय क्षेत्र में 2-3 मिमी हाई-बिल्ड फिसलन रोधी हेवी ड्यूटी फूड ग्रेड अग्नि रोधक इपोक्सी फ्लोरिंग की आपूर्ति एवं प्रयोग करना। **निविदा मूल्यः** रु. 46,21,824; **बोली सुरक्षाः** रु. 92,400; **अनुबंध की अवधिः** 06 महीने। **बोली शुरू होने की तारीखः** 24.04.2025; **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 08.05.2025 को अपराह्न 3.30 बजे। **निविदा खुलने की तारीख एवं समयः** 08.05.2025 को अपराह्न 3.30 बजे। निविदा दस्तावेज के साथ ई-निविदा सूचना एवं कार्य के लिए पात्रता के मानदंड **www.ireps.gov.in** (वेबसाइट यूआरएल) पर देखें एवं वहां से डाउनलोड किए जा सकते हैं। कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा।
(SDAH-20/2025-26)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं. 06_2025-26, दिनांक: 07.04.2025, मंडल अभियंता (IV), पूर्व रेलवे, चौथी मंजिल, रेल यात्री निवास, हावड़ा स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस अथवा अन्य किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ पंजीकृत सहित समतुल्य प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं अपेक्षित वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का विवरणः** डीईएन/4/हावड़ा के क्षेत्राधिकार के अधीन इनसीटू ग्लूड ज्वाइंटों की संरचना। **अनुमानित लागत :** रु. 56,67,986.39; **बयाना राशि :** रु. 1,13,400। **निविदा प्रपत्र की कीमतः** शून्य। **समापन अवधिः** स्वीकृति पत्र के जारी किए जाने की तारीख से 12 (बारह) महीने। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, ऑनलाइन निविदा अगले कार्यकारी दिवस को खोली जाएगी। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 29.04.2025 को अपराह्न 2.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। ई-निविदा से संबंधित बयाना राशि जमा (ईएमडी) तथा निविदा दस्तावेज की कीमत का भुगतान ऊपर उल्लेखित वेबसाइट के जरिए सिर्फ नेट बैंकिंग अथवा पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणीः** आईआरईपीएस (ई-टेंडर पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में फिक्स्ड डिपॉजिट रिसिप्ट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे।
(HWH-36/2025-26)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

सं. : ओ/एसी/टी/08 से 09/25-26 (ओपन), दिनांक 16.04.2025; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **क्रमांक 1, केस सं.:** ओ-एसी-टी-08-25-26; **कार्य का नामः** आसनसोल मंडल - एक्सईएन/बीआरएल/आसनसोल के अधीन पुल सं. 31, 95, 119, 120, 124, 124/ए, 14, 27, 28, 34, 48, 78, 120 (देवघर-दुमका), 123, 5ई, 5डब्ल्यू, 509 डाउन/II, 57 एवं 34 डाउन इत्यादि पर साइड पाथवे के प्रावधान के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्यः** रु. 2,40,05,773.26। **बयाना राशिः** रु. 2,70,000; **कार्य हेतु समापन अवधिः** 12 महीने। **क्रमांक 2, केस सं.:** ओ-एसी-टी-09-25-26; **कार्य का नामः** सीनि. डीईएन/1/आसनसोल के अधीन एईएन/एचक्यू/आसनसोल के क्षेत्राधिकार में आसनसोल के ऑफिसर्स कॉलोनी की अनन्या बिल्डिंग में 04 (चार) अदद अतिरिक्त ऑफिसर्स रेस्ट रूमों के सृजन, अनन्या बिल्डिंग के पीछे की ओर नई प्रवेश सड़क के साथ कार पार्किंग क्षेत्र के प्रावधान तथा अन्य आनुषंगिक कार्यों के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्यः** रु. 65,10,137.76; **बयाना राशिः** रु. 1,30,200; **कार्य हेतु समापन अवधिः** 06 महीने। **बंद होने की तारीख एवं समयः** दोनों के लिए 14.05.2025 को दोपहर 12.00 बजे। परिपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
(ASN-21/2025-26)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/(सामान्य), पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, रिमोट कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, कैजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **क्रमांक 1, निविदा सं. ईएलईजी-ओटी-1213-2025-26, कार्य का विवरणः** बालीगंज : बालीगंज स्टेशन में यात्री केंद्रित सुविधाओं के प्रावधान हेतु प्रस्ताव। **निविदा मूल्यः** रु. 56,42,725; **बयाना राशिः** रु. 1,12,900; **समापन अवधिः** 08 महीने। **क्रमांक 2, निविदा सं. ईएलईजी-ओटी-1214-2025-26, कार्य का विवरणः** लिफ्ट कार्य - सियालदह मंडल : मुर्शिदाबाद स्टेशन में 01 अदद लिफ्ट का प्रावधान। **निविदा मूल्यः** रु. 14,99,450; **बयाना राशिः** रु. 30,000; **समापन अवधिः** 09 महीने। **क्रमांक 3, निविदा सं. ईएलईजी-ओटी-1215-2025-26, कार्य का विवरणः** सियालदह मंडल के लिए विद्युत आपूर्ति व्यवस्था का कार्य : मुर्शिदाबाद स्टेशन में 01 अदद लिफ्ट का प्रावधान। **निविदा मूल्यः** रु. 3,09,990; **बयाना राशिः** रु. 6,200; **समापन अवधिः** 09 महीने। **निविदा दस्तावेज की कीमतः** प्रत्येक के लिए शून्य। **निविदा प्रकाशन की तारीखः** प्रत्येक के लिए 17.04.2025। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** प्रत्येक के लिए 09.05.2025 को अपराह्न 2.00 बजे; **निविदा बोली खुलने की तारीख एवं समयः** प्रत्येक के लिए 09.05.2025 को अपराह्न 2.00 बजे। **निविदा बोली शुरू होने की तारीखः** प्रत्येक के लिए 25.04.2025; निविदा सूचना का विवरण एवं समय-समय पर जारी संशोधनी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।
(SDAH-22/2025-26)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

एसपी ने किया मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

उत्कृष्ट कार्य के लिए कई पुलिस अधिकारियों को किया गया सम्मानित

- अपराध, विधि-व्यवस्था पुलिस द्वारा किये जा रहें कार्यों के संबंध में की गई विस्तृत परिचर्चा

निज संवाददाता | गोड्डा

पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी की अध्यक्षता में शुक्रवार को मासिक अपराध गोष्ठी सह सम्मान समारोह का आयोजन पुलिस कार्यालय सभागार में किया गया। इस बैठक में जिले के सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), प्रशिक्षु पुलिस पदाधिकारी, पुलिस निरीक्षक, थाना प्रभारी, शाखा प्रभारी समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिले में विधि-व्यवस्था की स्थिति, अपराध की स्थिति, पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई, लंबित मामलों का निष्पादन और आगामी त्योहारों के मद्देनजर सुरक्षा तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में हाल के दिनों में बच्चा चोरी की फैली अफवाहों को देखते हुए पुलिसकर्मी हाट-बाजारों में जाकर ग्रामीणों को जागरूक करें ताकि किसी भी प्रकार की अफवाह से जनजीवन प्रभावित न हो। इसके साथ ही मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं पर विशेष सतर्कता बरतते हुए गिरोह के सदस्यों पर निगरानी रखने और उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने को कहा गया। उन्होंने निर्देश दिया कि अवैध मादक पदार्थों जैसे शराब, कौरेक्स, गांजा आदि के अवैध कारोबार पर पूरी सख्ती से नकेल कसते हुए अड्डों पर छापेमारी करें और इसमें संलिप्त लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। डायन प्रथा, मानव तस्करी और बच्चा चोरी जैसी सामाजिक बुराइयों को लेकर जनजागरूकता अभियान चलाने का निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि समाज में व्याप्त इन कुरीतियों को समाप्त करने के लिए पुलिस की भागीदारी बेहद जरूरी है। इसके अलावा उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि वाहन दुर्घटनाओं और चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए स्थान बदल-बदलकर नियमित वाहन जांच अभियान चलाएं और संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाएं। साथ ही, बैंक, एटीएम, ज्वेलरी शॉप और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था की समय-समय पर समीक्षा करें ताकि किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को टाला जा सके। बैठक में लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन पर जोर देते हुए एसपी ने कहा कि सभी थाना प्रभारियों को लक्ष्य निर्धारित किया गया है और यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी मामलों का निष्पादन समय पर किया जाए।

साथ ही सीसीटीएनएस पोर्टल पर सभी सूचनाओं की समय पर प्रविष्टि करने का निर्देश भी दिया गया ताकि तकनीकी रूप से किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी थाना स्तर पर गुरुवार को थाना दिवस का आयोजन नियमित रूप से किया जाए और इस दिन आम जनता से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को सुना जाए। इसके माध्यम से पुलिस-पब्लिक के बीच विश्वास की भावना मजबूत होगी। उन्होंने अवैध खनन पर लगाम लगाने के लिए खनन विभाग, अंचल कार्यालय और अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर विधिसम्मत कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। सभी पुलिस निरीक्षकों को अनुसंधानकर्ताओं के साथ मिलकर लंबित मामलों की समीक्षा कर त्वरित निष्पादन के दिशा-निर्देश दिए गए। वहीं, चरित्र सत्यापन, पासपोर्ट सत्यापन, पुलिस हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों और आवेदनों की शीघ्रता से जांच कर निपटारे के लिए भी निर्देश जारी किए गए। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को सम्पत्ति संबंधी अपराधों पर निगरानी रखने और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया। गुंडा पंजी में अपराधियों का नाम नियमानुसार दर्ज किया जाए और उनके खिलाफ सर्विलांस प्रक्रिया अपनाते हुए निगरानी रखी जाए। वहीं, अवैध रूप से पेट्रोल, डीजल और एसिड की बिक्री करने वालों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की सूचना मिलते ही पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। डायल 112 के माध्यम से प्राप्त सूचनाओं पर तत्परता से कार्रवाई कर संबंधित प्रतिवेदन तत्काल सीसीआर और डायल 112 कार्यालय को भेजने के निर्देश भी एसपी ने दिए। बैठक के अंत में उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को सम्मानित किया और उनके योगदान की सराहना की। साथ ही, पुलिस अधीक्षक ने पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों की समस्याओं को सुना और उनके शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस मासिक बैठक के माध्यम से एक ओर जहां जिले की सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए, वहीं पुलिस बल के मनोबल को बढ़ाने के लिए सम्मान समारोह जैसे आयोजन से एक सकारात्मक माहौल का सृजन हुआ।

पुराने भवन का छत गिरने से एक किशोर की मौत, दो लोग गंभीर रूप से घायल

प्राथमिक इलाज के बाद भेजे गए हायर सेंटर, रांची

निज संवाददाता | गोड्डा

मोतिया ओपी थाना क्षेत्र अंतर्गत रमला संथाली टोला में शुक्रवार की सुबह एक दर्दनाक हादसे में एक किशोर की जान चली गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना उस वक्त हुई जब गांव के कुछ बच्चे एक पुराने सभा भवन के पास खेल रहे थे और अचानक उसका पक्का छज्जा भरभरा कर गिर गया। छज्जे का मलवा बच्चों पर गिरा, जिससे 14 वर्षीय अमीन मुर्मू की मौके पर ही मौत हो गई। अमीन, रमला संथाली टोला निवासी जितन मुर्मू का पुत्र था। इस दुर्घटना में घायल हुए किशोर सोरेन और मार्शल बेसरा को ग्रामीणों ने तत्काल गोड्डा सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका प्राथमिक इलाज किया गया। हालात गंभीर होने के कारण ऑन ड्यूटी चिकित्सकों ने दोनों को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर, रांची रेफर करने की सलाह दी। हालांकि, आदिवासी परिवार से ताल्लुक रखने वाले इन किशोरों के परिजन आर्थिक स्थिति और संसाधनों की कमी के कारण उन्हें तत्काल बाहर ले जाने की स्थिति में नहीं थे, जिससे एक असहाय और उहापोह की स्थिति उत्पन्न हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय विधायक अमित यादव के पुत्र रजनीश यादव अपने समर्थकों के साथ अस्पताल पहुंचे और घायलों के परिजनों से बातचीत कर उन्हें रांची भेजने की व्यवस्था की। उन्होंने एंबुलेंस की सुविधा सहित अन्य जरूरी सहायता मुहैया करवाई और घायलों को हायर सेंटर के लिए रवाना किया गया। बताया गया कि घायल बच्चों की स्थिति बेहद नाजुक थी, लेकिन रांची पहुंचकर इलाज शुरू हो गया है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए अमीन मुर्मू के चचेरे भाई बाबूजी मुर्मू ने बताया कि सुबह करीब सात से आठ बच्चे गांव के सभा स्थल परिसर में खेल रहे थे। उसी दौरान छज्जा अचानक गिर गया, जिसकी चपेट में सभी बच्चे आ गए। अमीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य बच्चे किसी तरह बच गए या उन्हें हल्की चोटें आई हैं।

यह सभा स्थल एक पक्का ढांचा था, परंतु ग्रामीण यह स्पष्ट नहीं कर पाए कि वह सरकारी निर्माण था या निजी। इस कारण यह सवाल अब उठने लगे हैं कि क्या यह निर्माण अनुपयुक्त या जर्जर स्थिति में था, और यदि ऐसा था, तो इसकी समय रहते मरम्मत क्यों नहीं करवाई गई? इस हादसे के बाद गांव में शोक और गुस्से का माहौल है। ग्रामीणों ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रशासन का ध्यान इस ओर खींचा, जिसके बाद मामला तेजी से सुर्खियों में आया और जिला प्रशासन हरकत में आया। अब तक इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है कि यह भवन किस विभाग या व्यक्ति के अधीन है, जिससे जांच में भी बाधा आ रही है। सवाल उठ रहा है कि क्या समय रहते यदि भवन की स्थिति पर नजर रखी जाती तो इस मासूम की जान बचाई जा सकती थी? इस बीच, मंत्री पुत्र रजनीश यादव द्वारा अस्पताल पहुंचकर जो तत्परता दिखाई गई, उसकी सराहना भी की जा रही है। उन्होंने न सिर्फ घायलों को मदद पहुंचाई बल्कि यह भी आश्वस्त किया कि रांची में भी बेहतर इलाज के लिए हर संभव व्यवस्था की जाएगी। यह घटना एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में जर्जर भवनों की अनदेखी और प्रशासनिक सुस्ती को उजागर करती है। साथ ही यह भी सवाल उठाती है कि ऐसे पुराने और खतरनाक ढांचों की पहचान कर उन्हें ध्वस्त या मरम्मत कराने की दिशा में गंभीर पहल कब होगी ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। अब उम्मीद की जा रही है कि जिला प्रशासन इस मामले की गहन जांच कर दोषियों को चिह्नित करेगा और पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलाने की दिशा में ठोस कदम उठाएगा।

वज्रपात से चार मवेशियों की मौत, मुआवजे की मांग

निज संवाददाता | सुंदरपहाड़ी (गोड्डा)

प्रखंड क्षेत्र के तिलयपाड़ा गांव में गुरुवार को वज्रपात की चपेट में आकर चार मवेशियों की दर्दनाक मौत हो गई, जिससे ग्रामीणों खासकर पशुपालकों में भारी आक्रोश और शोक का माहौल है। मृत मवेशियों में कुछ स्थानीय पशुपालक देवीलाल सोरेन के थे, जबकि अन्य मवेशी गांव के अन्य किसानों के बताए जा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, रोजाना की तरह गुरुवार की सुबह भी ग्रामीण पशुपालकों ने अपने मवेशियों को चरने के लिए खुले में छोड़ा था। लेकिन दोपहर होते-होते मौसम ने अचानक करवट ली और तेज आंधी, बारिश के साथ जोरदार मेघ गर्जन शुरू हो गई। इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरने से चार मवेशी मौके पर ही दम तोड़ बैठे। घटना की सूचना जैसे ही गांव में फैली, आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और मृत मवेशियों को देखकर सभी स्तब्ध रह गए। मवेशियों की मौत से सबसे ज्यादा प्रभावित पशुपालक देवीलाल सोरेन सहित अन्य प्रभावित किसान बेहद भावुक हो उठे। उन्होंने बताया कि वर्षों से वे लोग पशुपालन कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं और इन मवेशियों से ही उन्हें आर्थिक सहायता मिलती थी।

मवेशियों की अचानक हुई मौत से उन्हें भारी नुकसान हुआ है, जिससे उबरना उनके लिए आसान नहीं है। पशुपालकों ने जिला प्रशासन से अविलंब मुआवजे की मांग की है ताकि इस आर्थिक क्षति की कुछ भरपाई हो सके। इस घटना पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रेमनंदन मंडल ने भी संज्ञान लिया है। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मिलकर ढांढस बंधाया और आश्वासन दिया कि वे इस मामले को जिला प्रशासन तक पहुंचाएंगे और पशुपालकों को उचित मुआवजा दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इस बीच, ग्रामीणों ने प्रशासन से यह भी मांग की है कि आपदा राहत कोष से त्वरित सहायता दी जाए और भविष्य में इस प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाया जाए। वहीं, स्थानीय प्रशासन द्वारा अब तक मुआवजे को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन ग्रामीणों को उम्मीद है कि जल्द ही राहत प्रदान की जाएगी।

श्रीमद्भागवत कथा का किया गया आयोजन

बोआरीजोर (नि.सं.)। राजमहल कोल परियोजना के पुनर्वास स्थल लौहंडिया के श्री राधा माधव मंदिर प्रांगण में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया। कथा वाचक वृंदावन धाम से आई साध्वी अनिता ने कहा कि दुराचारी को अंत करने के लिए भगवान हर युग में जन्म लेते हैं। उन्होंने भक्त प्रहलाद के चरित्र के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। भगवान ने हिरण कश्यप के अत्याचार को समाप्त करने के लिए जन्म लेकर दुराचारी का वध किया। हिरण कश्यप अहंकार में डूबा हुआ था, भगवान नरसिंह अवतार लिये थे। हिरण कश्यप का पुत्र प्रहलाद था, जो भगवान विष्णु का अत्यंत भक्त था। अपने पुत्र को मारने के लिए हिरण कश्यप ने कई बार कोशिश की, लेकिन भगवान ने अपने भक्त को हमेशा बचाया। भक्त को भगवान हमेशा मदद करते हैं। मनुष्य को ईश्वर की आराधना करनी चाहिए इसी से जीवन सफल हो सकता है। भगवान के आराधना से ही मोक्ष की प्राप्ति होती है।

अधिकार के प्रति जबावदेह रहने की जरुररत : डालसा

निज संवाददाता | गोड्डा

समाज में विधिक जागरूकता फैलाने और नागरिकों को उनके अधिकारों तथा कर्तव्यों के प्रति सजग करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) के तत्वावधान में सदर प्रखंड के रामपुर सड़क टोला में गुड फ्राइडे के अवसर पर एक महत्वपूर्ण विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा डालसा के अध्यक्ष रमेश कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और महिला समूहों की सदस्याएं उपस्थित रहीं। शिविर में शामिल डालसा टीम के अधिकार मित्र नवीन कुमार, जायसवाल मांझी, बासुदेव और मणीनंदन कुमार ने ग्रामीणों को सरल भाषा में उनके संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय संविधान सभी नागरिकों को समान अधिकार देता है, चाहे वे किसी भी वर्ग, जाति या धर्म से क्यों न हों। न्याय पाने का अधिकार प्रत्येक नागरिक का मूलभूत अधिकार है और आर्थिक रूप से कमजोर अथवा वंचित वर्ग को न्याय सुलभ कराने के लिए ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की स्थापना की गई है। डालसा की मदद से कोई भी व्यक्ति मुफ्त में कानूनी सहायता प्राप्त कर सकता है। कार्यक्रम के दौरान यह भी बताया गया कि सभी धार्मिक पर्व और त्योहार समाज में शांति, एकता और भाईचारे का संदेश देते हैं। इन पर्वों का मूल उद्देश्य है कि लोग एक-दूसरे के अधिकारों का सम्मान करें और सद्भाव के साथ जीवन बिताएं। ऐसे में समाज को तोड़ने या आपसी सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वाले तत्वों से सावधान रहने की जरूरत है। किसी के बहकावे में आकर आपसी विश्वास और समर्पण की भावना को नष्ट करना न केवल समाज के लिए घातक है, बल्कि यह कानूनन अपराध भी है। डालसा टीम ने यह भी जोर दिया कि केवल अधिकार जानना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि हर नागरिक का यह दायित्व भी है कि वह अपने कर्तव्यों के प्रति उत्तरदायी रहे। मौजूदा सामाजिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में कर्तव्य निर्वहन सबसे बड़ी चुनौती बनता जा रहा है, इसलिए हर व्यक्ति को समाज के प्रति अपनी भूमिका को गंभीरता से समझने की जरूरत है। शिविर में महिलाओं को बाल विवाह, बाल श्रम, शिक्षा का अधिकार, महिला सशक्तिकरण और घरेलू हिंसा जैसे विषयों पर भी जागरूक किया गया। इसके साथ ही सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई, जिनमें विशेष रूप से फॉस्टर केयर और स्पॉन्सरशिप योजना पर विस्तृत चर्चा हुई। बताया गया कि इन योजनाओं का उद्देश्य समाज के उन बच्चों तक सहायता पहुंचाना है जो अनाथ हैं या अभिभावकों से वंचित हैं। इन योजनाओं के तहत उन्हें देखभाल, सुरक्षा और बेहतर जीवन जीने के अवसर प्रदान किए जाते हैं। इस जागरूकता शिविर ने ग्रामीण समुदाय के बीच न केवल कानूनी जानकारी का प्रसार किया, बल्कि उन्हें यह भी सिखाया कि वे अपने अधिकारों की रक्षा कैसे करें और समाज के प्रति अपने दायित्वों को कैसे निभाएं।

असंतुलित होकर घर में जा घुसी कार, छह लोग घायल

निज संवाददाता | बोआरीजोर

थाना क्षेत्र अंतर्गत मिर्जाचौकी-बोआरीजोर मुख्य मार्ग पर शुक्रवार देर शाम उस समय अफरातफरी मच गई, जब एक तेज रफ्तार कार असंतुलित होकर सड़क किनारे एक घर में जा घुसी। हादसा श्रीपुर बाजार के समीप हुआ, जहां जेएच 04 एसी 4585 नंबर की कार अनियंत्रित होकर विजय साह के घर के बरामदे में घुस गई। इस दुर्घटना में बरामदे पर बैठे छह लोग कार की सीधी टक्कर से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के वक्त घर के लोग बरामदे में बैठकर एक पारिवारिक शादी समारोह की तैयारियों पर चर्चा कर रहे थे। तभी तेज गति से आ रही कार अनियंत्रित हो गई और सीधे बरामदे में जा घुसी, जिससे अफरा-तफरी मच गई। घायलों में 11 वर्षीय आदर्श कुमार गुप्ता (ग्राम तुलाराम भुस्का, मेहरमा), 17 वर्षीय कन्हाई साह (ग्राम बाखरपुर), 22 वर्षीय विष्णु साह (ग्राम श्रीपुर बाजार), 17 वर्षीय प्रिंस कुमार (ग्राम श्रीपुर बाजार), 50 वर्षीय वीणा देवी और 7 वर्षीय राहुल कुमार शामिल हैं। इनमें से चार की स्थिति गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। थाना प्रभारी ध्रुव कुमार ने बताया कि कार चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिससे यह हादसा हुआ। पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद देर रात श्रीपुर बाजार और बोआरीजोर थाना परिसर में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण जुट गए। लोगों ने दुर्घटना को लेकर भारी नाराजगी जताई और सड़क पर हंगामा शुरू कर दिया। स्थिति को देखते हुए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। बाद में ग्रामीणों और दोनों पक्षों के बीच समझौता कराकर मामला शांत किया गया। इस हादसे ने न केवल घायलों के परिवारों को सदमे में डाल दिया है, बल्कि पूरे इलाके में सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता भी बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मुख्य मार्ग पर गति सीमा तय करने और ट्रैफिक नियंत्रण की व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को टाला जा सके।

नारायणपुर सेम्पट्टी गांव की सड़क बदतर, ग्रामीण परेशान

गोड्डा (नि. सं.)। महागामा प्रखंड के अंतर्गत रामकोल पंचायत के नारायणपुर सेम्पट्टी गांव में सड़क की हालत बद से बदतर हो गई है। गांव की मुख्य सड़क पर जगह-जगह जलजमाव हो गया है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी कठिनाई हो रही है। गांव की यह सड़क कीचड़ और गंदे पानी से भर चुकी है। बारिश के बाद हालात और भी खराब हो गए हैं, जिससे न सिर्फ पैदल चलने वाले लोग, बल्कि बाइक और साइकिल सवार भी इस रास्ते से गुजरने में डरते हैं। बच्चों और बुजुर्गों को स्कूल, अस्पताल या बाजार तक पहुंचने में बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

अज्ञात महिला के शव की हुई शिनाख्त

निज संवाददाता | गोड्डा

जिले के बंसतराय थाना क्षेत्र अंतर्गत अमरपुर कैथिया बहियार में एक अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई थी। अब इस महिला की पहचान हो चुकी है। मृतका की पहचान रूही खातून (उम्र करीब 25 वर्ष) के रूप में हुई है, जो बिहार के धोरैया थाना क्षेत्र के रविडीह गांव की रहने वाली थी। रूही के पिता हारून राशिद ने बताया कि उनकी बेटी का एक युवक से प्रेम संबंध था और ईद के दो दिन बाद वह उस युवक के साथ घर से भाग गई थी। परिवार वालों ने उसे काफी खोजा, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। जब गुरुवार को मीडिया और पुलिस से उन्हें कैथिया बहियार में एक महिला का शव मिलने की जानकारी मिली, तो उन्होंने फोटो और विवरणों के आधार पर उसकी पहचान रूही खातून के रूप में की। पिता ने पुलिस को यह भी जानकारी दी है कि युवती जिसके साथ भागी थी, वह झारखंड के महागामा थाना क्षेत्र के किसी गांव का निवासी है।

फिलहाल पुलिस युवक की तलाश कर रही है और मामले की हर पहलु से गंभीरता से जांच की जा रही है। गौरतलब है कि जब शव बरामद हुआ था, तब भी पुलिस को यह संदेह था कि यह एक हत्या का मामला है। शव की स्थिति को देखकर प्रारंभिक रूप से ऐसा प्रतीत हो रहा था कि महिला की हत्या कर शव को सुनसान खेतों में फेंक दिया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गोड्डा सदर अस्पताल भेज दिया था और स्थानीय लोगों से भी जानकारी जुटाने की कोशिश की थी, मगर उस समय पहचान नहीं हो सकी थी। अब जब शिनाख्त हो चुकी है और प्रेम प्रसंग का एंगल भी सामने आ चुका है, तो पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेते हुए हत्या और साजिश की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। फिलहाल कई संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है, और मोबाइल कॉल डिटेल, लोकेशन हिस्ट्री जैसे डिजिटल सबूतों को भी खंगाला जा रहा है।

बजरंग दल के ग्रामीण इकाई का हुआ गठन

निज संवाददाता | गोड्डा

प्रखंड अंतर्गत सीमावर्ती क्षेत्र योगीवीर, हनुमतपुरी पहाड़ पर बजरंग दल की एक अहम बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें संगठन के विस्तार को लेकर रणनीतिक चर्चाएं की गईं। इस बैठक में बजरंग दल की बाराहाट ग्रामीण इकाई का गठन किया गया, जिससे संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। बैठक की अध्यक्षता बजरंग दल के जिला संयोजक मुनिलाल कुमार ने की। उन्होंने संगठन की गरिमा और उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं को संगठित कर सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को सशक्त करना अत्यंत आवश्यक है। इस क्रम में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें रचित लाला को अध्यक्ष, राहुल कुमार को संयोजक, राजा सिंह राजपूत को महामंत्री तथा राजा कुमार यादव को सत्संग प्रमुख के रूप में चुना गया। नई टीम के गठन पर संगठन के सदस्यों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। जिला संयोजक मुनिलाल कुमार ने सभी नवगठित पदाधिकारियों को संगठनात्मक कार्यों को मजबूती से आगे बढ़ाने और युवाओं को जोड़ने की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सदस्यों को कई अहम दिशा-निर्देश भी दिए, ताकि संगठन की कार्यप्रणाली में अनुशासन और प्रभावशीलता बनी रहे। इस मौके पर संगठन के कई सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें निखिल गुप्ता, रामू सिंह राजपूत, सचिन यादव, साहिल सिंह, रॉकी गुप्ता, अंकित राजपूत और देवाशीष शुक्ला प्रमुख रूप से शामिल थे। सभी ने नई कार्यकारिणी के गठन का स्वागत करते हुए संगठन के उद्देश्यों को आगे ले जाने की प्रतिबद्धता जाहिर की। बैठक का समापन संगठन की एकता, मजबूती और सेवा भावना के संकल्प के साथ किया गया। बजरंग दल की यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक जागरूकता, सांस्कृतिक उत्थान और युवा शक्ति को संगठित करने की दिशा में एक सार्थक कदम मानी जा रही है।

महिला की गुमशुदगी को लेकर प्राथमिकी दर्ज

रानीश्वर (दुमका) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के पाथरा पंचायत अंतर्गत बड़ाकमती गांव में एक शादीशुदा महिला का गुमशुदगी का मामला प्रकाश में आया है। दरअसल बड़ा कामती गांव के उत्तम बाउड़ी के द्वितीय पुत्री शिला बाउड़ी का सादी 2020 में पश्चिम बंगाल के गणेशपुर में हुआ था, 14 तारीख को वह अपने माइके रानीश्वर प्रखंड के बड़ा कामती गांव में एक पुजा के सिलसिले में आयी थी, 15 तारीख को लगभग 11 बजे से शिला का कोई आता पता नहीं मिल रहा था खबर सुनकर उनका पति चरण वाउड़ी बड़ा कामती गांव पहुंचकर रानीश्वर थाना प्रभारी बलराम सिंह को आवेदन देकर अपने पत्नी की गुमशुदगी का केस दर्ज किया है। सुचना के अनुसार शिला आपने पति को कल किसी अनजान नम्बर से फोन किया और लगभग एक मिनट तक बातचीत किया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि इस पर संज्ञान में लिया गया है, छानबीन शुरू कर दिया गया है।

बंगाल में हिंदुओं पर हो रही बर्बरता के खिलाफ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने ममता बनर्जी का फूंका पुतला

शिकायतों को सीधे सरकार तक पहुंचा सकेंगे , शिकायतों को नजरअंदाज करने पर होगी उचित कार्रवाई

निज संवाददाता | दुमका

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद दुमका इकाई द्वारा पश्चिम बंगाल में हिंदुओं के साथ हो रही बर्बरता को लेकर शुक्रवार को बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का पुतला दहन किया गया। अवसर पर नगर मंत्री अभिषेक गुप्ता ने कहा कि बंगाल जल रहा हैं और वहा की ममता बनर्जी की तानाशाही सरकार कट्टरपंथियों की हमदर्द बनी बैठी हैं। आप समझ सकते हैं कि बंगाल की क्या दुर्दशा हो रही हैं। जिस तरह मुर्शिदाबाद में हिंदुओं के घर दुकान मंदिर सब तोड़ फोड़ करके जला दिया गया, हिंदुओं की हत्या हो जाती हैं, उक्त घटना की जितनी भी भर्त्सना की जाएं कम होगी। जिस तरह वक्फ कानून की आड़ में कट्टर जिहादी मानसिकता वाले लोग जिस तरह से दंगा करते हैं, उससे साफ है कि इसमें बंगाल सरकार की मौन सहमति है। इससे साफ़ पता चलता हैं कट्टरपंथियों की योजना क्या थी, वो बंगाल को बांग्लादेश बनाने की राह में ले जाना चाहते हैं परन्तु ममता बनर्जी को कोई मतलब नहीं हैं। हिंदू मारे जाएं या बचे इससे ममता सरकार को कोई सरोकार नहीं है।

वहां कानून व्यवस्था फेल हो चुकी है। अभाविप केंद्र सरकार से बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की माँग करता हैं। जिला कार्यकारिणी पंकज यादव ने कहा कि ममता बनर्जी की सरकार शुरू से ही हिंदू विरोधी रही है और अभी वक्फ कानून की आड़ में फिर हिन्दुओं को आग में झोंकने में लगी है और महिलाओं और बच्चियों के साथ दुर्व्यवहार कर हिंदुओं को पलायन होने पर मजबूर कर रही है। जिला कार्यकारिणी सदस्य, रॉकी कुमार पाल, ने कहा कि पश्चिम बंगाल में आज जो हो रहा है उसे सुन और देखकर हमारे आंखों में आंसू और खून के उबाल आ रहे हैं, परंतु फिर भी ममता बनर्जी पत्थर सा हृदय बनाकर पत्थर फेंकने वालों का ही साथ दे रही है। खुलेआम हमारी बहन बेटियों की इज्जत लूटी जा रही है और कहीं मासूम को उनके ही घर से निकाला जा रहा है फिर भी पत्थर से बनी सूर्पनखा की अवतार ममता बनर्जी चुप है। हमारी भारत सरकार से बस यही मांग है कि जल्द से जल्द पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू हो। मौके पर मुख्य रूप से विभाग संगठन मंत्री हिमांशु दुबे, नगर मंत्री अभिषेक गुप्ता, कॉलेज अध्यक्ष अमन शाह, विवेक धर, प्रिंस कुमार, अर्नब गोस्वामी, ऋतुराज रजक, प्रिंस सिन्हा, सुदीप कुमार, पंकज यादव, सुमित यादव, नवल कुमार, राजकिशोर, हीरालाल, रॉकी कुमार पाल,विकास कुमार, अमन सेन, गौतम कुमार, दिलीप कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

विचार-मंथन

संपादकीय

यूपीआई से भुगतान में कुछ जोखिम और चुनौतियां

करीब एक दशक पहले किसी ने सोचा नहीं था कि यूपीआइ से लेनदेन की नई प्रणाली उनकी जिंदगी बदल देगी। बहुत सारे लोगों के लिए धन हस्तांतरण से लेकर बिजली-पानी के बिलों को भरना और कहीं भी कुछ भी खरीदारी करना आसान हो गया। अब एक तरह से लोगों की जेब में बैंक है, जिसके जरिए वे कभी भी डिजिटल लेन-देन कर सकते हैं। मगर यूपीआइ से भुगतान में कुछ जोखिम और चुनौतियां भी हैं, जिनका निवारण अभी तक नहीं किया जा सका है। कई तरह की ठगी, खाते से पैसे उड़ा लिए जाने जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। मगर इसके अलावा लेन-देन में विफलता आम समस्या है जो आमतौर पर नेटवर्क की दिक्कत या 'सर्वर डाउन' हो जाने से पैदा होती है। हैरत की बात है कि पिछले कुछ समय से यूपीआइ के जरिए लेन-देन में अड़चन की स्थिति बार-बार आने के बावजूद उसे दूर करने के ठोस प्रयास नहीं हो रहे हैं। यह विचित्र विरोधाभास है कि एक ओर नागरिकों को डिजिटल भुगतान के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, तो दूसरी ओर उन्हें तकनीकी खराबी का सामना करना पड़ रहा है। पिछले पंद्रह दिनों में तीसरी बार शनिवार सुबह जो दिक्कत शुरू हुई, वह दोपहर तक जारी रही। इस बीच सैकड़ों लोगों ने इसकी शिकायत की। सवाल है कि अगर बार-बार व्यवधान होगा, तो लोग डिजिटल लेन-देन को कैसे सुविधाजनक और सुरक्षित मानेंगे। यह सच है कि यूपीआइ ने भारत में भुगतान परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है। देश-दुनिया के किसी हिस्से में बैठा भारतीय अब यूपीआइ के जरिए लेन-देन करने लगा है। बड़ी संख्या में एक वर्ग डिजिटल भुगतान में दक्ष हो गया है। मगर इस क्रम में साइबर जोखिम के साथ जो तकनीकी दिक्कतें सामने आ रही हैं, यह चिंता का विषय है। इससे उनका डिजिटल लेनदेन से विश्वास टूटेगा। उनमें ऐसी आशंका भी पैदा होंगी कि उनका भेजा पैसा कहीं अटक न जाए। ऐसे में लोग पारंपरिक भुगतान को फिर से प्राथमिकता देने लगेंगे। लगातार उन्नत हो रही तकनीक के बावजूद अगर डिजिटल लेन-देन में विफलता सामने आती है, तो जाहिर है कि इसमें कोई तकनीकी कमी है। ऐसे में डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे नागरिकों के कदम ठिठक सकते हैं।

प्रत्यर्पण की मुश्किलें

पंजाब नैशनल बैंक के साथ 13,500 करोड़ रुपये का लोन घोटाला करने के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी की बेल्जियम में गिरफ्तारी भारत के बढ़ते वैश्विक दबदबे का सबूत है। मुंबई आतंकी हमले के गुनहगार तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के बाद हाल में यह दूसरी बड़ी सफलता मिली है। हालांकि राणा की तरह चोकसी को भारत लाने की राह इतनी आसान नहीं होगी। मेहुल और उसके भांजे नीरव मोदी ने भारतीय बैंकिंग सिस्टम की खामियों और अंदर तक फैले भ्रष्टाचार का फायदा उठाकर इतना बड़ा घोटाला किया और जब तक इसका पता चलता, सुरक्षा एजेंसियां उन तक पहुंचतीं, दोनों देश छोड़कर भाग चुके थे। जनवरी 2018 में उनके फरार होने से लेकर अभी तक -7 साल और करीब 4 महीने के दरम्यान दोनों को लेकर अलग-अलग खबरें आती रहीं। इस दौरान प्रत्यर्पण के कई प्रयास हुए, और अब भी चल रहे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिली है। मेहुल और उसके वकीलों ने अभी तक अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों का अपने हिसाब से खूब दुरुपयोग किया है। मई 2021 में जब वह डोमिनिका में गिरफ्तार हुआ, तब भारतीय एजेसियां उसे वापस लाने के बिल्कुल करीब पहुंच गई थीं। लेकिन, उस समय भी उसने कानूनी पेचीदगियों का फायदा उठाया। तब उसकी तरफ से कहा गया था कि वह एंटीगुआ का नागरिक है और चूंकि एंटीगुआ व भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि नहीं है, इसलिए उसे नई दिल्ली के हवाले नहीं किया जा सकता। उसका यह भी आरोप था कि भारतीय एजेंसियों के इशारे पर उसे एंटीगुआ से अगवा करके डोमिनिका लाया गया। इन्हीं पेच ने उसे बचा लिया था। बेल्जियम के साथ भारत की प्रत्यर्पण संधि है, लेकिन डोमिनिका में जो हुआ, वह एक बार फिर भारत के सामने मुश्किलें खड़ी कर सकता है। तब चोकसी के आरोपों ने भारत के पक्ष को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कमजोर किया था। यहां तक कि बाद में इंटरपोल ने अपना रेड कॉर्नर नोटिस भी वापस ले लिया था। प्रत्यर्पण को लेकर यूरोपीय देशों का रवैया बेहद सख्त है। जब तक उन्हें तसल्ली न हो जाए कि आरोपी को निष्पक्ष सुनवाई का मौका मिलेगा(

वक्फ कानून के खिलाफ भड़काई गई सुनियोजित हिंसा से यदि नहीं चेते तो अंजाम और भी बुरे होंगे!

(कमलेश पांडे)

हैरत की बात है कि कभी ये लोग दलित-मुस्लिम समीकरण तैयार करवाते हैं तो कभी मुस्लिम-ओबीसी समीकरण को फंडिंग करवाते हैं। वहीं इसी की आड़ में अभिजात्य मुसलमान विदेशों से हवाला के जरिए फंडिंग लेकर देश में पाकिस्तान-बांग्लादेश के ही नहीं बल्कि अरब देशों के हमदर्द पैदा करते हैं। वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ पश्चिम बंगाल में भड़काई गई सुनियोजित हिंसा से यदि हमारा प्रशासन समय रहते ही नहीं चेता तो आने वाले दिनों में अंजाम और भी बुरे होंगे, इतिहास इसी बात की चुगली कर रहा है! यह नसीहत क्रूर वक्त हमें बार-बार दे रहा है, लेकिन हमलोग ऐसे घिसे पिटे आदर्शवादी हैं कि उसे समझने के लिए तैयार ही नहीं हैं। इसलिए आज मैं इतिहास की अंगड़ाई में सुलगते हुए वर्तमान के कुछ कटु सत्य को उद्घाटित कर रहा हूँ ताकि हमारे राजनेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों की कुम्भकर्णी निंद्रा टूटे और वो विधि-व्यवस्था के लिहाज से अपने मौलिक कर्तव्य न भूलें। इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत एक शांतिप्रिय देश रहा है, लेकिन पहले मुस्लिम आक्रान्ताओं ने और फिर ब्रिटिश नौकरशाहों ने अपने-अपने प्रशासनिक स्वार्थ की प्रतिपूर्ति के लिए ऐसी-ऐसी अव्यवहारिक नीतियों को क़ानूनी अमली जामा पहनाया, जिससे हिन्दू समाज जाति और क्षेत्र के नाम पर बिखर गया और कभी मुस्लिम अधिकारी तो कभी ईसाई अधिकारी और उनके पिट्ठू लोग हिन्दुओं पर हावी होते चले गए। इसी कड़ी में सांप्रदायिक, जातीय और क्षेत्रीय हिंसा को अघोषित प्रशासनिक एजेंडे के तौर पर बढ़ावा दिया गया। इसके अलावा, कभी प्रशासनिक उदासीनता तो कभी पक्षपाती दृष्टिकोण अपनाते हुए संगठित अपराध को बढ़ावा दिया गया, जिससे विधि व्यवस्था की स्थिति दिन-प्रतिदिन बिगड़ती चली गई। इसी स्थिति से निजात पाने के लिए देश में आजादी की लड़ाई तेज हुई और साम्पदायिक विभाजन तक की नौबत आई। इस दौरान हिन्दू-मुस्लिम दंगे भी खूब हुए। लेकिन भारत के गाँधी-नेहरु जैसे अव्यवहारिक आदर्शवादी राजनेताओं ने आजाद भारत में हालत

> *मुर्शिदाबाद में सांप्रदायिक झड़पों के मद्देनजर केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव और डीजीपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर स्थिति का आकलन किया। इसके साथ ही स्थिति को नियंत्रित करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों की रूपरेखा तैयार की। दरअसल डीजीपी ने केन्द्रीय गृह सचिव को जानकारी देते हुए कहा कि स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है और स्थानीय स्तर पर तैनात बीएसएफ कर्मियों की मदद ली जा रही है।*

बदलने के उलट उन्हीं घिसे-पिटे कानूनों को भारतीयों पर थोप दिया, जो आज तक अशांति का सबब बन चुकी हैं। पहले कांग्रेसियों, फिर समाजवादियों और अब राष्ट्रवादियों ने ढोंगी धर्मनिरपेक्षता की तो खूब बातें कीं, लेकिन अपने कुत्सित जातीय, क्षेत्रीय और सांप्रदायिक एजेंडे से आगे की कभी नहीं सोच पाए। मसलन, बहुमत की आड़ में शांतिप्रिय सत्ता परिवर्तन भी सुनिश्चित हुआ, लेकिन विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका, खबरपालिका और समाजपालिका से जुड़े लोग मुगलिया और ब्रितानी प्रशासनिक लापरवाहियों से कोई सबक नहीं सीख पाए। सबों ने उस 'निर्जीव भारतीय संविधान' का महिमा मंडन किया और कर रहे हैं जिसने पदासीन लोगों को वेतन-भत्ते-पेंशन और देशवासियों से लूट-खसोट की तो गारंटी दी, लेकिन आमलोगों के सुख-शांति में खलल डालने वालों के खिलाफ कभी सख्ती नहीं दिखाई। इस नजरिए से संसद और विधान मंडलों ने प्रभावकारी कानून नहीं बनाए और न ही न्यायपालिका ने इस प्रशासनिक प्रवृति पर कभी सवाल उठाए। हद तो यह कि न्याय के नाम पर मामलों को वर्षों तक लटकाने वाली न्यायपालिका, नेताओं के इशारों पर उलटे-सीधे कार्य करने की अभ्यस्त हो चली कार्यपालिका और नेताओं-कारोबारियों की अघोषित सांठगांठ से जहाँ सत्ताधारी जमात मौज में रहता आया है, वहीं आम आदमी सुपोषण योग्य भोजन, अच्छी शिक्षा और चिकित्सा सुविधा, जन-सुरक्षा के लिए मोहताज है। एक ओर देश के अमनपसंद आमलोग जहाँ रोटी, कपड़ा और मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सम्मान की प्राप्ति के लिए आरक्षण को अचूक हथियार समझ बैठे हैं, वहीं दूसरी ओर 1947 में पाकिस्तान और 1972 में बंगलादेश लेने वालों के वंशज ब्रेक के बाद भारतीय भूभाग पर सांप्रदायिक तांडव मचा रहे हैं और नेताओं की नीतिगत लापरवाहियों से हमारा सिविल और पुलिस प्रशासन असहाय बना रहता है। हैरत की बात है कि कभी ये लोग दलित-मुस्लिम समीकरण तैयार करवाते हैं तो कभी मुस्लिम-ओबीसी समीकरण को फंडिंग करवाते हैं। वहीं इसी की आड़ में अभिजात्य मुसलमान विदेशों से हवाला के जरिए फंडिंग लेकर देश में पाकिस्तान-बांग्लादेश के ही नहीं बल्कि अरब देशों के हमदर्द पैदा करते हैं। इनकी नापाक मंशा जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल और केरल जैसे हालत पूरे देश में पैदा करने की है, जिसकी झलक गाहे-बगाहे दिखाते रहते हैं। यदि गुलाम भारत से लेकर आजाद भारत तक के ब्रेक के बाद होने वाले सांप्रदायिक दंगों की बात छोड़ भी दी जाए तो अयोध्या रामजन्म भूमि आंदोलन, फिर सीएए और अब वक्फ कानून की आड़ में पाकिस्तानी खुफ़िया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर या फिर चीन-अमेरिका-इंग्लैंड से शह प्राप्त अन्य मुस्लिम देशों के इशारे पर भारत में जो अशांति फैलाते हैं, इसका ताजातरीन उदाहरण पश्चिम बंगाल का मुर्शिदाबाद इलाका है, जो इन दिनों इस्लामिक उत्पात से जल रहा है। दरअसल वक्फ कानून में संशोधन के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में जो हिंसा भड़क उठी है, उससे केंद्र सरकार ने अन्य राज्यों में भी ऐसी घटनाओं की आशंका जताई है। इसके दृष्टिगत वह लगातार सतर्कता बरत रही है। यह बात दीगर है कि अभी तक अन्य राज्यों से किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है। केंद्र सरकार के मुताबिक, वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की अधिसूचना के मद्देनजर अभी तक अन्य राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों से किसी भी सांप्रदायिक स्थिति की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। हालांकि, केंद्रीय गृह मंत्रालय कोई जोखिम नहीं उठा रहा है। केंद्र बंगाल के साथ-साथ अन्य राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है, जहां वक्फ कानून विरोधी प्रदर्शनों की खबरें आई हैं। इसका उद्देश्य सांप्रदायिक हिंसा को बढ़ावा देने वाले किसी भी कारक की पहचान करना और संबंधित राज्य सरकारों से संपर्क करना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें शुरू में ही समाप्त कर दिया जाए। बताया जाता है कि यदि राज्यों से मांग की जाती है, तो उन्हें बिना किसी देरी के केंद्रीय बल मुहैया कराए जाएंगे, ताकि ऐसी सांप्रदायिक हिंसा को रोका जा सके। इसी उद्देश्य से मुर्शिदाबाद में भी, पश्चिम बंगाल के डीजीपी राजीव कुमार ने हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा किया और अदालत के निर्देश पर पर्याप्त केंद्रीय बलों की तैनाती की गई, जिससे सांप्रदायिक झड़पों पर लगाम लगी।

तेजस्वी-राहुल मुलाकात में भी नहीं बनी बात, महागठबंधन में पेंच अभी फंसा हुआ है!

(संतोष कुमार पाठक)

बिहार में कांग्रेस नेताओं की हालत इतनी दयनीय हो गई थी कि हाल ही में राहुल गांधी और मल्किकार्जुन खरगे के साथ दिल्ली में हुई बैठक में कई नेताओं ने यह शिकायत भी की कि आरजेडी के नेता कांग्रेस नेताओं को सम्मान नहीं देते हैं। बिहार की राजनीति में 90 के दशक में लालू यादव के ताकतवर होने के साथ ही कांग्रेस समेत अन्य कई राजनीतिक दलों के बुरे दिन शुरू हो गए थे। बीजेपी के समर्थन से सरकार चला रहे लालू यादव ने वर्ष 1990 में लालकृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार करा कर सबको चौंका दिया था। उस समय आडवाणी को जिस अधिकारी (आरके सिंह) ने गिरफ्तार किया था, उन्हें नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार में केंद्रीय मंत्री भी बनाया था। वहीं सरकार को बनाए रखने के लिए लालू यादव ने अनगिनत बार कम्युनिस्ट पार्टी के विधायकों को तोड़ने का काम किया। कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल को तो लालू यादव ने बिहार में अपनी बी टीम बनाकर छोड़ दिया था। लालू यादव सीधे कांग्रेस आलाकमान से डील किया करते थे और बिहार कांग्रेस के नेताओं को हमेशा लालू यादव से डर कर रहना पड़ता था। बिहार में कांग्रेस नेताओं की हालत इतनी दयनीय हो गई थी कि हाल ही में राहुल गांधी और मल्किकार्जुन खरगे के साथ दिल्ली में हुई बैठक में कई नेताओं ने यह शिकायत भी की कि आरजेडी के नेता कांग्रेस नेताओं को सम्मान नहीं देते हैं। उस समय राहुल गांधी ने कहा था कि सम्मान मांगने से नहीं मिलता, बल्कि सम्मान हासिल करना पड़ता है। लेकिन राहुल गांधी के मिशन बिहार से काफी कुछ बदलता हुआ नजर आ रहा है। बिहार के लगातार दौरे पर जाकर राहुल गांधी ने राज्य की राजनीति को समझने का प्रयास किया। अपने करीबी नेता कृष्णा अल्लावरु को बिहार कांग्रेस का प्रभारी बनाकर भेजा। लालू यादव के करीबी माने जाने वाले अखिलेश प्रसाद सिंह को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर एक दलित नेता राजेश राम को प्रदेश अध्यक्ष बनाया। लालू यादव और तेजस्वी यादव की नाराजगी के बावजूद कन्हैया कुमार को 'पलायन रोको, नौकरी दो' यात्रा का चेहरा बनकर बिहार की सड़कों पर उतरने का मौका दिया। आने वाले दिनों में लालू यादव और तेजस्वी यादव की नाराजगी के बावजूद पप्पू यादव को भी बड़ी भूमिका देने की खबरें निकल कर सामने आ रही है। कांग्रेस के आक्रामक तेवरों को देखते हुए लालू यादव काफी हद तक असहज हो गए। उन्होंने अपने बेटे तेजस्वी यादव (जिन्हें वे पहले ही मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर चुके हैं) को पटना में 17 अप्रैल को होने वाली महागठबंधन की बैठक से पहले ही राहुल गांधी के साथ सब कुछ तय करने के लिए आनन-फानन में दिल्ली भेजा। मंगलवार को तेजस्वी यादव ने कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर राहुल गांधी के साथ बैठक की। लेकिन राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव को कांग्रेस की अहमियत बताने के लिए इसको एक बड़ी बैठक बना दिया। इस बैठक में कांग्रेस की तरफ से राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के अलावा राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और गुरदीप सिंह सप्पल भी मौजूद रहे। वहीं तेजस्वी यादव अपने साथ पार्टी के राज्यसभा सांसद मनोज झा और संजय यादव को लेकर गए थे। लेकिन तेजस्वी यादव की यह दिल्ली यात्रा उनके लिए उतनी लाभदायक नहीं रही, जितनी वह उम्मीद कर रहे थे। कांग्रेस ने आरजेडी के ऑफर (यानी 50 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने) को सिरे से नकार दिया और पिछली बार की तरह 70 सीटों की मांग रख दी। इतना ही नहीं कांग्रेस की तरफ से यह भी कहा गया कि पिछली बार की तरह कांग्रेस कमजोर और हारने वाली सीटों को स्वीकार नहीं करेगी। सीट को लेकर विस्तार से चर्चा पटना की बैठक में होगी। वहीं मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर भी कांग्रेस ने फिलहाल अपने पत्ते खोलने से साफ इनकार कर दिया है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5705

8		3		1	6			
	9	1					6	
2	6	4						
			4	6			7	2
	7			3			5	
4	3			5	2			
						1	8	5
	8					7	4	
			1	7		2		3

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5704

8	3	6	9	5	7	1	2	4
2	7	1	3	8	4	9	6	5
5	9	4	1	2	6	8	7	3
3	2	7	4	6	1	5	9	8
9	1	8	5	7	3	6	4	2
6	4	5	2	9	8	7	3	1
7	6	2	8	4	5	3	1	9
1	8	9	7	3	2	4	5	6
4	5	3	6	1	9	2	8	7

वर्ग पहेली 5705

1	2		3	■	4		■
5		■	6	7		■	8
	■	9				10	
11	12		■		■	13	
14		■	15		■		■
16		17	■	18	19		■
■	20		21	■		■	■
22		■	23			■	24

संकेत: बाएं से दाएं

1. दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश की जल सेना में करीब 45 प्रतिशत डाल्फिन है जो समुद्र के अंदर तैराकों का पता लगाती है (4)
4. पीड़ा, शोक, दुख (2)
5. आग की लपट, ज्वाला, अंगारा (5)
6. ग्रीष्म अनुभूति, उष्णता, घाम (3)
9. सनातन धर्म का अनुयायी, पुराणपंथी, पुरातनपंथी (5)
11. कुंअर, अविवाहित पुरूष (3)
13. मुझे (मुझे)(4)
14. सुस्वाद व्यंजन (2)
15. वाराणसी का यह प्राचीन नाम है (2)
16. प्रवाह, बहाव, तीक्ष्णता (3)
18. रिश्तें में कुछ होना, अनुभूति होना (3)
20. भेड़ या बकरी का बच्चा (2)
22. जो बोल न सकता हो, गूंगा (2)
23. बसंतकाल, यह वैजयंती माला की डेब्यू फिल्म थी नायक थे करण दीवान (3)
24. वस्तु की उपस्थिति का दर्शाता एक वचन रूप (1)

ऊपर से नीचे

1. पुरानी फिल्मों के दिवंगत सितारे जिनका मूल नाम कुमुदकुमार गांगुली था (6)
2. उत्सव (2)
3. तकली से सूत निकालना (3)
4. चेहरा, मुखड़ा, मुंह (3)
7. अवनति शील, अवरोही, प्रपतित (5)
8. लज्जावान, शर्माऊ, संकोची (3)
9. महाशय, जनाब, श्रीमान (2)
10. अनिष्ट करने की चेतावनी देना (4)
12. भारी बोझा ढोने वाला, मालवाही, गुड्स कॅरियर (5)
17. इस वृक्ष की छाल औषधि बनाने में प्रयुक्त की जाती है (2)
19. उपद्रव, बलवा, दंगा-फसाद (3)
21. रदपट, अधर, ओंठ, ओष्ठ (2)

वर्ग पहेली 5704 का हल

वु	ल	र	झी	ल	■	सौ	■
ड	ल	■	ल	ह	र	दा	र
क	क	ड़ी	■	क	■	प	द
ट	■	■	ता	ना	■	ट	■
र	म	क	ना	■	स	ना	थ
■	स	■	शा	र	दा	■	ल
सा	ल	■	ह	ज	■	मा	च
दा	न	व	■	नी	लो	फ	र

आज का राशिफल

मेष
आज आज कार्यस्थल पर कुछ चुनौतियां आपका इंतजार कर रही हैं, खासकर यदि आप किसी साझेदारी में काम कर रहे हैं। मतभेद बढ़ सकते हैं, लेकिन स्थिति को गंभीर बनने से पहले हल करना आपके हित में रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को अपनी योग्यता सिद्ध करने के मौके मिल सकते हैं। किसी पुराने क्लाइंट या कनेक्शन से लाभ की संभावना है। वाहन या उपकरणों से जुड़ी सावधानी बरतें।

वृष
आज दिन आत्मविश्वास और ऊर्जा से भरपूर रहेगा। कार्यस्थल पर आपकी काम करने के तरीके और निर्णय क्षमता लोगों को प्रभावित करेगी। अगर आप सरकारी क्षेत्र में हैं तो कोई सम्मान या मान्यता प्राप्त हो सकती है। सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा, जिससे अटके हुए कार्य भी समय से पूरे हो सकते हैं। हालांकि दोपहर के समय कुछ असहमति उत्पन्न हो सकती है।

कर्क
आज कार्यक्षेत्र में स्थायित्व रहेगा। कुछ नए कॉन्ट्रैक्ट या प्रॉजेक्ट्स के ऑफर मिल सकते हैं। ससुराल पक्ष से मान-सम्मान और कुछ आर्थिक लाभ की संभावना है। बिजनस में लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट के लिए दिन अनुकूल है। लेकिन खर्चों पर कंट्रोल बनाए रखें, वरना बजट गड़बड़ा सकता है। किसी सीनियर की सलाह आपके लिए वरदान साबित होगी।

सिंह
आज दिन इनोवेटिव विचारों से भरा रहेगा। टेक्नॉलजी, आईटी या साइंस के क्षेत्र से जुड़े लोगों को नई खोज या प्रॉजेक्ट में सफलता मिल सकती है। फाइनेंस या शेयर बाजार में निवेश सोच-समझकर करें। पारिवारिक विश्वासघात की संभावना है, अतः गोपनीय बातों को साझा करने से बचें। ऑफिस में राजनीति से दूर रहें। शाम को कोई नई यात्रा की योजना बन सकती है।

मिथुन
आज भाग्य का पूरा साथ देगा। जिस कार्य को लेकर आप आश्वस्त नहीं थे, उसमें अचानक सफलता मिलने की संभावना है। प्रमोशन या बोनस जैसी खुशखबरी मिल सकती है। यदि आप नौकरी की तलाश में हैं तो अच्छा अवसर सामने आ सकता है।

कन्या
आज दिन लंबे समय से रुके किसी विवाद के समाधान का है। नौकरीपेशा लोग बॉस से तारीफ और सपॉर्ट की उम्मीद कर सकते हैं। व्यापार में किसी पुराने ग्राहक से फिर से संपर्क बनेगा, जिससे लाभ मिलेगा। यदि आप फ्रीलांसिंग करते हैं, तो आज कोई बड़ा ऑर्डर या कॉन्ट्रैक्ट मिल सकता है।

तुला
आज व्यापार में अनचाहे खर्चे परेशान कर सकते हैं। यदि आप आयात-निर्यात या मार्केटिंग से जुड़े हैं, तो खर्चों का लेखा-जोखा संभालकर रखें। कार्यस्थल पर उम्मीद के अनुसार परिणाम न मिलने पर तनाव हो सकता है, लेकिन मेहनत रंग लाएगी। यदि आप नौकरी में हैं तो किसी उच्चाधिकारी की सलाह या समर्थन मिल सकता है। प्राइवेट जॉब वालों को नई जिम्मेदारियां दी जा सकती हैं।

वृश्चिक
आज दिन दिन थोड़ी मानसिक उथल-पुथल के साथ शुरू हो सकता है। कार्यक्षेत्र में कुछ लोगों से मतभेद हो सकते हैं, खासकर यदि आप किसी टीम में काम कर रहे हैं। लेकिन दोपहर के बाद चीजें बेहतर होंगी। क्रिएटिव क्षेत्रों से जुड़े लोग अपनी प्रतिभा से दूसरों को प्रभावित करेंगे। विदेश से जुड़ी कोई डील या ईमेल आ सकती है। सीनियर्स से संवाद में सावधानी रखें और अहंकार से बचें।

मकर
आज दिन करियर के लिए शुभ है। नई योजनाओं और निवेश के लिए अनुकूल समय है। नौकरी बदलने का विचार कर रहे लोगों के लिए सुनहरा मौका बन सकता है। बिजनस में पार्टनरशिप या एक्सपेंशन की योजनाओं पर कार्य करें। बॉस या ऊपरी अधिकारी से मिलने का समय शुभ रहेगा। आपके विचारों को महत्व मिलेगा। स्टार्टअप से जुड़े लोग फंडिंग के लिए प्रयास करें, संभावना बन रही है।

कुंभ
आज विद्या और ज्ञान में वृद्धि होगी। यदि आप किसी शिक्षक, रिसर्चर या अकादमिक क्षेत्र से जुड़े हैं तो सफलता आपके कदम चूमेगी। धर्म-कर्म से जुड़ी गतिविधियां भी करियर में सकारात्मकता लाएंगी। फ्रीलांस या क्रिएटिव पेशों से जुड़े लोगों को बड़ा क्लाइंट मिल सकता है। पैसों की स्थिति मजबूत होगी लेकिन अपच और गैस से परेशानी हो सकती है। खानपान का ध्यान रखें और बाहर का न खाएं।

धनु
आज भाग्य साथ देगा और आपके अंदर नई ऊर्जा का संचार होगा। कार्यक्षेत्र में आत्मविश्वास के साथ लिए गए निर्णय लाभदायक सिद्ध होंगे। कोई पुराना लंबित प्रॉजेक्ट फिर से शुरू हो सकता है, जिससे आर्थिक लाभ की संभावना बन रही है। व्यापार में किसी पुराने संपर्क से पुनः सहयोग मिलेगा। यदि आप पढ़ाई या प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं।

मीन
आज संयम और धैर्य की सबसे ज्यादा जरूरत है। व्यवसाय में नई शुरुआत या बड़ा निवेश न करें। कार्यक्षेत्र में विरोधियों की गतिविधियों पर नजर रखें। किसी भी नए प्रॉजेक्ट को शुरू करने से पहले दो बार सोचें। शाम के बाद स्थितियां थोड़ी बेहतर होंगी और आपको शत्रु पक्ष पर विजय मिलने की संभावना है। लॉ, पॉलिटिक्स या प्रशासन से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

ट्रक से टकराई बारात से लौट रही कार एक की मौत, पांच गंभीर रूप से घायल

निज संवाददाता | गिरिडीह

जिले के हीरोडीह थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने एक खुशहाल परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। घटना जमुआ-खोरिमहुआ मुख्य मार्ग के बलेडीह इलाके में उस वक्त हुई जब बारात से लौट रही एक तेज रफ्तार कार ने अपने आगे चल रहे ट्रक में जबरदस्त टक्कर मार दी। इस हादसे में कार सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसी परिवार के पांच अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक, सभी लोग एक बारात में शामिल होकर गिरिडीह जिले के धनवार से जमुआ स्थित अपने घर लौट रहे थे। तभी बलेडीह मोड़ के पास अचानक कार का संतुलन बिगड़ गया और वह आगे चल रहे ट्रक के पिछले हिस्से में जोरदार टक्कर मार बैठी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के दोनों एयरबैग खुल गए, लेकिन इसके बावजूद टक्कर के प्रभाव से कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। मृतक की पहचान जमुआ प्रखंड के पैठंडी गांव निवासी नरेश यादव के रूप में हुई है। वह कार में सवार परिवार के अन्य सदस्यों के साथ बारात में शामिल होने गए थे। दुर्घटना में घायल हुए लोगों की पहचान विकास यादव, रविरंजन यादव, संदीप यादव, मुकेश यादव और अरविंद यादव के रूप में की गई है। सभी का संबंध एक ही परिवार से है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कार की गति काफी तेज थी और वह अनियंत्रित होकर ट्रक में जा घुसी, जिससे यह हादसा हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही हीरोडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। वहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर लिया है और घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। इस दुर्घटना ने न सिर्फ एक जीवन को लील लिया, बल्कि एक ही परिवार के पांच अन्य सदस्यों को अस्पताल पहुंचा दिया। विवाह समारोह से लौटते वक्त हुआ यह हादसा पूरे इलाके में शोक का विषय बन गया है। गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है और परिजन गहरे सदमे में हैं। स्थानीय लोग हादसे से स्तब्ध हैं और सड़कों पर वाहनों की तेज रफ्तार पर चिंता जाहिर कर रहे हैं। यह हादसा एक बार फिर यह सोचने को मजबूर करता है कि सड़क सुरक्षा और वाहन नियंत्रण को लेकर लापरवाही कैसे एक पल में किसी परिवार की खुशियों को तबाह कर सकती है।

लोडर की चपेट में आने से मजदूर की मौत

निज संवाददाता | पाकुड़

जिले के मालपहाड़ी स्थित रेलवे साइडिंग पर शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें 50 वर्षीय मजदूर मिस्त्री मुर्मू की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब वह मालगाड़ी में गिट्टी को समतल कर रहा था और इसी दौरान लोडर मशीन की चपेट में आ गया। मृतक मिस्त्री मुर्मू छोटा मोहलान गांव का निवासी था और अपनी रोजी-रोटी के लिए यहां काम करता था। घटना की सूचना फैलते ही स्थानीय लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर जमा हो गए। मौके पर मालपहाड़ी पंचायत के पूर्व मुखिया मंगल हांसदा और पोचाथोल पंचायत के मुखिया पीटर मरांडी भी पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। बताया जा रहा है कि जिस लोडर की चपेट में आकर मिस्त्री मुर्मू की जान गई, वह सुंदर दास कंपनी का था। हादसे के तुरंत बाद आरपीएफ के एएसआई और मालपहाड़ी ओपी की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मालपहाड़ी ओपी के एएसआई गुरुदेव प्रसाद यादव ने जानकारी दी कि मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है और घटना में शामिल लोडर मशीन को जब्त करने की प्रक्रिया चल रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह हादसा लापरवाही की वजह से हुआ या किसी तकनीकी खामी की वजह से। इस घटना ने एक बार फिर मालपहाड़ी पत्थर औद्योगिक क्षेत्र में हो रहे कार्यों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां अक्सर सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जाती है और बिना किसी स्पष्ट निगरानी के काम कराया जाता है, जिसके कारण इस तरह की दुर्घटनाएं होती रहती हैं। मिस्त्री मुर्मू की मौत के बाद इलाके में शोक और आक्रोश दोनों का माहौल है। मृतक के परिजन घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गए और बेहद दुखी नजर आए। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि घटना की निष्पक्ष जांच की जाए, दोषियों पर कार्रवाई हो और मजदूरों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए काम की प्रक्रिया में सुधार लाया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

पुरानी रंजिश में युवक की हत्या का खुलासा हिस्ट्रीशीटर समेत तीन आरोपी गिरफ्तार

निज संवाददाता | सरायकेला

सरायकेला-खरसावां जिले की पुलिस ने तत्परता और सूझबूझ का परिचय देते हुए एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। जिले के कपाली ओपी क्षेत्र अंतर्गत ताजनगर में 15 अप्रैल को मोहम्मद हुसैन नामक युवक की हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज वारदात के बाद से ही इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल था, लेकिन पुलिस ने घटना को हल्के में नहीं लिया और महज 24 घंटे के अंदर ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा कर दिया। हत्या की जानकारी मिलते ही एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ अरविंद बिनहा की अगुवाई में एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया। इस टीम ने तकनीकी और मानवीय सूचनाओं के आधार पर जांच शुरू की और जल्द ही तीन लोगों की संलिप्तता सामने आ गई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कुख्यात हिस्ट्रीशीटर मोहम्मद सलाउद्दीन, मोहम्मद अब्दुल अंसारी उर्फ सोनू और मोहम्मद कलीम शामिल हैं। तीनों आरोपियों को पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से दबोचा। पूछताछ के दौरान इन लोगों ने जुर्म स्वीकार कर लिया और बताया कि यह हत्या पुरानी रंजिश का नतीजा थी। मोहम्मद हुसैन से किसी निजी विवाद और आपसी तनातनी के चलते उन्होंने इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने घटनास्थल की बारीकी से जांच की, जहां से हत्या में इस्तेमाल किए गए पत्थर और ईंट बरामद किए गए। इसके अलावा आरोपियों के पास से उनके मोबाइल फोन और मृतक का टूटा हुआ मोबाइल भी जब्त किया गया, जिससे तकनीकी जांच में काफी मदद मिली। मुख्य आरोपी मोहम्मद सलाउद्दीन का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। वह पहले भी कई संगीन मामलों में संलिप्त रहा है और कई बार जेल जा चुका है। पुलिस के मुताबिक, उसकी आपराधिक गतिविधियों पर पहले से नजर थी और इस मामले में उसकी भूमिका शुरू से ही संदिग्ध मानी जा रही थी। एसडीपीओ अरविंद बिनहा ने बताया कि पूरी कार्रवाई एसपी के निर्देश पर बेहद संयमित और रणनीतिक ढंग से की गई। सभी साक्ष्यों को बारीकी से खंगाला गया और जांच के हर पहलू पर ध्यान दिया गया। फिलहाल तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है और मामले की आगे की जांच जारी है, ताकि अगर कोई और व्यक्ति इस साजिश में शामिल हो तो उसे भी गिरफ्तार किया जा सके।

6 राज्यों में वांटेड साइबर ठग गिरिडीह से गिरफ्तार

गिरिडीह (नि.सं.)। गिरिडीह साइबर थाना की टीम ने एक शातिर साइबर ठग को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान कैलीबाड निवासी 24 वर्षीय कुलदीप मंडल के रूप में हुई है। कुलदीप पर दिल्ली, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित छह राज्यों में साइबर ठगी के कई मामले दर्ज हैं। गिरफ्तारी की यह कार्रवाई साइबर डीएसपी आबिद खान के नेतृत्व में की गई, जिसमें प्रतिबिम्ब ऐप से प्राप्त सूचना के आधार पर कैलीबाड इलाके में छापेमारी की गई। गिरिडीह के एसपी डॉ. बिमल कुमार के निर्देश पर गठित टीम ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र में छापेमारी करते हुए कुलदीप को पकड़ा। आरोपी के पास से चार मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं, जिनके जरिए वह लोगों को फोन कॉल के माध्यम से ठगने का काम करता था। पुलिस के अनुसार, कुलदीप एक शातिर साइबर अपराधी है, जो लंबे समय से लोगों को झांसा देकर पैसे ऐंठने का काम कर रहा था। वह विभिन्न राज्यों में सक्रिय था और उसके खिलाफ पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब उसकी संपत्ति की जांच कर रही है।

डुमरिया के 11 गांवों के 118 परिवारों का सामाजिक बहिष्कार, डीसी ऑफिस के सामने जोरदार प्रदर्शन

निज संवाददाता | जमशेदपुर

सामाजिक असमानता और दबाव के बीच पूर्वी सिंहभूम जिले के डुमरिया प्रखंड के 11 गांवों के 118 पीड़ित परिवारों ने जिला समाहरणालय (डीसी ऑफिस) के समक्ष जोरदार प्रदर्शन कर प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई। इन लोगों का आरोप है कि ग्राम प्रधान की मनमानी और पक्षपातपूर्ण रवैये के कारण उन्हें समाज से पूरी तरह बहिष्कृत कर दिया गया है। बढ़ियां संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने डीसी अनन्य मित्तल को ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी कि अगर आगामी 15 से 20 दिनों के भीतर इस मामले का समाधान नहीं किया गया, तो वे धर्म परिवर्तन का कठोर फैसला लेने को मजबूर होंगे। प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे ढुकाई मार्डी ने मीडिया से बातचीत में बताया कि ग्राम प्रधान आए दिन छोटी-छोटी बातों पर हजारों रुपए का जुर्माना लगा देते हैं। 3000, 5000, यहां तक कि 10 हजार तक का दंड देने को मजबूर कर दिया जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि यह न केवल शोषण है, बल्कि सामाजिक उत्पीड़न का भी गंभीर उदाहरण है। 118 परिवारों ने डीसी को दिए ज्ञापन में बताया कि उनके बच्चों का जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र और आय प्रमाण पत्र तक नहीं बन पा रहा है, क्योंकि ग्राम प्रधान उनके आवेदन को जानबूझकर आगे नहीं बढ़ाते। इससे सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है और बच्चों का भविष्य अधर में लटक गया है। 13 अप्रैल को डुमरिया प्रखंड के छोटा अस्ती गांव में सुनाराम हेंब्रम की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें समाज से बहिष्कृत सभी 11 गांवों के परिवार शामिल हुए। बैठक में सर्वसम्मति से गुड़ा हेंब्रम को नया ग्राम प्रधान चुना गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से गुड़ा हेंब्रम को सरकारी मान्यता देने की मांग की है, ताकि वे सरकारी कार्यों में भागीदारी कर सकें और बाकी लोगों को भी योजनाओं का लाभ दिला सकें। इन बहिष्कृत परिवारों को क्षेत्रीय सांसद विद्युत वरण महतो का भी समर्थन मिला है। उन्होंने डीसी अनन्य मित्तल को पत्र लिखकर मामले के शीघ्र समाधान की मांग की है और प्रशासन से संवेदनशीलता के साथ इन परिवारों की समस्या का निराकरण करने को कहा है।

गिरिडीह-मधुपुर ट्रेन में युवक पर जानलेवा हमला, गंभीर

देवघर (नि.सं.)। गिरिडीह-मधुपुर सवारी गाड़ी में यात्रा कर रहे रंगसिरसा मांझतर निवासी 23 वर्षीय दिवाकर रजक को सीट विवाद में मारपीट कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। जख्मी युवक का प्राथमिक इलाज अनुमंडल अस्पताल में कराया गया, स्थिति गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल देवघर रेफर किया गया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि गिरिडीह- मधुपुर सवारी ट्रेन में यात्रा कर रहे दिवाकर रजक पर महेशमुंडा रेलवे स्टेशन पर पाइप से जानलेवा हमला किया गया। हमले में दो व्यक्ति शामिल थे। जख्मी युवक ने बताया कि वह अपनी सास को गिरिडीह में छोड़कर वापस मधुपुर आ रहा था। इसी क्रम में अचानक महेशमुंडा स्टेशन पर यह घटना घटी। हमला करने वाले लोग उसे खींच कर ट्रेन से उतरना चाह रहे थे। जख्मी युवक को आरपीएफ पहले रेलवे अस्पताल ले गई, फिर वहां से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल भेजा। प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल देवघर भेजा गया है।

उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में नार्कोटिक्स समन्वय समिति की बैठक का किया गया आयोजन

निज संवाददाता | पाकुड़

जिले में नशीली दवाओं और मादक पदार्थों की बढ़ती समस्या को लेकर प्रशासनिक स्तर पर एक महत्वपूर्ण पहल की गई। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में नार्कोटिक्स समन्वय समिति की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जिले में नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अवैध व्यापार और तस्करी की रोकथाम को लेकर गहन समीक्षा की गई। इस बैठक में एनडीपीएस (नार्कोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस) एक्ट के तहत दर्ज मामलों की स्थिति, तस्करी की मौजूदा प्रवृत्तियों और इनके खिलाफ चल रही कार्रवाई पर चर्चा की गई। बैठक में उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि नशीली दवाओं के अवैध उपयोग के विरुद्ध ठोस और समन्वित कार्रवाई की जाए। उन्होंने खासतौर पर मेडिकल स्टोर्स के संचालन में लापरवाही पर चिंता जताई और स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि किसी भी स्थिति में बिना वैध चिकित्सकीय परामर्श के प्रतिबंधित दवाएं न बेची जाएं। उपायुक्त ने कहा कि सभी मेडिकल संचालक अपनी दुकानों में प्रतिबंधित दवाओं की सूची स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करें ताकि आम जनता को भी इसकी जानकारी हो और दवा खरीदते समय सजगता बरती जा सके।

उन्होंने जोर देकर कहा कि नशे की प्रवृत्ति को केवल कानून से नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता के माध्यम से ही जड़ से खत्म किया जा सकता है। इस दिशा में शिक्षा विभाग को महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि थाना स्तर पर निजी और सरकारी स्कूलों के प्राचार्यों के साथ बैठकें आयोजित की जाएं, ताकि विद्यालय स्तर पर ही छात्रों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति सचेत किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि पैरेंट्स टीचर मीटिंग के माध्यम से अभिभावकों को भी इस विषय में जागरूक किया जाए। उपायुक्त मनीष कुमार ने शिक्षा विभागीय पदाधिकारियों को जिले के सभी स्कूलों और कॉलेजों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं में नशे की बढ़ती लत समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है और इसे रोकना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। साथ ही अंतरराज्यीय और अंतरजिला मार्गों पर हो रही संभावित तस्करी की गतिविधियों की जानकारी एकत्र कर, उसके आधार पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि नशीली दवाओं और मादक पदार्थों के उत्पादन, प्रसंस्करण, वितरण और उपयोग की हर कड़ी पर प्रशासन की कड़ी निगरानी रहेगी। उपायुक्त ने कहा कि इस समस्या से निपटने के लिए न केवल पुलिस या उत्पाद विभाग, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक कल्याण जैसे विभागों का समन्वय भी आवश्यक है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आपसी तालमेल के साथ इस दिशा में ठोस प्रयास करें, ताकि जिले को नशा मुक्त बनाया जा सके और युवाओं का भविष्य सुरक्षित रहे। इस बैठक के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश देने की कोशिश की गई कि प्रशासन नशीली दवाओं के खिलाफ पूरी तरह सख्त है और किसी भी स्तर पर लापरवाही या सहयोग की कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त के नेतृत्व में उठाए गए इन कदमों से यह उम्मीद की जा रही है कि जिले में नशे के खिलाफ एक व्यापक और प्रभावी मुहिम शुरू की जाएगी, जो आने वाले समय में सकारात्मक परिणाम लेकर आएगी।

37 मवेशियों से भरा कंटेनर जब्त, चालक गिरफ्तार

निज संवाददाता | लातेहार

बढ़ रही गौ तस्करी की घटनाओं के बीच लातेहार पुलिस ने एक बार फिर सजगता का परिचय देते हुए शुक्रवार को गौ तस्करी के एक बड़े मामले का भंडाफोड़ किया। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी कि एक भारी वाहन के माध्यम से अवैध रूप से मवेशियों की ढुलाई की जा रही है। सूचना मिलते ही उन्होंने तत्काल जिले के थाना क्षेत्रों को सतर्क कर वाहन चेकिंग अभियान चलाने का निर्देश दिया। बढ़ियां योजना और तैयारी के साथ पुलिस ने होटवाग गांव के समीप स्थित पहाड़ी ढाबा के पास वाहन जांच अभियान चलाया। दोपहर करीब साढ़े 11 बजे एक संदिग्ध कंटेनर आता दिखा, जिसे तुरंत रोका गया। जब पुलिस ने कंटेनर की तलाशी ली तो अंदर का दृश्य चौंकाने वाला था। कंटेनर मेंठम-गठा कर ठूंसे गए 37 मवेशी—36 बैल और एक गाय—मौजूद थे। चालक से पूछताछ करने पर उसकी पहचान उत्तर प्रदेश निवासी विनय सिंह के रूप में हुई। पुलिस ने जब उससे मवेशियों के परिवहन से संबंधित दस्तावेज मांगे, तो वह कोई भी वैध कागज प्रस्तुत नहीं कर सका। पूछताछ में उसने यह स्वीकार किया कि वह पलामू के सतरबवा से इन मवेशियों को लादकर रांची ले जा रहा था। थाना प्रभारी दुलड़ चौड़े ने पुष्टि की कि यह मामला स्पष्ट रूप से गौ तस्करी से जुड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि बरामद सभी मवेशियों को कंटेनर से सुरक्षित निकालकर स्थानीय खेतों में छोड़ा गया है, जहां उनकी देखरेख की व्यवस्था की जा रही है। पुलिस ने न केवल कंटेनर को जब्त किया, बल्कि चालक को भी गिरफ्तार कर लिया है। अब इस पूरे मामले की गहन जांच शुरू कर दी गई है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस तस्करी के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं, और क्या इस रूट पर पहले भी इस तरह की अवैध गतिविधियां होती रही हैं। पुलिस अधीक्षक ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए गौ तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जिले में किसी भी हाल में इस तरह की गैरकानूनी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस कार्रवाई से एक बार फिर यह साफ हो गया है कि लातेहार पुलिस गौ तस्करी जैसे संगठित अपराधों पर पैनी नजर बनाए हुए है।

मवेशी की मौत पर ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

साहिबगंज (नि.सं.)। बोरियो-साहिबगंज मुख्य पथ के सबैया गांव के पास गुरुवार की देर शाम पिकअप वैन के धक्के से बैल की मौत हो गयी थी। घटना के विरोध में आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर घंटों बोरियो-साहिबगंज सड़क जाम कर दी। दुखीन मुर्मू अपने बैल को सड़क पार कर अपने घर ले जा रहा था, इसी दौरान साहिबगंज की ओर से बोरियो की ओर जा रही पिकअप वैन ने बैल को जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे बैल की घटना स्थल पर हीं मौत हो गई। जिससे पशुपालक व आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर बोरियो- साहिबगंज मुख्य पथ को जाम कर दिया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पंकज वर्मा, एसआई पंकज सिंह सहित अन्य पुलिस कर्मी घटना स्थल पहुंच कर कड़ी मशक्कत के बाद समझा बुझा कर जाम को समाप्त कराया।

मंडल कारा में 10 दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

निज संवाददाता | पाकुड़

मंडल कारा में प्रोजेक्ट 'परिवर्तन' के तहत बंदियों के लिए आयोजित 10 दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों को आत्मनिर्भर बनाना और समाज की मुख्यधारा से जोड़ना रहा। प्रशिक्षण का आयोजन भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) द्वारा किया गया था, जिसमें प्रशिक्षित बंदियों को समापन के अवसर पर प्रमाण पत्र वितरित किए गए। समापन समारोह में उपायुक्त मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार और वरिष्ठ संकाय एवं कार्यक्रम समन्वयक अमित कुमार बर्धन ने संयुक्त रूप से प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर उपायुक्त मनीष कुमार ने प्रशिक्षण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में हुनरमंद होना केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है। यह प्रशिक्षण बंदियों के लिए जीवन में एक नया रास्ता खोल सकता है। जेल से बाहर आने के बाद ये कैदी अपने सीखे हुए कौशल का उपयोग कर न सिर्फ अपना जीवन संवार सकते हैं, बल्कि समाज में भी एक सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिले की महिलाएं, विशेषकर सखी मंडल से जुड़ी महिलाएं, स्वरोजगार के जरिए अच्छी आय अर्जित कर रही हैं। इसी तरह बंदी भी इस तरह के प्रशिक्षण के जरिए आत्मनिर्भर बन सकते हैं। पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम केवल कैदियों को व्यस्त रखने का माध्यम नहीं, बल्कि उन्हें एक नई दिशा देने का प्रयास है। ऐसे में इन प्रशिक्षुओं को भी, सजा पूरी करने के बाद, समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का पूरा हक है। समारोह का संचालन करते हुए आरसेटी के वरिष्ठ संकाय अमित कुमार बर्धन ने प्रशिक्षण की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए बंदियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण जीवन स्तर सुधारने का एक सशक्त माध्यम है और स्वरोजगार के जरिए व्यक्ति न केवल खुद को सशक्त बना सकता है, बल्कि दूसरों के लिए भी प्रेरणा बन सकता है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान बंदियों को मशरूम उत्पादन के साथ-साथ विपणन तकनीक, उद्यमिता विकास, समय प्रबंधन, वित्तीय समावेशन, प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करना, बैंकिंग प्रक्रियाएं और बीमा से संबंधित व्यापक जानकारी दी गई।

सड़क हादसे में तीन लोग घायल, एक गंभीर

प्रशासन ने कहा, ट्रक चालक की तलाश जारी, दोषियों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

निज संवाददाता | बोकारो

जिले के पिंडराजोड़ा थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने इलाके में अफरातफरी मचा दी। राष्ट्रीय राजमार्ग-23 (एनएच-23) पर चास स्थित गैलेक्सी स्कूल के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने पहले एक ऑटो को टक्कर मारी और फिर एक साइकिल सवार को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में तीन लोग घायल हो गए हैं, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक पश्चिम बंगाल के पुरुलिया से झारखंड की राजधानी रांची की ओर जा रहा था। गैलेक्सी स्कूल के समीप जैसे ही ट्रक पहुंचा, चालक ने अचानक वाहन से नियंत्रण खो दिया। अनियंत्रित ट्रक ने पहले एक ऑटो को जोरदार टक्कर मारी, जिसके बाद एक साइकिल सवार को भी कुचलते हुए निकल गया। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और साइकिल सवार सड़क पर गिर पड़ा। हादसे में घायल हुए लोगों में चौरा बस्ती निवासी 48 वर्षीय सैतपाद बाउरी की स्थिति गंभीर है, जिन्हें तत्काल इलाज के लिए मेडिकेट अस्पताल ले जाया गया। घायल महिला की पहचान दीक्षा कुमारी के रूप में हुई है, जिन्हें हल्की चोटें आई हैं। एक अन्य व्यक्ति को भी मामूली रूप से घायल बताया गया है। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को फौरन अस्पताल पहुंचाया।

हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया, जबकि ट्रक को घटनास्थल पर ही छोड़ दिया गया। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने एनएच-23 को जाम कर दिया और सड़क पर उतरकर यातायात व्यवस्था की खामियों को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि क्षेत्र में भारी वाहनों की गति पर नियंत्रण लगाया जाए और ट्रैफिक पुलिस की तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाने की कोशिश की और जाम हटवाया। घंटों तक यातायात प्रभावित रहा, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि ट्रक चालक की तलाश की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही स्थानीय लोगों की शिकायतों को भी गंभीरता से लिया जाएगा। यह हादसा एक बार फिर इस बात की ओर इशारा करता है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अब भी कई खामियां बनी हुई हैं, जो आम लोगों की जान के लिए खतरा बनती जा रही हैं।

झारखंड में 20 तक बारिश और वज्रपात का अलर्ट

निज संवाददाता | रांची

राज्य में मौसम का मिजाज एक बार फिर से बदला हुआ नजर आ रहा है। पिछले कुछ दिनों से झारखंड के विभिन्न हिस्सों में लगातार हो रही बारिश, ओलावृष्टि और वज्रपात ने लोगों को गर्मी से तो राहत दी है, लेकिन इसके साथ ही मौसम की अस्थिरता ने चिंता भी बढ़ा दी है। भारतीय मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह स्थिति फिलहाल थमने वाली नहीं है। आगामी 20 अप्रैल तक राज्य के कई जिलों में गरज-चमक, तेज हवाओं और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना बनी हुई है। इसको लेकर मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। शुक्रवार को राजधानी रांची समेत कई इलाकों में मौसम ने अचानक करवट ली। दोपहर के समय रांची में ओलावृष्टि के साथ तेज बारिश हुई, जिससे जनजीवन थोड़े समय के लिए अस्त-व्यस्त हो गया। हालांकि, इस बारिश से तापमान में गिरावट जरूर आई और मौसम सुहावना हो गया। मौसम विभाग ने बताया कि आने वाले दिनों में भी राज्य के अधिकतर हिस्सों में इसी तरह की स्थिति बनी रह सकती है। खासकर 21 अप्रैल से एक बार फिर रांची समेत राज्य के कई अन्य जिलों में हल्की बारिश और वज्रपात की संभावना जताई गई है। पिछले 24 घंटों में झारखंड के कई जिलों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक वर्षा पाकुड़ जिले के अमरापारा में 6.8 मिमी मापी गई। वहीं, तापमान की बात करें तो डाल्टेनगंज सबसे गर्म स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 37.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दूसरी ओर, धनबाद में न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे कम रहा। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि अगले तीन दिनों में राज्य के अधिकतर हिस्सों में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हो सकती है। हालांकि, इसके बाद दो दिनों तक तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार और लोहरदगा को छोड़कर बाकी सभी हिस्सों में गरज-चमक और तेज हवा के साथ वज्रपात की संभावना है। इस दौरान हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है, जो सामान्य जनजीवन और खेती कार्यों पर असर डाल सकती है। इसी तरह 19 अप्रैल को भी उत्तर-पश्चिमी झारखंड के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर शेष सभी जिलों में आकाशीय बिजली, गरज और तेज हवाओं के साथ मौसम खराब रहने के आसार हैं। वहीं, 20 अप्रैल को राज्य के लगभग सभी हिस्सों में एक बार फिर से इसी तरह की परिस्थिति बन सकती है। बारिश और वज्रपात को लेकर जारी इस अलर्ट को देखते हुए प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभाग ने भी सतर्कता बरतने की अपील की है। लोगों को सलाह दिया गया है कि वे खराब मौसम के दौरान घरों में ही रहें, खासकर खुले स्थानों, पेड़ों के नीचे या बिजली के खंभों के पास खड़े न हों। किसान वर्ग को भी सलाह दी गई है कि वे अपनी फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और खेतों में काम करने से पहले मौसम की जानकारी जरूर लें।

सीट विवाद में मारपीट कर गंभीर रूप से जख्मी

देवघर (नि.सं.)। मधुपुर -गिरिडीह सवारी गाड़ी में यात्रा कर रहे रंगसिरसा मांझतर निवासी 23 वर्षीय दिवाकर रजक को सीट विवाद में मारपीट कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। जख्मी युवक का प्राथमिक इलाज अनुमंडल अस्पताल में कराया गया, स्थिति गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल देवघर रेफर किया गया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि मधुपुर- गिरिडीह सवारी ट्रेन में यात्रा कर रहे दिवाकर रजक पर महेशमुंडा रेलवे स्टेशन पर लोहे के पाइप से जानलेवा हमला किया गया। हमले में दो व्यक्ति शामिल थे। जख्मी युवक को आरपीएफ ने इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल भेजा। प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल देवघर भेजा गया है। जहां युवक का इलाज चल रहा है। इस संबंध में आरपीएफ इंस्पेक्टर एचके सिंह ने बताया कि गुरुवार को मधुपुर गिरिडीह सवारी ट्रेन से जख्मी एक युवक को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल भेजा गया।

संक्षिप्त समाचार

बुलढाणा में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैवल वैन सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई, 38 लोग घायल

बुलढाणा , एजेंसी। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैवल वैन सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में 38 लोग घायल हो गए, जिनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, यह हादसा देर रात जिले में मलकापुर-नंदुरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर वडनेर भोलजी के पास हुआ। श्रद्धालुओं से भरी ट्रैवल वैन हैदराबाद के कुनेर से शिरडी जा रही थी, तभी वडनेर भोलजी के पास वैन अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। तुरंत सभी घायल श्रद्धालुओं को इलाज के लिए मलकापुर उपजिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां तीन लोगों की हालत नाजुक बताई जा रही है। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार या ड्राइवर की झपकी को हादसे की वजह माना जा रहा है। फिलहाल, पुलिस हादसे की जांच कर रही है। बता दें कि इससे पहले 15 अप्रैल को बुलढाणा जिले में खामगांव-नांदुरा हाईवे पर आमसारी फाटा के पास मध्य प्रदेश परिवहन निगम की बस और ईंटों से लदे ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई थी। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई और करीब 20 लोग घायल हो गए थे। हादसे के बाद स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े और पुलिस को हादसे की जानकारी दी। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पताल भेज दिया था। वहीं, दो अप्रैल को बुलढाणा जिले में दुर्घटना शेगांव-खामगांव राजमार्ग पर दो यात्री बसों और एक बोलेरो जीप की आपसी टक्कर हो गई थी। इस हादसे में पांच लोगों की जान चली गई थी, जबकि 24 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से तुरंत घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया था। शुरुआती जांच में पुलिस ने हादसे का कारण तेज रफ्तार और लापरवाही माना था।

छत्तीसगढ़ में आईएफएस अफसर गिरफ्तार, बांटने के बजाए डकार गए 7 करोड़, सुकमा में थे वन अधिकारी

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में एक आईएफएस अफसर को गिरफ्तार किया गया है। उन पर 7 करोड़ रुपए गबन करने का आरोप है। आर्थिक अपराध शाखा ने डीएफओ को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश कर पूछताछ करने के लिए कस्टोडियल रिमांड की मांग की है। छत्तीसगढ़ के बस्तर में तेंदूपत्ता बोनस घोटाले में एंटी करप्शन ब्यूरो और आर्थिक अपराध शाखा ने बड़ी कार्रवाई की है। ईओडब्ल्यू-एसीबी ने वन विभाग के डीएफओ अशोक पटेल को गिरफ्तार किया है। ईओडब्ल्यू ने डीएफओ को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश कर पूछताछ करने के लिए कस्टोडियल रिमांड की मांग की है। ऐसा पहली बार है जब दोनों एजेंसियों ने किसी आईएफएस अफसर को गिरफ्तार किया है। बता दें कि पिछले दिनों सुकमा जिले में 12 स्थानों पर एसीबी-ईओडब्ल्यू ने छापा मारा था। यह छापेमारी तेंदूपत्ता बोनस गबन मामले में की गई थी। एसीबी-ईओडब्ल्यू ने प्रेस विज्ञप्ति भी जारी की थी। ईओडब्ल्यू ने सुकमा जिले में 12 स्थानों पर छापेमार कार्रवाई करते हुए मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, बैंक अकाउंट और निवेश से संबंधित दस्तावेज जब्त किए थे। डीएफओ कार्यालय के कर्मचारी के निवास से नकद 26 लाख रुपए भी बरामद किए गए थे। अशोक सुकमा जिले के डीएफओ थे। घोटाला उजागर होने के बाद राज्य शासन ने उन्हें निलंबित कर दिया था।डीएफओ ने कई समिति प्रबंधकों के साथ मिलकर आपराधिक षड़यंत्र किया और साल 2021- 2022 में तेंदूपत्ता तोड़ाई सीजन का प्रोत्साहन पारिश्रमिक दिया ही नहीं। यह रकम करीब 7 करोड़ रुपए था। वन विभाग के अफसरों ने तेंदूपत्ता संग्राहकों को रुपए देने के बजाए गबन कर लिया। इस रकम को कुछ निजी व्यक्तियों को भी दिया गया था। इस मामले में केस दर्ज किया गया है। एसीबी-ईओडब्ल्यू ने सीपीआई नेता, डीएफओ कार्यालय कर्मचारी राजशेखर, प्राथमिक लघु वनोपज समिति के प्रबंधकों के घर दस्तावेजों की जांच-पड़ताल भी की थी।

अधर में लटकी कर्नाटक की जाति जनगणना

अभी जारी नहीं होंगे नतीजे; 2 मई को अगली बैठक

बेंगलुरु, एजेंसी।
कर्नाटक सरकार ने जाति जनगणना (सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण) के नतीजों को स्वीकार करने पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। गुरुवार को आयोजित विशेष मंत्रिमंडल बैठक में इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हुई, लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकला। अब इस मामले पर अगली चर्चा 2 मई को होने वाली मंत्रिमंडल बैठक में होगी।

अतिरिक्त जानकारी की मांग की है: कानून और संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने पत्रकारों को बताया कि मंत्रिमंडल ने सर्वेक्षण के तकनीकी विवरण और अतिरिक्त जानकारी की मांग की है, जिसे वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा 2 मई की बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा। पाटिल ने कहा, चर्चा अधूरी रही, लेकिन यह सौहार्दपूर्ण थी। हमने विभिन्न समुदायों की जनसंख्या, उनके पिछड़ापन और अन्य मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रमुख समुदायों की जनसंख्या के आंकड़ों को लेकर उठाए गए विवाद इस चर्चा का हिस्सा नहीं थे।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में मंत्रियों से सर्वेक्षण पर अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करने को कहा गया है, ताकि अगली बैठक में इन पर विचार किया जा सके। सूत्रों के अनुसार, मंत्रियों के बीच खुले तौर पर चर्चा के लिए तैयार न होने के कारण सिद्धारमैया ने सभी की राय सुनने और सर्वेक्षण के सभी समुदायों के लिए लाभकारी होने की बात पर जोर दिया।

वोक्कालिगा और वीरशैव-लिंगायत समुदायों ने किया विरोध गौरतलब है कि वोक्कालिगा और वीरशैव-लिंगायत समुदायों ने इस सर्वे को अवैज्ञानिक बताते हुए इसे खारिज करने और एक नया सर्वेक्षण कराने की मांग की है। पाटिल ने यह भी स्पष्ट किया कि अगली कैबिनेट बैठक 24 अप्रैल को एम एम हिल्स में होगी, लेकिन उस बैठक में सर्वेक्षण रिपोर्ट पर चर्चा नहीं की जाएगी। उस बैठक में पुराने मैसूर क्षेत्र से संबंधित मुद्दे लिए जाएंगे। सूत्रों के अनुसार, कैबिनेट मंत्रियों से कहा गया है कि वे सर्वेक्षण को लेकर अपनी राय लिखित रूप में 2 मई की बैठक में प्रस्तुत करें। इसके साथ ही, सरकार ने सर्वेक्षण से जुड़ी जानकारियों को जनता के सामने लाने का निर्णय लिया है ताकि फैल रही भ्रामक सूचनाओं का मुकाबला किया जा सके। साथ ही यह भी बताया गया कि सरकार उन आरोपों का खंडन करेगी जिसमें कहा गया था कि डोर-टू-डोर सर्वेक्षण नहीं किया गया। बता दें कि हाल ही में जाति सर्वे की रिपोर्ट कैबिनेट के सामने पेश की गई थी। 11 अप्रैल को बहुप्रतीक्षित सामाजिक-आर्थिक एवं शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट को कर्नाटक कैबिनेट के समक्ष पेश किया गया था।

कोर्ट में चलाया गया तमिलनाडु के मंत्री का वीडियो, जज भी रह गए हैरान, तुरंत एफआईआर दर्ज करने का आदेश

चेन्नई, एजेंसी।
तमिलाडु सरकार में मंत्री के पोनमुडी की दिक्कतें बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने हिंदू धर्म को लेकर अभद्र टिप्पणी की थी। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मद्रास हाई कोर्ट ने उनके खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। इसके अलावा कोर्ट ने डीजीपी से एक्शन रिपोर्ट मांगी है। एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह आदेश जारी किया है। कोर्ट ने पुलिस से कहा, अगर आप एफआईआर नहीं दर्ज करते तो कोर्ट प्रशासन के खिलाफ स्वतः संज्ञान करके अवमानना की कार्रवाई करेगा।

पोनमुडी पर आरोप है कि उन्होंने शैव और वैष्णवों को लेकर अभद्र टिप्पणी की। उन्होंने सनातन तिलक की तुलना सेक्स पोजीशन से की थी। मंत्री ने अपने बयान को लेकर माफी भी मांगी है। जज ने कहा, इस मामले को लेकर अलग-अलग एफआईआर दर्ज करने की जगह एक ही एफआईआर दर्ज की जाए। आय से अधिक संपत्ति मामले में बरी किए जाने के बाद मंत्री के खिलाफ पीआईएल फाइल की गई थी। कोर्ट में चलाया गया मंत्री का वीडियो

गुरुवार को सुनवाई के दौरान पोनमुडी का भाषण कोर्टरूम में चलाया गया। इसके बाद कोर्ट ने कहा कि उनका बयान वाकई में दुर्भाग्यपूर्ण है। कोर्ट ने कहा कि मंत्री के पद पर आसीन एक शख्स को इस तरह के बयान नहीं देने चाहिए। कोर्ट ने कहा कि पोनमुडी के शब्द उसी तरह हैं जैसे कि कमान से निकला हुआ तीर। अब माफी मांगने का भी कोई मतलब नहीं है। कोर्ट ने कहा कि अगर किसी और ने इस तरह का बयान दिया होता तो उसपर अब तक 50 केस दर्ज हो गए होते। जज ने कहा, भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इसी तरह हेट स्पीच भी अस्वीकार्य है। कोर्ट ने कहा कि अभिनेत्री कश्तूरी, बीजेपी नेता एच राजा और अन्नामलाई के खिलाफ भी कार्रवाई की गई थी। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर शिकायत नहीं भी दर्ज होती है तब भी हेट स्पीट मामले में केस दर्ज किया जाना चाहिए। बता दें कि विवाद के तूल पकड़ने के बाद डीएमके ने पोनमुडी को डिप्टी जनरल सेक्रेटरी के पोस्ट से हटा दिया था। वह फिलहाल तमिलनाडु सरकार में वन मंत्री हैं। पोनमुडी ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान तिलक की तुलना सेक्स पोजीशन से कर दी थी और चुटकुले सुनाए थे। इसके बाद बीजेपी नेता अन्ना मलाई ने डीएमके पर हमला किया। बीजेपी का कहना है कि पोनमुडी को कैबिनेट से बर्खास्त किया जाना चाहिए।

61 साल की उम्र में दिलीप घोष करने जा रहे हैं शादी , कौन है भाजपा नेता की दुल्हनिया

कोलकाता, एजेंसी।
भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष अब जल्द ही दांपत्य जीवन में कदम रखने जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक वह शुक्रवार को कोलकाता स्थित अपने आवास पर एक सादे समारोह में शादी करेंगे। रिंकू मजूमदार उनकी दुल्हनिया बनने जा रही हैं। वह भी भाजपा की सदस्य हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह शादी दिलीप घोष के लिए निजी जीवन में एक बड़ा बदलाव है क्योंकि वह अब तक अविवाहित रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, रिंकू ने ही पहले शादी का प्रस्ताव दिया था, खासकर तब जब दिलीप घोष को पिछली लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था।

शादी सादे और पारिवारिक माहौल में आयोजित की जा रही है जिसमें केवल करीबी रिश्तेदार और मित्र शामिल होंगे। किसी भी तरह का भव्य आयोजन फिलहाल नहीं रखा गया है।

कौन हैं रिंकू मजूमदार?: रिंकू मजूमदार तलाकशुदा हैं और एक बेटे की मां हैं। उनका बेटा अब वयस्क हो चुका है और कोलकाता के सॉल्ट लेक के सेक्टर वी में एक आईटी कंपनी में कार्यरत है। रिंकू को हाल ही में 3 अप्रैल को ईडन गार्डन में भी देखा गया था, जिससे इस नए रिश्ते की अटकलें और तेज हो गई थीं। यह शादी दिलीप घोष के निजी जीवन में नया अध्याय तो खोल ही रही है, साथ ही राजनीतिक हलकों में भी चर्चा का विषय बन गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिंकू न्यूटाउन में भाजपा महिला मोर्चा की नेता हैं। दिलीप घोष ही उन्हें पार्टी में लेकर आये थे। यह भी पता चला है कि दिलीप घोष अपनी मां के कहने पर शादी के लिए राजी हो गए हैं। कुछ दिन पहले दिलीप घोष ईडन गार्डन्स में आईपीएल मैच देखने गए थे। तभी इसकी पुष्टि हो गई थी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रिंकू ने खुद दिलीप घोष की मां पुष्पलता घोष से बात की और उन्हें शादी के लिए राजी किया। गौरतलब है कि दिलीप अपनी मां को अपने न्यूटाउन स्थित फ्लैट पर ले आए हैं। यहीं पर रिंकू की पुष्पलता देवी से बातचीत हुई थी।

गे डेटिंग ऐप से दोस्ती और कमरे पर मिलने बुलाकर किया नंगा; फिर हुआ ऐसा

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद के मधुबन बापूधाम में गे डेटिंग ऐप से दोस्ती कर एक युवक को कमरे पर बुलाने और नग्न कर पिटाई का वीडियो बनाकर एक लाख रुपये वसूलने का मामला सामने आया है। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। कविनगर थानाक्षेत्र में रहने वाले युवक का कहना है कि उसने चैटिंग के लिए ग्राइंडर ऐप डाउनलोड किया था। ऐप के माध्यम से उसकी बातचीत शाश्वत नाम के युवक से शुरू हुई। 14 अप्रैल को शाश्वत ने उसे गोविंदपुरम स्थित सीएनजी पंप पर मिलने के लिए बुलाया और वहां से एक मकान में ले गया। युवक के मुताबिक, उसे कमरे में बैठाकर शाश्वत पानी लाने के बहाने से बाहर चला गया। कुछ देर बाद वहां कुछ अन्य युवक कमरे में पहुंचे और चोरी का झूठा आरोप लगाकर धमकाते हुए पुलिस में शिकायत करने तथा उसके परिवार को बदनाम करने की धमकी दी। इस दौरान एक युवक ने उसे तमंचा दिखाकर गोली मारने की धमकी दी तथा उसके कपड़े उतरवाकर उसकी वीडियो बनाई। युवक का आरोप है कि इसके बाद आरोपियों ने उसे आधा घंटे तक कमरे में बंधक बनाए रखा और नग्न हालत में ही जमकर पीटा। आरोपियों ने नग्नावस्था में उसका वीडियो बनाया और उसे वायरल करने की धमकी देकर छह खातों में 98 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। काफी देर तक सड़क पर घुमाते रहे आरोपी ÷ पीड़ित युवक के मुताबिक, आरोपियों ने धमकी दी कि अगर उसने इस बारे में किसी को बताया तो नग्नावस्था में उसकी पिटाई का वीडियो वायरल कर देंगे और उसके परिजनों को भी वीडियो भेज देंगे। युवक का कहना है कि इसके बाद शाश्वत काले रंग की स्कूटी पर और ऋषभ उसे बाइक पर बैठाकर काफी देर तक सड़क पर घुमाते रहे। इस दौरान भी वह उसे चुप बैठने की धमकी देते रहे। आखिर में वह उसे आई-ब्लॉक स्थित बस स्टैंड पर छोड़कर फरार हो गए। युवक का कहना है कि दहशत में आकर उसने घटना वाले दिन पुलिस को कोई शिकायत नहीं दी, लेकिन 16 अप्रैल की रात को हिम्मत जुटाकर कविनगर थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई।

500 एकड़ में बनेगा मेडिकल डिवाइस पार्क, 40 नई कंपनियां करेंगी निवेश; क्या-क्या मिलेंगी सुविधाएं

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा सेक्टर-28 स्थित मेडिकल डिवाइस पार्क (एमडीपी) अब 500 एकड़ में विकसित होगा। यहां पर निवेश के लिए 40 नई कंपनियों ने पंजीकरण कराया है। यह कंपनियां गंभीर बीमारी से बचाव के उपकरण तैयार करेंगी। यमुना प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि सेक्टर-28 में 350 एकड़ में मेडिकल डिवाइस पार्क विकसित हो रहा था, जिसे अब 500 एकड़ में विकसित करने की तैयारी है। इसमें से अबतक 179 एकड़ में 74 कंपनियों को भूखंड आवंटित भी किए जा चुके हैं। इनमें से 36 ने लीज डीड करा ली है और एक कंपनी का निर्माण कार्य पूरा हो गया है, जबकि 11 निर्माणधीन है। वही अब देश विदेश की 40 नई कंपनियों ने भी एमडीपी में निवेश के लिए पंजीकरण कराया है। बता दें कि मई के बाद एयरपोर्ट से उड़ान प्रस्तावित है। एयरपोर्ट शुरू होने के बाद यमुना सिटी के औद्योगिक सेक्टरों में गतिविधियां बढ़ेंगी। ऐसे में मेडिकल डिवाइस पार्क में ज्यादा से ज्यादा निवेश का मौका प्रदान किया जा रहा है। यहां एफडीआई के तहत निवेश करने वाली कंपनियों को पॉलिसी के तहत 75 फीसदी लैंड सब्सिडी, रिसर्च एंड डेवलपमेंट के लिए दो करोड़ रुपये, पांच साल के लिए पीएफ, 100 करोड़ कैपिटल सब्सिडी सहित अन्य लाभ प्रदान किए जाएंगे। मेडिकल डिवाइस पार्क में सभी दुर्लभ और गंभीर बीमारियों से जुड़े मेडिकल उपकरण तैयार होंगे। दूसरे देशों पर निर्भरता कम होगी मेडिकल डिवाइस पार्क में सभी दुर्लभ और गंभीर बीमारियों से जुड़े मेडिकल उपकरण तैयार होंगे।

महिलाओं ने स्वरोजगार में पुरुषों को पछाड़ा, यूपी ने हिमाचल प्रदेश को भी दी मात

नैनीताल, एजेंसी। रोजगार की तलाश में गांव छोड़कर शहरों में भटक रहे पुरुषों के सामने स्वरोजगार में सफल महिलाओं ने बड़ा उदाहरण पेश किया है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय कर ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तराखंड में के ग्रामीण क्षेत्रों में 80 फीसदी से अधिक महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ी हैं। यूपी की महिलाओं ने स्वरोजगार मामले में हिमाचल प्रदेश को भी मात दी है। पुरुषों में ये आंकड़ा 55 फीसदी से भी कम है। उत्तराखंड में महिलाएं हमेशा से ही अर्थव्यवस्था का आधार रही हैं। बीते सप्ताह भारत सरकार ने एक रिपोर्ट जारी की। इसमें महिलाओं और पुरुषों के स्वास्थ्य, शिक्षा और अर्थव्यवस्था में भागीदारी की जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में दिए आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला कि देशभर में स्वरोजगार के मामले में ग्रामीण महिलाएं आगे हैं। उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में ये औसत देश से भी बेहतर है। यहां 82.1प्रतिशत महिलाएं स्वरोजगार करती हैं जबकि स्वरोजगार से जुड़े पुरुष करीब 54प्रतिशत है। हालांकि शहरी क्षेत्रों में 45.3प्रतिशत पुरुष स्वरोजगार कर रहे हैं जबकि यहां महिलाओं का आंकड़ा 39प्रतिशत ही है। देशभर की बात करें तो ग्रामीण क्षेत्रों में 59.4प्रतिशत पुरुष व 73.5प्रतिशत महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में खेती के अलावा महिलाओं के स्वरोजगार का सबसे बड़ा कारण स्वयं सहायता समूह और मनरेगा बने हैं। सरकार की मदद से चल रहे इन समूहों में बड़ी संख्या में महिलाएं जुड़ी हैं। इन महिलाओं ने स्थानीय उत्पादों को नई पहचान भी दिलाई है। इसमें होमस्टे, जड़ी बूटी जूस, मसाले, अचार, स्थानीय परिधान, मोटे अनाज से तैयार विभिन्न उत्पाद प्रमुख तौर पर शामिल हैं। स्वरोजगार के साथ-साथ महिलाओं के प्रयास देशभर में उत्तराखंड को नई पहचान भी दे रहे हैं।

23 सालों से कैशियर का काम, मिल रही थी चपरासी की सैलरी

भुवनेश्वर, एजेंसी।
क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि कोई महिला पिछले 2 दशकों से बैंक कैशियर का काम कर रही थी लेकिन उसे सैलरी मिल रही थी महज एक चपरासी की? हाल ही में उड़ीसा से एक ऐसा ही मामला सामने आया है जिसे सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे। इस मामले में ओडिशा हाईकोर्ट ने राज्य के एक कॉपरेटिव बैंक को जमकर फटकार लगाई है। बैंक ने सुनवाई के दौरान 54 वर्षीय महिला को तत्काल रूप से वेतन देने का निर्देश दिया है। महिला लगभग 24 सालों से कैशियर के रूप में काम कर रही थी लेकिन उसे सैलरी महज चपरासी जितनी मिल रही थीं।

हाईकोर्ट में यूनाइटेड पुरी-नीमापारा सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक से जुड़े एक मामले में सुनवाई चल रही थी। महिला कर्मचारी द्वारा दायर 14 साल पुराने मामले का निपटारा करते हुए जस्टिस एमएस रमन की एकल पीठ ने अपने फैसले में कहा कि चूंकि वह 24 सालों से अधिक समय से कैशियर के रूप में अपना कर्तव्य ईमानदारी और निष्ठा से निभा रही है, इसलिए उसे कैशियर के पद के लिए मिलने वाले वेतन से वंचित नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने बैंक को आदेश दिया, निम्न ग्रेड के वेतन वाले उच्च पद पर कार्यरत कर्मचारी की सेवा का दो दशकों से अधिक समय तक शोषण करने के बाद, उसे चपरासी के पद पर नियमित करना कठोर कदम होगा। अगर कोई कर्मचारी उच्च पद के कर्तव्यों का निर्वहन करता है तो उसे उच्च वेतनमान पाने के उसके अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है, खासकर तब जब नियमों के अनुसार उसकी पात्रता और पद पर उसकी क्षमता पर कोई सवाल न हो। बता दें कि तिलोत्तमा बलियारसिंह नाम की इस महिला को जुलाई 1999 में पुनर्वास सहायता योजना के तहत अस्थायी चपरासी के रूप में नियुक्त किया गया थ। उनके पति सहकारी बैंक की एक शाखा में प्रबंधक थे जिनकी मृत्यु हो गई थी। 2001 में उन्हें अक्टूबर 2001 में बैंक का प्रभारी कैशियर बनाया गया था, लेकिन बैंक ने उन्हें कैशियर के पद पर पदोन्नत करने के बजाय, अक्टूबर 2011 में उन्हें चपरासी के रूप में नियमित कर दिया। बैंक के फैसले से आहत होकर बलियारसिंह ने 2011 में उड़ीसा उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। सुनवाई के दौरान उनके वकील ने तर्क दिया कि केंद्रीय सहकारी बैंकों के कर्मचारी सेवा नियम, 1984 के तहत उनके पास कैशियर के पद के लिए योग्यता थी क्योंकि वह छह साल से अधिक के अनुभव और अच्छे सेवा रिकॉर्ड के साथ मैट्रिक पास थीं। हालांकि बैंक ने तर्क दिया कि ओडिशा के केंद्रीय सहकारी बैंकों के लिए मानव संसाधन नीति के अनुसार पदोन्नति अधिकार का मामला नहीं है और नियमों के तहत बलियारसिंह के पास कैशियर के पद पर सीधी भर्ती के लिए योग्यता नहीं थी। बैंक के तर्क को खारिज करते हुए, उच्च न्यायालय ने कहा कि बैंक के मौजूदा नियमों के अनुसार, किसी मृतक कर्मचारी की विधवा को योग्यता के अनुरूप किसी भी पद पर नियुक्त किया जा सकता है। न्यायालय ने कहा कि स्थायी रिक्ति की कमी के कारण शुरू में अस्थायी चपरासी के रूप में नियुक्त किए जाने के बावजूद, बैंक की ओर से दो दशकों से अधिक समय तक उच्च पद पर उनकी सेवाओं का शोषण करना और उन्हें कम वेतन के साथ निचले ग्रेड में नियमित करने का इरादा रखना बैंक की मनमानी है।

फरीदाबाद में दो छात्राओं का किडनैप, एक के साथ गैंगरेप; दूसरी सकुशल वापस घर लौटी

फरीदाबाद , एजेंसी। फरीदाबाद के बल्लभगढ़ में दो युवकों ने कंप्यूटर कोर्स कर रही दो छात्राओं को अपनी बातों में उलझाकर अगवा कर लिया और एक छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म किया। जबकि एक छात्रा उनके चंगुल से बच निकली। पीड़ित छात्रा और उसकी सहेली एक निजी इंस्टीटयूट से कंप्यूटर कोर्स कर रही हैं। वे 15 अप्रैल की सुबह करीब 10ः00 बजे अपने घर से इंस्टीट्यूट जाने के लिए बल्लभगढ़ बस अड्डा पहुंची थीं। इसी बीच वहां एक युवक पहुंचा। उसके बाद उसका एक और परिचित युवक आ गया।

पहले आए युवक ने शीतला माता मंदिर का पता पूछा। इस तरह बातों में उलझाकर एक युवक ने छात्राओं के हाथ में गेंदे का फूल, पीपल का पत्ता और पत्थर रख दिया। इसी बीच वे दोनों छात्राओं को अग्रवाल कॉलेज के पास ले गए। उनमें से एक छात्रा को उपरोक्त सामान को बस अड्डे पर रखने के लिए वापस भेज दिया और दूसरी छात्रा को ऑटो में बैठाकर उपरोक्त फूल, पत्ते को आईएमटी के पास पीपल के पेड़ के नीचे रखने का झांसा देकर ले गए। आरोपियों ने छात्रा को डराया कि सामान को पीपल के पेड़ के नीचे नहीं रखा तो उनकी जान चली जाएगी। वहां नहर किनारे जंगल में आरोपियों ने छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। इसी बीच फोन बजने के चक्कर में उसे मौका मिला और वह भाग निकली। एसीपी महेश श्योराण ने बताया कि मेडिकल जांच में दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी की जा रही है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

श्रीयंका पहली बार विश्व कप फाइनलिस्ट की सूची में, 50 मीटर राइफल 3पी इवेंट में 8वें स्थान पर रहीं

लीमा, एजेंसी। पेरिस ओलंपियन श्रीयंका सदांगी इस दोहरे चरण वाले दक्षिण अमेरिकी प्रवास पर पहली बार व्यक्तिगत विश्व कप फाइनल के लिए कट बनाने वाली नवीनतम भारतीय निशानेबाज बन गईं, उन्होंने चल रहे अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन चरण में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन (3पी) स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। श्रीयंका अंततः आठवें स्थान पर रहीं, स्टैंडिंग पोजिशन राउंड के 10वें शॉट के बाद बाहर हो गईं, जो 45 शॉट के फाइनल का 40वां शॉट था। पेरिस रजत पदक विजेता यूएसए की सेगेन मैडालेना ने स्वर्ण पदक जीता।

सेगेन के प्रयास ने यूएसए को तीन स्वर्ण और छह पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा दिया। प्रतियोगिता के तीसरे दिन के अंत में भारत दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ दूसरे स्थान पर था। भारतीय निशानेबाजों के लिए कुल मिलाकर चुनौतीपूर्ण दिन रहा, उनमें से कोई भी पुरुष 3पी फाइनल में नहीं पहुंच पाया और पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल (आरएफपी) स्पर्धा में क्वालीफाइंग के पहले दौर के बाद भी उन्हें बहुत कुछ करना था। महिलाओं की 3पी स्पर्धा में भी, पहले दो नीलिंग और प्रोन पोजीशन के बाद भारतीय खिलाड़ी बाहर दिख रहे थे, लेकिन तीनों - श्रीयंका, आशी चौकसे और पिछले विश्व कप की स्वर्ण विजेता सिफ्ट कौर समरा - ने फाइनल स्टैंडिंग पोजीशन में शानदार गति पकड़ी और क्वालीफाइंग मार्क के लिए दौड़ लगाई। श्रीयंका ने 588 के साथ सातवां स्थान हासिल किया, जबकि आशी ने सिफ्ट की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया, सिफ्ट 11वें स्थान पर रहीं और दोनों 587 पर रुक गईं और इस तरह मामूली अंतर से चूक गईं। फाइनल में, भारतीय ने अपने पहले प्रयास में 10.5 के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन जैसे-जैसे फिनिशिंग की ओर बढ़ना शुरू हुआ, वह हारती चली गई। उसका सबसे अच्छा मौका तब था जब वह दूसरे प्रोन पोजीशन के दो और शॉट के साथ छठे स्थान पर पहुंच गई थी, लेकिन 9.8 और 9.3 के रिटर्न ने उसकी चुनौती को पूरी तरह से खत्म कर दिया। उसने अपने अंतिम शॉट के रूप में 9.9 के साथ समापन किया और 400.7 के साथ सातवें स्थान पर रहने वाली ब्राजील की जियोवाना मेयर के साथ बाहर हो गई। पुरुषों की 3पी में ऐश्वर्या तोमर, नीरज कुमार और चैन सिंह क्रमशः 17वें, 18वें और 19वें स्थान पर रहे। पहले दो नामितों ने 587 के समान स्कोर बनाए और कुछ अंकों से अंतिम क्वालीफाइंग मार्क से चूक गए, जबकि चैन ने 586 स्कोर बनाए। इस दिन 25 मीटर की स्पर्धा भी हुई, जिसमें अनीश, विजयवीर सिद्धू और गुरप्रीत सिंह सभी ने पुरुषों के आरएफपी में क्वालीफाइंग के पहले दिन शीर्ष छह क्वालीफाइंग मार्क से बाहर रहते हुए समापन किया।

सौरव कोठारी ने हासिल की खास उपलब्धि, पंकज आडवाणी को हराकर आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैंपियन बने

नई दिल्ली, एजेंसी। कोठारी (40 वर्ष) आडवाणी को 725-480 अंक से हराकर चैंपियन बने। कोठारी का 325 का ब्रेक मैच का सबसे शानदार पल था जो हालिया चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे बेहतरीन प्रयास में से एक भी रहा। भारत के दिग्गज क्यू खिलाड़ी सौरव कोठारी ने आयरलैंड के कार्लो में कई बार के विजेता पंकज आडवाणी को फाइनल में हराकर 2025 आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स खिताब जीत लिया। क्यू स्पोर्ट्स की दुनिया ने बुधवार को स्नूकर और बिलियर्ड्स आयरलैंड (एसबीआई) अकादमी में प्रतिष्ठित खिताब के लिए भारत के दो बेहतरीन खिलाड़ियों- कोठारी और आडवाणी के बीच रोमांचक मुकाबला देखा।
कोठारी (40 वर्ष) आडवाणी को 725-480 अंक से हराकर चैंपियन बने।
कोठारी का 325 का ब्रेक मैच का सबसे शानदार पल था जो हालिया चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे बेहतरीन प्रयास में से एक भी रहा। कोठारी ने 119 और 112 के ब्रेक भी लगाए। इस जीत से कोठारी ने पहला ऐतिहासिक आईबीएसएफ विश्व खिताब (टाइम्ड' प्रारूप) अपने नाम किया।

लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए निकहत की तैयारी कैसी?

पेरिस में पदक नहीं जीत पाने का अफसोस: निकहत

लखनऊ, एजेंसी। निकहत लखनऊ में जारी संवाद कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचीं और उन्होंने बताया कि भविष्य के लिए उनकी तैयारियां कैसी चल रही हैं और पेरिस ओलंपिक की निराशा को कामयाबी की ओर मोड़ना चाहती हैं। दो बार की विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता भारतीय महिला मुक्केबाज निकहत जरीन ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में मिली निराशा के बाद से अब तक एक भी बाउट नहीं लड़ी है।

निकहत ने शुरू कर दी हैं तैयारियां

निकहत ने संवाद कार्यक्रम में खिलाड़ियों की राह, आसान या मुश्किल सत्र में लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उनके साथ ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज विजेंद्र सिंह भी मौजूद थे। भविष्य के कार्यक्रम के बारे में पूछे जाने पर निकहत ने कहा, मेरा सपना रहा है ओलंपिक में भारत के लिए पदक जीतना। 2024 पेरिस ओलंपिक में मैं ये पूरा नहीं कर पाई। ये मेरे लिए एक निराशा रहेगी, लेकिन मैं इस निराशा को कामयाबी की ओर मोड़ना चाहती हूं।

मैंने तैयारी शुरू कर दी है और अभी मेरा पूरा ध्यान लॉस एंजिलिस ओलंपिक पर है। पेरिस ओलंपिक के बाद से मैंने किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है। जल्द ही मैं प्रतिस्पर्धी सर्किट में उतरूंगी। मेरा पहला ध्यान तो सितंबर में होने वाले विश्व चैंपियनशिप पर है। वहां मैं अपने खिताब का बचाव करना चाहूंगी।

स्पर्स ने फ्रैंकफर्ट को हराकर यूरोपा लीग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया

बर्लिन, एजेंसी। डोमिनिक सोलंके की पहली हाफ की पेनल्टी निर्णायक साबित हुई, क्योंकि टोटेनहम हॉटस्पर ने इंट्राच फ्रैंकफर्ट पर 1-0 (कुल 2-1) की जीत के साथ यूईएफए यूरोपा लीग के सेमीफाइनल में जगह बनाई। लंदन में 1-1 की बराबरी से उत्साहित फ्रैंकफर्ट ने शानदार शुरुआत की। ह्यूगो एकिटिके ने शुरुआत में ही गोल करने का प्रयास किया, जबकि मारियो गोट्ज ने एक आशाजनक प्रयास किया, जो चूक गया। हालांकि, मेजबान टीम को 17वें मिनट में झटका लगा, जब गोट्ज जांघ की समस्या के कारण लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए, जिससे उन्हें जल्दी ही रणनीति बदलनी पड़ी। फ्रैंकफर्ट ने नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन स्पर्स के खेल में आगे बढ़ने के साथ ही वह बढ़त हासिल करने में विफल रहा।

जेम्स मैडिसन ने एक शॉट बचाया, लेकिन कुछ मिनट बाद गोलकीपर कौआ सैंटोस द्वारा गिराए जाने पर पेनल्टी जीत ली। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सोलनके ने ब्रेक से ठीक पहले स्पॉट से गोल किया। फ्रैंकफर्ट ने खेल फिर से शुरू होने के बाद बढ़त हासिल की। फेरेस चाइबी ने गुग्लिल्मो विकारियो को एक शक्तिशाली फ्री-किक से परखा और गोलकीपर को फिर से अल्जीरियाई खिलाड़ी को नजदीकी रेंज से रोकने के लिए एक्शन में आना पड़ा। रिबाउंड रासमस क्रिस्टेंसन के पास गिरा, लेकिन राइट-बैक शॉट वाइड रहा। क्रिस्टेंसन के पास देर से दो और मौके आए, लेकिन वे नेट के पीछे नहीं पहुंच पाए,

जबकि एकिटिके का कॉर्नर से हेडर वाइड रहा। दूसरे हाफ में जोशपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद, फ्रैंकफर्ट अनुशासित स्पर्स बैकलाइन को भेद नहीं सका। इस परिणाम के साथ फ्रैंकफर्ट का यूरोपीय अभियान समाप्त हो गया, क्योंकि इस सीजन में महाद्वीपीय प्रतियोगिता में कोई भी जर्मन टीम नहीं बची है। फ्रैंकफर्ट के कोच डिनो टॉपमोलर ने कहा, मुझे खिलाड़ियों पर बहुत गर्व है और आज रात उन्होंने जो किया, उस पर भी। उन्होंने मैदान पर अपना दिल लगा दिया और संघर्ष किया। उन्होंने गोल नहीं किया, उन्होंने बाकी सब कुछ किया।

अंत में, हमें हार स्वीकार करनी होगी, लेकिन हम और मजबूत होकर वापस आएंगे। हम इस प्रतियोगिता में सबसे युवा टीम हैं। हमारे परिणाम बहुत अच्छे रहे, हम एक टीम के रूप में आगे बढ़े, हम व्यक्तिगत स्तर पर आगे बढ़े, खिलाड़ी और कोच भी। असफलता सफलता का विपरीत नहीं है, यह सफलता का एक हिस्सा है। स्पर्स के कोच एंजे पोस्टेकोग्लू ने कहा, मुझे खिलाड़ियों पर बहुत गर्व है, उन्होंने वास्तव में कड़ी मेहनत की। हमें बचाव करना था, लेकिन हमने बचाव किया। हमारे पास आगे बढ़ने के लिए अपने पल थे, और मुझे लगता है कि दो लेग में, हम सेमीफाइनल में जाने के हकदार हैं। खिलाड़ी हमारे प्रदर्शन पर विश्वास करते हैं और मुझे उन पर बहुत गर्व है क्योंकि यह हमारे लिए एक बड़ा मैच था, इसमें कोई संदेह नहीं है; हमारे सीजन के लिए, हर चीज के लिए, और हम जो हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, उसके लिए।

आईपीएल 2023:

गुजरात टाइटंस में ग्लेन फिलिप्स की जगह शामिल हुए दासुन शनाका

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस को आईपीएल के इस सीजन में बड़ा झटका लगा था जब ग्लेन फिलिप्स कमर की चोट की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे, लेकिन अब इस टीम में उनकी जगह श्रीलंकाई ऑलराउंडर दासुन शनाका को उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल किया गया है। शनाका अब गुजरात के लिए सीजन के बचे हुए मैचों में खेलते हुए नजर आएंगे। ग्लेन फिलिप्स अपनी इंजरी के बाद स्वदेश वापस लौट चुके हैं।

दासुन शनाका ने ग्लेन फिलिप्स को किया रिप्लेस

गुजरात ने ग्लेन फिलिप्स को इस सीजन के लिए 2 करोड़ की बेस प्राइस पर खरीदा था, लेकिन एक मैच में फील्डिंग के दौरान उन्हें चोट लग गई थी और फिर वो मैदान से बाहर चले गए थे। बाद में पता चला की उनकी कमर में गंभीर चोट है और वो इस टीम के लिए बाकी के मैचों में खेलने के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। वहीं दूसरी तरफ दासुन शनाका को साल 2023 में गुजरात टीम का हिस्सा बनाया गया था और वो इस सीजन में सिर्फ 3 ही मैच खेल पाए थे। अब उनकी फिर से गुजरात टीम में वापसी हुई है। शनाका को गुजरात फ्रेंचाईजी ने 75 लाख के बेस प्राइस पर खरीदा है।

दासुन शनाका का टी20 क्रिकेट करियर

श्रीलंका के 33 साल के क्रिकेटर दासुन शनाका दाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं और इसी हाथ से मध्यमगति की तेज गेंदबाजी भी करते हैं। उनके आने से गुजरात को एक और ऑलराउंडर मिल गया है।

दासुन के टी20 क्रिकेट करियर की बात करें तो उन्होंने अब तक कुल 243 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 3 शतक समेत 142.45 की स्ट्राइक रेट के साथ 4449 रन बनाए हैं। टी20 में उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 131 रन है जबकि इतने ही मैचों में उन्होंने 91 विकेट भी झटके हैं।

फिर लय में आ रहे हैं रोहित: मार्क बाउचर

मुंबई, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज मार्क बाउचर का मानना है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे मुंबई इंडियंस के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा आईपीएल में लय में लौट रहे हैं और जल्दी ही बड़ी पारी खेलेंगे। रोहित इस सत्र में छह मैचों में अर्धशतक नहीं बना सके।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बृहस्पतिवार को 26 रन का स्कोर उनका सर्वोच्च स्कोर है। मुंबई इंडियंस के पूर्व मुख्य कोच बाउचर ने कहा, 'हमने इस मैच में रोहित शर्मा की शैली के बड़े छक्के देखे। मुझे उसके तेवर पसंद आए। उसने गेंदबाजों पर दबाव बनाया और रन बनाने के मौके तलाशे। वह जल्दी ही बड़ी पारी खेलेगा। वहीं नौ गेंद में 21 रन बनाने वाले मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या के बारे में उन्होंने कहा, 'हार्दिक पांड्या दुनिया के सर्वश्रेष्ठ हरफनमौलाओं में से है। जब वह अच्छा खेलता है तो टीम जीतती है।

अब वह सिर्फ पावरप्ले में ही नहीं बल्कि बीच के ओवरों में भी गेंदबाजी कर रहा है और विकेट भी ले रहा है। इससे उसका आत्मविश्वास बढ़ेगा। बाउचर ने विल जैक्स के बारे में कहा, 'वह दबाव में लग रहा है और उस तरह से प्रदर्शन नहीं

रहा है, जैसा वह करना चाहता होगा। लेकिन वह शानदार खिलाड़ी है और जबर्दस्त हरफनमौला है। उसने कुछ अहम विकेट लिए जिससे बतौर बल्लेबाज भी उसका आत्मविश्वास बढ़ा है। आखिरकार वह योगदान दे पा रहा है और इस लय को कायम रखना चाहेगा।

5 मैच हारने वाली हैदराबाद की टीम प्लेऑफ में पहुंचेगी, ये है समीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई इंडियंस के खिलाफ 17 अप्रैल की शाम मिली हार, आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद की 5वीं हार रही. मतलब अब तक खेले 7 मैचों में से 5 मुकाबले एसआरएचहार चुकी है. मगर प्लेऑफ में पहुंचने का मौका उसके पास अब भी है.

5 मैच हारने के बाद भी आईपीएल में ऑरेंज आर्मी के नाम से मशहूर ये टीम टॉप फोर का टिकट कटा सकती है. वो क्रिकेट में कहावत है ना, जब तक आखिरी गेंद पड़ ना जाए, तब तक गेम ओवर नहीं समझो. कुछ ऐसा ही किस्सा सनराइजर्स हैदराबाद का भी है. आईपीएल 2025 में खेले पहले 7 में से 5 मैच तो वो हार चुके हैं. मगर बाकी के 7 मुकाबले अभी बचे हैं, जो उसे प्लेऑफ में पहुंचा सकते हैं.

आईपीएल 2025 के ग्रुप स्टेज पर सभी टीमों को 14-14 मुकाबले खेलने हैं. उसमें से 7 तकरीबन सभी ने खेल लिए हैं. पहले 7 मैचों में से 5 हार के बाद पॉइंट्स टेबल में सनराइजर्स हैदराबाद की हालत पतली है. 10 टीमों के दंगल वाले इस लीग में वो फिलहाल 9वें नंबर पर है. मगर उसके बाद टॉप फोर में पहुंचने का रास्ता हमेशा खुला है. अब सवाल है कि वहां तक वो पहुंचेंगे कैसे?

ये है एसआरएच के प्लेऑफ का सीधा समीकरण

सनराइजर्स हैदराबाद को टॉप फोर में जाने के लिए बाकी बचे हुए अपने 7 मैचों में कोशिश तो सभी जीतने की करनी होगी.मगर ऐसा नहीं हुआ तो उन्हें कम से कम 7 में से 6 मैच जरूर जीतने होंगे. उसके बिना उनका काम नहीं चलेगा.

पहले 7 मैच में से 2 जीतकर उनके खाते में 4 अंक हैं. वहीं अगले 7 मैच में से 6 जीतने के बाद ही उनके 12 अंक होंगे, जिससे कुल जमां करने पर उनके 16 अंक होंगे. ग्रुप स्टेज पर 16 अंक हासिल करना ही एक तरह से प्लेऑफ के टिकट का पहला पैमाना है.

काम मुश्किल है, नामुमकिन नहीं

बाकी बचे 7 मैचों में सनराइजर्स को 3 मुकाबले अपने होम ग्राउंड हैदराबाद में खेलने हैं. कहने को तो कह सकते हैं कि घर में मैच है तो डर कैसा? लेकिन पहले 7 मैचों में से जो 4 मैच इस टीम ने हैदराबाद में खेले हैं, उसमें से 2 जीते और 2 हारे हैं. मतलब मामला 50-50 का रहा है. उस सूरत में कहना होगा कि कदम जरा फूंक-फूंक कर रखना होगा. अगले 7 मैच में से 3 हैदराबाद में हैं तो बाकी के 4 मुकाबले चेन्नई, अहमदाबाद, बेंगलुरु और लखनऊ में खेले जाने हैं. साफ है चुनौती आसान नहीं है. लेकिन 2 बार की आईपीएल चैंपियन रह चुकी सनराइजर्स के लिए मुश्किल भी नहीं है. खासकर तब जब सवाल प्लेऑफ का हो.

प्रधानमंत्री मोदी ने की वंदना कटारिया के करियर की सराहना, बोले- नई पारी के लिए शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की 32 वर्षीय पूर्व स्ट्राइकर वंदना ने भारत के लिए 320 मैच में 158 गोल किए और वह उस राष्ट्रीय टीम का हिस्सा थीं जिसने 2021 में टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथा स्थान हासिल किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हॉकी स्टार वंदना कटारिया के खेल में योगदान की सराहना करते हुए कहा कि अपने शानदार करियर में 320 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलना उनके कौशल और नेतृत्व का प्रमाण है जिसने भारतीय हॉकी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी कटारिया ने इस महीने की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय खेल से संन्यास की घोषणा की जिससे उनके 15 साल के करियर का अंत हो गया। इस 32 वर्षीय स्ट्राइकर ने भारत के लिए 320 मैच में 158 गोल किए और वह उस राष्ट्रीय टीम का हिस्सा थीं जिसने 2021 में टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथा स्थान हासिल किया। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर साझा किए गए पत्र में लिखा, भारतीय महिला हॉकी टीम की एक बेहतरीन खिलाड़ी के तौर पर उपलब्धियों से भरे शानदार करियर की बधाई और जीवन की एक नई पारी शुरू करने के लिए आपको हार्दिक शुभकामनाएं। अपने खेल से देशवासियों को गर्व के अनेक अवसर देते हुए आपने विभिन्न प्रतियोगिताओं में देश के तिरंगे को ऊंचा रखने में बड़ा योगदान दिया। हरिद्वार के रोशनाबाद में जन्मी कटारिया का जन्म साधारण पृष्ठभूमि से हुआ था। उनके पिता भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) में तकनीशियन के रूप में काम

करते थे। उन्होंने जाति-आधारित और लिंग-आधारित गालियों के साथ-साथ खराब स्वास्थ्य और अवसाद से जूझते हुए भारतीय हॉकी की दिग्गज खिलाड़ी बनने के लिए संघर्ष किया। प्रधानमंत्री ने कहा, एक साधारण पृष्ठभूमि से आगे आकर अपनी कड़ी मेहनत, समर्पण और प्रतिबद्धता से हॉकी जगत में एक विशेष पहचान बनाने तक की आपकी यात्रा उल्लेखनीय है। भारतीय महिला हॉकी इतिहास की सबसे अधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ी बनना आपकी विशिष्ट क्षमताओं का परिचायक है। एक कप्तान के तौर पर आपकी नेतृत्व क्षमता व टीम भावना सराहनीय रही और हॉकी को नई ऊंचाईयों पर ले जाने में आपने अहम भूमिका निभायी। उन्होंने लिखा, देश का प्रतिनिधित्व करते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं में आपके उत्साह और टीम की आवश्यकता के अनुरुप खेल में विविधता को सराहा जाता रहा है। जूनियर महिला विश्व कप में भारत को ऐतिहासिक कांस्य पदक दिलाना हो या महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में सोने का तमगा जीतना या फिर एफआईएच महिला नेशंस कप में स्वर्ण, आपका करियर ऐसी अनेक सफलताओं से भरा हुआ है।

कटारिया ओलंपिक में हैट्रिक बनाने वाली पहली और एकमात्र भारतीय महिला हैं। पीएम मोदी ने लिखा, आपके करियर में कई ऐसे मौके आए हैं जो प्रशंसकों के जेहन में हमेशा ताजा रहेंगे। इनमें से एक 2020 तोक्यो ओलंपिक में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आपकी हैट्रिक भी शामिल है, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

न्यूज बाइट्स

समाजसेवी के निधन पर पृथ्वीराज चौहान ट्रस्ट परिसर में शोकसभा

औरंगाबाद (एसवीवी.सं.)। जिला मुख्यालय स्थित पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट परिसर, ब्लॉक मोड़, पृथ्वीराज चौक में गुरुवार को मंजूराही निवासी और ट्रस्ट के प्रमुख दानदाता ब्रजदेव सिंह के आकस्मिक निधन पर शोकसभा का आयोजन किया गया। इस दौरान ट्रस्ट के सदस्यों, समाजसेवियों और स्थानीय लोगों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शोकसभा की शुरुआत ब्रजदेव सिंह के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। साथ ही यह भी कहा गया कि इस दुखद घड़ी में ईश्वर उनके परिजनों को धैर्य और संबल प्रदान करें। सभा में वक्ताओं ने ब्रजदेव सिंह के सामाजिक योगदान को याद करते हुए कहा कि वे ट्रस्ट को मजबूत करने और आगे बढ़ाने में एक मजबूत स्तंभ की तरह हमेशा सक्रिय रहे। उन्होंने न केवल आर्थिक सहयोग दिया, बल्कि अपने कार्यों से समाजसेवा की मिसाल पेश की। ब्रजदेव बाबू अपने कर्मठ स्वभाव और समाज के प्रति समर्पण के लिए सदैव याद किए जाएंगे। ट्रस्ट के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह, उपाध्यक्ष डॉ. संजीव रंजन, सचिव स्वर्णजीत कुमार सिंह, वरिष्ठ सदस्य जगदीश सिंह, रामप्रवेश सिंह, प्रसिद्ध ज्योतिर्विद शिवनारायण सिंह, माध्यमिक शिक्षक संघ के नेता रामभजन सिंह, समाजसेवी सुरेंद्र सिंह, मनोज कुमार सिंह, मीडिया प्रभारी सुरेश विद्यार्थी, केयरटेकर विपिन ठाकुर सहित कई अन्य लोगों ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि ब्रजदेव सिंह जैसे लोग समाज के लिए प्रेरणा हैं, जिनकी कमी लंबे समय तक खलेगी। अंत में सभी ने उनके आदर्शों पर चलने और ट्रस्ट के कार्यों को उसी भावना से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

30 अप्रैल से गृहरक्षकों की दक्षता परीक्षा शुरु

- गांधी मैदान में शेडेड वेटिंग एरिया, पेयजल क्यूबिकल्स और मेडिकल टेंट की व्यवस्था की गई है।
- सभी प्रतियोगी सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें और समय पर पहुंचें, ताकि परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित हो सके।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शुक्रवार को समाहरणालय में हुई समीक्षा बैठक में निर्णय लिया गया कि जिले में गृहरक्षकों की दक्षता परीक्षा 30 अप्रैल 2025 से गांधी मैदान में आयोजित की जाएगी। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत कुल 217 पदों के लिए उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। समारोह प्रारंभ प्रातः पाँच बजे होगा, ताकि गर्मी से उत्पन्न कठिनाइयों से बचा जा सके। परीक्षा के दौरान एक सत्र में अधिकतम सौ प्रत्याशियों को दौड़ परीक्षण के लिए बुलाया जाएगा। प्रत्येक सत्र के बीच पर्याप्त अंतराल रखकर उम्मीदवारों को पानी और प्राथमिक उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा स्थल पर जिला पुलिस विभाग सहयोग करेगा और अभ्यर्थियों की प्रवेश व्यवस्था समाहरणालय के निर्देशानुसार की जाएगी। समय पर पहुंचे सभी अभ्यर्थियों को रजिस्ट्रेशन काउंटर पर पहचान पत्र और प्रवेश पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। जिला प्रशासन ने कहा है कि परीक्षण के सफल आयोजन हेतु गांधी मैदान में शेडेड वेटिंग एरिया, पेयजल क्यूबिकल्स व मेडिकल टेंट की व्यवस्था की गई है। साथ ही, मौसम में अत्यधिक उमस और तापमान बढ़ने की संभावना को देखते हुए हर सत्र के बाद स्टाफ द्वारा क्षेत्र को छिड़काव कर ठंडक बनाए रखने का प्रबंध किया जाएगा।

समारोह के मुख्य संयोजक अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने सभी अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे अपने निर्धारित समय से 30 मिनट पूर्व परीक्षा स्थल पर पहुंचें और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। उम्मीद जताई गई है कि इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से जिले में गृहरक्षकों की नियुक्ति में पारदर्शिता बनी रहेगी तथा सुरक्षा बलों की संख्या में वृद्धि होगी।

ग्रामीणों ने आवास सहायक को बनाया बंधक पांच-पांच हजार रुपए रिश्वत लेने का आरोप

निज संवाददाता | गोह (औरंगाबाद)

औरंगाबाद जिले में मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत गंभीर अनियमितता और रिश्वतखोरी का मामला सामने आया है। गोह प्रखंड के हसामपुर पंचायत में दर्जनों ग्रामीणों ने योजना में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए आवास सहायक देवेंद्र कुमार को बंधक बना लिया। ग्रामीणों का आरोप है कि देवेंद्र कुमार द्वारा पहली किस्त जारी करने के एवज में प्रत्येक लाभार्थी से 5-5 हजार रुपये की रिश्वत ली गई, वहीं दूसरी किस्त के लिए 10 हजार रुपये की मांग की जा रही थी। आक्रोशित ग्रामीणों में हरीगांव की रिंकू देवी, सीता देवी, सविता देवी, लक्ष्मिणिया देवी, विनती देवी और ममता देवी समेत कई महिलाएं शामिल थीं, जिन्होंने मिलकर सहायक को घेर लिया और खुलेआम आरोप लगाए। ग्रामीणों का कहना है कि वे गरीब हैं और सरकारी सहायता पाने की उम्मीद से आवेदन किए थे, लेकिन अधिकारी द्वारा खुलेआम पैसों की मांग की जा रही थी। इससे तंग आकर उन्होंने सहायक को पकड़कर पंचायत में बिठा लिया।

मामले की जानकारी मिलते ही पंचायत के मुखिया आनंद कुमार उर्फ गुड्डू मौके पर पहुंचे। उन्होंने उपस्थित लोगों से बात की और सभी पक्षों की बात सुनने के बाद आवास सहायक को पैसे लौटाने का निर्देश दिया। मुखिया के हस्तक्षेप और आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने सहायक को मुक्त किया। गुरुवार को हुई इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें ग्रामीणों का गुस्सा और सहायक की सफाई दोनों देखे जा सकते हैं। हालांकि, देवेंद्र कुमार ने सभी आरोपों को निराधार और झूठा बताया है। उन्होंने कहा कि उन्हें जानबूझकर बदनाम किया जा रहा है। गौरतलब है कि इससे पहले भी देवेंद्र कुमार पर सलेमपुर गांव में रिश्वत लेकर नाम जोड़ने का आरोप लग चुका है, जिससे उनकी कार्यशैली पहले से ही सवालों के घेरे में रही है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और आवास योजना में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए कौन से कदम उठाए जाते हैं।

पीएम के मोतिहारी दौरे से पहले औरंगाबाद में विशेष सफाई अभियान हुआ शुरू, 23 अप्रैल तक चलेगा स्वच्छता अभियान

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी मोतिहारी दौरे को लेकर बिहार के औरंगाबाद जिले में स्वच्छता को लेकर विशेष अभियान की शुरुआत की गई है। शुक्रवार को जिले भर में 'स्वस्थ भारत मिशन' के तहत सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें जिले के आला अधिकारी खुद शामिल हुए। इस अभियान की शुरुआत सूर्य मंदिर के पास अदरी नदी घाट से हुई, जहां जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री के नेतृत्व में घाट की सफाई की गई।

डीएम के साथ उप विकास आयुक्त अभ्येंद्र मोहन सिंह, नगर परिषद के चेयरमैन उदय कुमार गुप्ता, अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से श्रमदान करते हुए घाट की सफाई की और आम जनता को स्वच्छता का संदेश दिया। जिलाधिकारी ने मौके पर बताया कि प्रधानमंत्री के मोतिहारी दौरे को देखते हुए जिले भर में सफाई का विशेष अभियान 23 अप्रैल तक चलाया जाएगा। इस दौरान प्रत्येक प्रखंड, पंचायत और मोहल्ले में सफाई अभियान संचालित किया जाएगा।

उन्होंने आम लोगों से अपील की कि वे अपने-अपने घरों के आस-पास स्वच्छता बनाए रखें और सफाई कार्य में प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने यह भी कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि यह प्रतिदिन की आदत बननी चाहिए। इस अभियान के दौरान जिलाधिकारी ने रिवर फ्रंट प्रोजेक्ट का भी जायजा लिया। यह प्रोजेक्ट 74 करोड़ रुपये की लागत से एपीजे अब्दुल कलाम पार्क से जीटी रोड तक विकसित किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य में आ रही तकनीकी समस्याओं को शीघ्र सुलझाने का निर्देश दिया, ताकि प्रोजेक्ट समय पर पूरा हो सके।

रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष सतीश कुमार सिंह ने जानकारी दी कि नदी किनारे अतिक्रमण करने वालों को नोटिस भेजा जाएगा। साथ ही झुग्गी-झोपड़ी में रह रहे लोगों को वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। इस तरह से जिले में प्रधानमंत्री के दौरे से पहले न केवल स्वच्छता को लेकर व्यापक अभियान शुरू हुआ है, बल्कि बड़े विकास कार्यों की निगरानी और सुधार की दिशा में भी सक्रिय पहल की जा रही है। इससे साफ है कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सक्रिय भूमिका में है।

पुलिस ने अलग-अलग जगहों से 26.87 ग्राम ब्राउन सुगर के साथ चार तस्करों को किया गिरफ्तार

निज सं. | दाउदनगर (औरंगाबाद)

जिले में नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अत्यधिक नशीले पदार्थ ब्राउन सुगर की तस्करी का खुलासा किया है। पुलिस ने इस अभियान के तहत चार कुख्यात नशा सौदागरों को गिरफ्तार कर उनके पास से कुल 26.87 ग्राम ब्राउन सुगर बरामद किया है। इस जब्त नशीले पदार्थ की कीमत लगभग 26 लाख 87 हजार रुपये आंकी गई है, जो इस क्षेत्र में अब तक की एक बड़ी बरामदगी मानी जा रही है। दाउदनगर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार ऋषिराज ने शुक्रवार को प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि दाउदनगर और हसपुरा थाना क्षेत्र में लगातार ब्राउन सुगर के अवैध कारोबार की सूचनाएं मिल रही थीं। कई नशेड़ी इस नशे का सेवन कर बीमार हो रहे थे, जिससे समाज में चिंता का माहौल था। पुलिस ने जब इस मामले को गंभीरता से लिया तो गुप्त सूत्रों और तकनीकी इनपुट के जरिए एक बड़ी कार्रवाई की योजना बनाई गई।

गुप्त सूचना मिलने पर पुलिस की विशेष टीम ने अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर चार नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए तस्करों में हसपुरा थाना के चांदी गांव निवासी पुष्कर कुमार, दाउदनगर थाना के बिगन बिगहा निवासी रौशन कुमार, महावीरगंज अमौना निवासी अनिल यादव, और बाबू अमौना निवासी भीम कुमार शामिल हैं। इनके पास से 26.87 ग्राम ब्राउन सुगर, 1650 रुपये नकद और 5 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह पदार्थ अत्यंत खतरनाक होता है क्योंकि इसे बनाने में अफीम, हेरोइन और स्मैक जैसे घातक पदार्थों का मिश्रण किया जाता है। इसके एक भारी डोज से इंसान की जान तक जा सकती है।

पुलिस ने इस मामले में दाउदनगर थाना में एफआईआर संख्या 258/25 दर्ज की है। अभियुक्तों पर धारा 111(2)(बी) बीएनएस और 21/22 एनडीपीएस एक्ट 1985 के तहत केस दर्ज किया गया है। इस छापेमारी अभियान में दाउदनगर थानाध्यक्ष विकास कुमार, प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षक अभिषेक कुमार, आदित्य कुमार, परमानंद कुमार, अवर निरीक्षक संजय कुमार और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। ब्राउन सुगर की कीमत के बारे में बताया गया कि एक किलो की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 1 से 2 करोड़ रुपये तक हो सकती है। इसी हिसाब से जब्त 26.87 ग्राम की कीमत 26 लाख 87 हजार रुपये बैठती है। यह औरंगाबाद पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता मानी जा रही है, जिससे जिले में नशे के खिलाफ चल रही मुहिम को मजबूती मिलेगी।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर अदरी नदी परिसर से स्वच्छता अभियान की हुई शुरुआत

- स्वच्छ भारत मिशन और लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के अंतर्गत पंचायतों और नगर निकायों में सफाई कार्य किए जाएंगे।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री द्वारा अदरी नदी सूर्य मंदिर परिसर, औरंगाबाद से स्वच्छता अभियान कार्यक्रम की शुरुआत की गई। जिला पदाधिकारी ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन / लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायत/नगर निकाय को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने हेतु स्वच्छता से संबंधित विभिन्न प्रकार के कार्य और गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए आज से 23 अप्रैल तक सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा एक कार्य योजना तैयार कर सभी नगर निकाय/प्रखंडों में पंचायत स्तरीय पदाधिकारी, कर्मी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण जनता के सहयोग से विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

इस दौरान स्वच्छता से संबंधित अन्य आयामों को भी शामिल करते हुए व्यापक स्तर पर अभियान संचालित किया जाएगा। उक्त स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त अभ्येंद्र मोहन सिंह, सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार, जिला योजना पदाधिकारी अविनाश प्रकाश, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रत्ना प्रियदर्शनी, वरीय उप समाहर्ता मेराज जमील, निदेशक डीआरडीए अनुपम कुमार, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी पप्पू राज, डीपीएम जीविका एवं जिला स्तरीय अन्य पदाधिकारी के साथ-साथ ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

अपराधियों ने ट्रांसपोर्टर पर किया जानलेवा हमला, प्राथमिकी दर्ज

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के एनएच-119 पर गुरुवार की देर शाम उस समय हड़कंप मच गया जब एक ट्रांसपोर्टर पर आधा दर्जन अपराधियों ने जानलेवा हमला कर दिया। घटना एक पेट्रोल पंप के पास की है, जहां ट्रांसपोर्टर डीजल भराने के लिए जा रहा था। उसी दौरान कार सवार हमलावरों ने उस पर हमला कर दिया। घायल ट्रांसपोर्टर को आनन-फानन में सदर अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के बाद उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

घायल ट्रांसपोर्टर राजीव रंजन सिंह, गया जिले के आमस थाना क्षेत्र के बभंडी गांव के निवासी हैं। वे वर्तमान में औरंगाबाद के जयप्रकाश नगर स्थित उपेन्द्र नारायण सिंह के मकान में किराए पर रहकर ट्रांसपोर्टिंग का काम करते हैं। गुरुवार को जब वे अपना ट्रक लेकर डीजल भराने निकले, तभी सीमेंट प्लांट के पास एक कार से छह युवक पहुंचे और उन्हें जबरन ट्रक से नीचे खींचकर चाकू और पिस्टल से हमला कर दिया।

राजीव रंजन सिंह ने बताया कि हमलावरों ने उन्हें चाकू से घायल कर दिया और सिर पर भी वार किया। इसके बाद हमलावरों ने पिस्टल दिखाकर फायरिंग की और धमकी दी कि 'सीमेंट प्लांट में ट्रक चलाना बंद कर दो, नहीं तो अगली बार गोली सीने में लगेगी। इतना ही नहीं, उनके गले से सोने की चेन और जेब से पांच हजार रुपये नगद भी छीन लिए गए।

चतरा सांसद कालीचरण सिंह का औरंगाबाद में भव्य स्वागत

बिहार में बनेगी एनडीए की सरकार, जंगल राज की नहीं होगी वापसी : कालीचरण सिंह

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

झारखंड के चतरा लोकसभा के सांसद कालीचरण सिंह शुक्रवार को निजी कार्यों से औरंगाबाद पहुंचे। इस दौरान कई जगहों पर भाजपा कार्यकर्ताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। शहर के श्री कृष्णा स्मारक ट्रस्ट में सांसद को सम्मानित किया गया। भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री सुनील कुमार शर्मा, विजय पांडेय, सामाजिक कार्यकर्ता अविनाश कुमार, भाजपा युवा मोर्चा के नेता राहुल कुमार, दीपक कुमार सिंह, विकास काली आदि ने सांसद का स्वागत-अभिनंदन किया। चतरा सांसद श्री सिंह ने कहा कि बिहार में पुनः एनडीए की सरकार पूर्ण बहुमत से बनेगी। राजद के कार्यकाल से बिहार के ही नहीं बल्कि झारखंड के भी लोग सहमे रहते हैं। जब संयुक्त बिहार-झारखंड एक था तब राजद के कार्यकाल को झारखंड के लोगों ने भी देखा है।

उस काल में बिहार की जनता जाना बिलकुल पसंद नहीं करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास नीति पर यहां की जनता पुनः बटन दबाएंगी। बिहार में जो विकास का कार्य हो रहा है उससे पूरे देश के लोग परिचित हैं। झारखंड में अराजकता है। वहां अपराध चरम सीमा पर बढ़ गया है। माफियाओं का राज चल रहा है। पश्चिम बंगाल में भी ममता राज में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। बांग्लादेशी हावि हो गए हैं। बंगाल की स्थिति खराब होती जा रही है। बिहार में पुनः एनडीए की सरकार बनेगी और प्रधानमंत्री की सोच के तहत डबल इंजन की सरकार बिहार की गति को विकास की गति को और बढ़ाएगी।

महिला सशक्तीकरण को लेकर शुरू हुआ 'महिला संवाद' कार्यक्रम

- सभी प्रखंडों में महिलाओं की भागीदारी

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

महिला सशक्तीकरण की दिशा में संचालित योजनाओं एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आए सकारात्मक बदलावों पर विस्तार से संवाद स्थापित करने तथा महिलाओं की आकांक्षाओं को सरकारी योजनाओं और नीतियों में बेहतर तरीके से शामिल करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा 'महिला संवाद' कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। यह कार्यक्रम 18 अप्रैल से 15 जून 2025 तक औरंगाबाद जिले में आयोजित किया जाएगा, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं को इसमें भाग लेने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा महिला संवाद कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया, जिसका सीधा प्रसारण औरंगाबाद समाहरणालय में किया गया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री, उपविकास आयुक्त अभ्येंद्र मोहन सिंह, जिला परियोजना प्रबंधक पवन कुमार (जीविका), वरीय पदाधिकारी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि राज्य सरकार महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। इस संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य है कि महिलाएं अपने गांवों व टोलों की समस्याएं, जरूरतें और आकांक्षाएं खुलकर सामने रख सकें, ताकि उन्हें योजनाओं में उचित रूप से जोड़ा जा सके। साथ ही, सामाजिक विकास से जुड़े मुद्दों पर भी महिलाएं अपना अभिमत व्यक्त कर सकें। औरंगाबाद जिले के सभी प्रखंडों में कुल पंद्रह ग्राम संगठनों में महिला संवाद का आयोजन किया गया। इन आयोजनों में राज्य सरकार की महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं को तीन वीडियो के माध्यम से दिखाया गया और विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए।